वामन भावे के साथ मिलकर 1860 में पूना नेटिव इंस्टीट्यूशन की स्थापना की। बाद में इसका नाम बदलकर महाराष्ट्र एजुकेशन सोसाइटी कर दिया गया। यह सोसाइटी आज भी कई स्कूल और कॉलेज चलाती है। उन्होंने पुणे में भावुक और प्रेरणादायक भाषण दिए, जिनमें उन्होंने लोगों से पूर्ण स्वतंत्रता के लिए विद्रोह करने का आग्रह किया। लेकिन लोगों ने उनकी उम्मीदों के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं दी, इसलिए उन्होंने एक गुप्त क्रांति शुरू करने की योजना बनाई। उन्होंने अंग्रेजों को सशस्त्र संघर्ष के जरिए उखाड़ फेंकने के लिए क्रांतिकारियों की एक सेना का निर्माण शुरू किया। इसीलिए उन्हें भारत में उग्र राष्ट्रवाद का जनक कहना बिल्कुल उचित है। उनकी सेना में विभिन्न जातियों के लोग शामिल थे–उच्च और निम्न, विशेष रूप से महाराष्ट्र के कोल, भील और धनगर समुदायों से। उनकी सेना का गठन फरवरी 1879 में हुआ था। यह संभवत: भारत की पहली क्रांतिकारी सेना थी। उसी वर्ष मई में, फड़के ने एक घोषणा जारी की, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों की आर्थिक नीतियों की आलोचना की और उन्हें धमकी दी। फड़के ने घोषणा की प्रतियां गवर्नर सहित विभिन्न सरकारी अधिकारियों को भेजीं। सैन्य विद्रोह के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से, फड़के और उसके साथियों ने ब्रिटिश प्रतिष्ठानों को लूटा। ब्रिटिश उसे पकड़ने के लिए उत्सुक थे और इसलिए उन्होंने उसकी गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा की। इसके बाद उसे महाराष्ट्र से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा और उसने आंध्र प्रदेश के श्री शैला मल्लिकार्जुन में शरण ली। यहाँ उसने निजाम की सेना के रोहिल्लाओं, अरबों और सिखों की मदद से एक नया विद्रोह संगठित करने का प्रयास किया। हालाँकि, उन्हें धोखा दिया गया और जुलाई 1879 में गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर पुणे में मुकदमा चलाया गया और फिर उसे आजीवन कारावास की सजा के लिए अदन भेज दिया गया। जेल में उन्हें तपेदिक हो गया और 17 फरवरी 1883 को मात्र 37 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई ।

❖ **शचीन्द्रनाथ बख्शी :-** शचीन्द्रनाथ बख्शी भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रान्तिकारी थे। इनका जन्म 25 दिसम्बर 1904 को बनारस में हुआ था। उनके पिता मूलत: बंगाल के फरीदपुर जिले के रहने वाले थे जो बाद में बंगाल से आकर संयुक्त प्रान्त आगरा व अवध के शहर बनारस में बस गये थे। सचीन दा ने एफ.ए. (इण्टरमीडिएट) की पढ़ाई छोड़कर कुछ क्रान्तिकारी कार्य करने की सोची। इस उद्देश्य से उन्होंने पहले सेण्ट्रल हेल्थ इम्प्रूविंग सोसाइटी बनायी फिर सेण्ट्रल हेल्थ यूनियन का गठन किया। हेल्थ यूनियन के बैनर तले उन्होंने बनारस के नवयुवकों को संगठित किया और तैराकी की कई प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं। ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध सशस्त्र क्रान्ति के लिये गठित हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के सक्रिय सदस्य होने के अलावा इन्होंने रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में काकोरी काण्ड में भाग लिया था। परन्तु पुलिस के हाथ नहीं आये। घर से फरार हो गये और बिहार में पार्टी का कार्य छुपे तौरपर करते रहे। उनको भागलपुर में पुलिस उस समय गिरफ्तार कर पायी जब काकोरी–काण्ड के मुख्य मुकदमे का फैसला हो चुका था। उन्हें और अशफाक को सजा दिलाने के लिये लखनऊ की विशेष अदालत में काकोरी षड्यन्त्र का पूरक मुकदमा दर्ज हुआ। 13 जुलाई 1927 को उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी गयी। इसी मुकदमें में अशफाकउल्ला खाँ को फाँसी की सजा हुई थी। 1937 में जेल से छूटकर आये तो काँग्रेस पार्टी में शामिल हो गये और पूरी निष्ठा से काम किया। स्वराज्य प्राप्ति के पश्चात् गरीबी में भी हँसते हुए गुजारा किया। किसी से कोई शिकायत न की। परन्तु काँग्रेस की आपाधापी और आदर्श–भ्रष्टता से ऊबकर उन्होंने पार्टी छोड़ दी और जनसंघ में चले गये। जनसंघ के टिकट पर उन्होंने चुनाव लड़ा और उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य चुने गये। अपने जीवन काल में उन्होंने दो पुस्तकें भी लिखीं। सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश) में 80 वर्ष का आयु में 23 नवम्बर 1984 को उनका निधन हुआ।

❖ **वीणा दास :-** वीणा दास बंगाल की भारतीय क्रान्तिकारी और राष्ट्रवादी महिला थीं। उनका जन्म 24 अगस्त 1911 को वीणा दास सुप्रसिद्ध ब्रह्म समाजी शिक्षक वेणीमाधव दास और सामाजिक कार्यकर्त्ता सरला देवी के घर हुआ। वे सेंट जॉन डोसेसन गर्ल्स हायर सैकण्डरी स्कूल की छात्रा रहीं। वे कोलकाता में महिलाओं के संचालित अर्ध–क्रान्तिकारी संगठन छात्री संघ की सदस्या थीं। सन् 1932 की 6 फरवरी को कलकत्ता विश्वविद्यालय में समावर्तन उत्सव मनाया जा रहा था। बंगाल के अंग्रेज लाट सर स्टैनले जैकसन मुख्य अतिथि थे। उस अवसर पर कुमारी वीणादास जो उपाधि लेने आई थी ने गवर्नर पर गोली चला दी। गोली चूक गई, गवर्नर के कान के पास से निकल गई और वह मंच पर लेट गया। इतने में लेफ्टिनेन्ट कर्नल सुहरावर्दी ने दौड़कर वीणादास का गला एक हाथ से दबा लिया और दूसरे हाथ से पिस्तोल वाली कलाई पकड़ कर सीनेट हाल की छत की तरफ कर दी फिर भी वीणादास गोली चलाती गई, लेकिन पांचों गोलियां चूक गई। उन्होंने पिस्तौल फेंक दी। अदालत में वीणादास ने एक साहसपूर्ण बयान दिया। अखबारों पर रोक लगा दिये जाने के कारण वह बयान प्रकाशित न हो सका। इसके लिए उन्हें नौ वर्षों के लिए सख्त कारावास की सजा दी गई। 1939 में जल्दी रिहा होने के बाद दास ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता प्राप्त की। सन् 1942 में उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया और पुन: 1942 से 1945 तक के लिए कारवास की सजा प्राप्त की। 1946–47 में बंगाल प्रान्त विधान सभा और 1947 से 1951 तक पश्चिम बंगाल प्रान्त विधान सभा की सदस्या रहीं। सन् 1947 में उनका युगान्तर समूह के भारतीय स्वतन्त्रता कार्यकर्ता और अपने साथी ज्योतिश चन्द्र भौमिक से विवाह हो गया। अपने पति की मृत्यु के बाद वे कलकत्ता छोड़कर ऋषिकेश के एक छोटे–से आश्रम में जाकर एकान्त में रहने लगीं थीं। अपना गुजारा करने के लिए उन्होंने शिक्षिका के तौर पर काम किया और सरकार द्वारा दी जाने वाली स्वतंत्रता सेनानी पेंशन को लेने से इंकार कर दिया। उनके पति के देहान्त के बाद उन्होंने ऋषिकेश में एकान्त जीवन व्यतीत करना आरम्भ किया। इसी एकान्तवास में 1986 में उनका निधन हो गया। भारतमाता के लिए स्वयं को समर्पित कर देने वाली इस वीरांगना का अन्त बहुत ही दुखद था। महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रोफेसर सत्यव्रत घोष ने अपने एक लेख, "फ्लैश बैक : वीणा दास, रीबोर्न" में उनकी मार्मिक मृत्यु के बारे में लिखा है। उन्होंने कहा, उन्होंने सड़क के किनारे अपना जीवन समाप्त किया। उनका मृत शरीर बहुत ही छिन्न–भिन्न अवस्था में था। रास्ते से गुजरने वाले लोगों को उनका शव मिला। पुलिस को सूचित किया गया और महीनों की तलाश के बाद पता चला कि यह शव वीणा दास का है। यह सब उसी आजाद भारत में हुआ जिसके लिए इस अग्नि–कन्या ने अपना सब कुछ ताक पर रख दिया था। देश को इस मार्मिक कहानी को याद रखते हुए, देर से ही सही, लेकिन अपनी इस महान स्वतंत्रता सेनानी को सलाम करना चाहिए। ●

भारत बनाये दुनिया अपनाये

● **संजय कुमार सिन्हा**

भारतीय व्यापार महोत्सव दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त 2026 को मनाया जा रहा है। इस व्यापार महोत्सव के द्वारा भारत सरकार की मनसा है कि भारत के बने हुए समान भारतीय तो खरीदें ही और स्वदेशी पर आस्था पूरी तरह बढ़ाये। एवं भारत में निर्मित समान सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में खरीदीं जाये। इस व्यापार महोत्सव का मुख्य उद्देश्य यही रहेगा कि चाइना के उत्पाद के तरह भारतीय उत्पाद भी दूनिया के देशों में फैलाइ जाये। इसके लिए सबसे पहले भारतीय उत्पाद के मूल्य कम हो एवं गुणवत्ता चीन के समानों से ज्यादा हो एवं दूनिया को भारतीय वस्तुओं पर लोगों का विश्वास बनें। भारत सरकार हमेशा से चाहतीं है कि भारत के राज्यों के प्रसिद्ध उत्पाद एवं उसके निचे जिले स्तर की उत्पाद को प्रदेश स्तर एवं राष्ट्र स्तर पर उसकी महत्व एवं प्रचार के साथ विश्वस्नियता बनाई जाये। एक जिला एक समान की महत्व को सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने दिया एवं राज्य स्तर पर कई कार्यक्रम किये गए। भारत सरकार एवं अन्य संस्था प्रयास तो करती है कि भारतीय उत्पाद के साथ इसके लागत कम हो परंतु यहाँ की राजनीतिक एवं समाजिक समस्याओं के कारण उत्पादन को सस्ती दर पर निर्मित नहीं किया जा सकता हैं। भारत में ट्रेंड यूनियन एवं राजनीति दल के नेता ऐसा होने नहीं देते। फिर भी भारत सरकार प्रयास कर रहीं हैं, ये बहुत अच्छा प्रयास है इससे लोगों के उत्पाद की सही मुल्य भी मिलेगी एवं बाजार

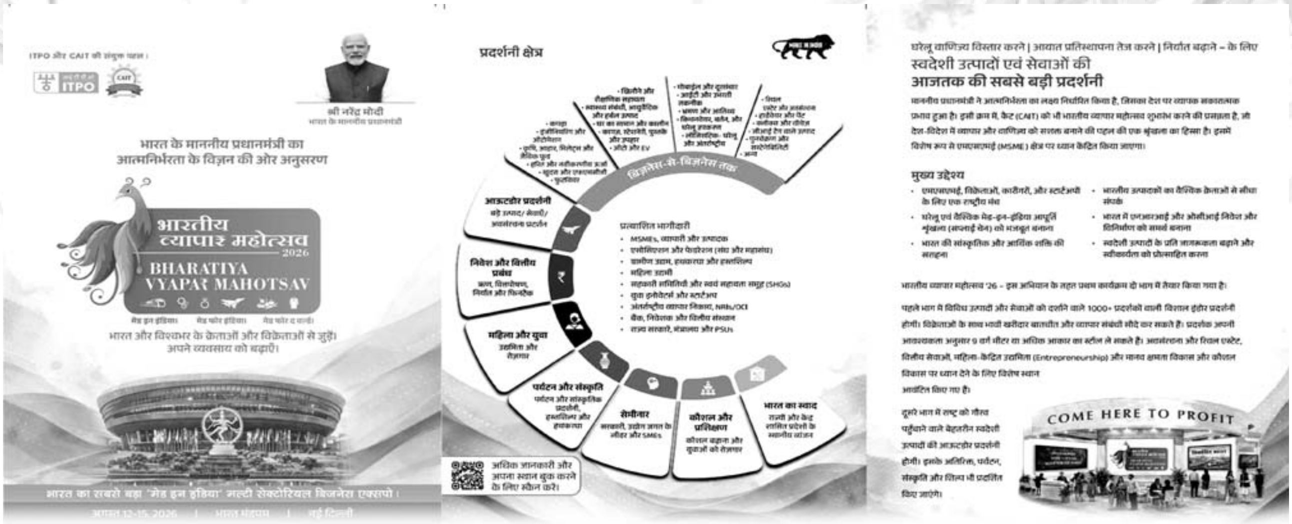

भारतीय व्यापार महोत्सव 12 से 15 अगस्त, 2026 नयी दिल्ली के मुख्य संयोजक एवं भारत की पहली लोकसभा क्षेत्र से चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खण्डेलवाल से इस व्यापार महोत्सव पर कुछ बातें :-

❖ **क्या इस भारतीय व्यापार महोत्सव से भारत के लघु उद्योग एवं एमएसएमई को किस तरह के फायदे होगें?**

देश में पहली बार सभी प्रकार के एसएमई और लघु उद्योगों का ऐसा अवसर हो रहा है, जहाँ केवल भारतीय उत्पादों का प्रदर्शन होगा। और माननीय प्रधानमंत्री जी का जो स्वदेशी का विजन है, यह उसे और मजबूत करेगा। इसके माध्यम से जो भी बिजनेस डेलीगेट यहाँ आएंगे, वे जिन उत्पादों का प्रदर्शन होगा, उनके व्यापार को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। और जो विजिटर आएंगे, वे देख पाएंगे कि भारत ने किस क्षेत्र में कितनी प्रगति की है।

❖ **इसमें कितने आगंतुक आने का अनुमान लगा रहे हैं आप?**

लगभग दो लाख बिजनेस डेलीगेट आएंगे और आम पब्लिक दस लाख।

❖ **क्या ये वर्ल्ड ट्रेड फेयर से बड़ा आयोजन होगा?**

नहीं-नहीं, वर्ल्ड ट्रेड फेयर तो प्रगति मैदान में लगता है। अभी तक का देश का सबसे बड़ा फेयर वही है। यह भी एक बड़ा आयोजन है और जैसे-जैसे समय बीतेगा, हर साल लगेगा और लगातार बढ़ता जाएगा।

❖ **एक सवाल आता है कि भारत में व्यापार से संबंधित उधार-लेनदेन में अक्सर रकम फँस जाती है, जिससे व्यापार और मांग प्रभावित होती है।**

इस व्यापार महोत्सव का उससे कोई लेना-देना नहीं है। यह तो एक एग्जिबिशन है, बस।

❖ **मतलब हम यह मानकर चलें कि जैसे चीन का माल (समान) पूरी दुनिया में व्यापार के लिए फैला है, उसी तरह यह व्यापार उत्सव भारत के लिए बाजार की एक शुरुआत मानी जाएगी कि हम भारत के उत्पादों को भी पूरी दुनिया तक पहुँचायेगें?**

हाँ जी, हाँ जी, बिल्कुल। इसी उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है।

भी उपलब्ध होगा जिससे रोजगार के अवसर सृजित होगें। इस विशाल कार्यक्रम को भारत सरकार के आईटीपीओ और सीएआईटी मिलकर आयोजित कर रहीं है। व्यापार मेले में प्रदर्शनी स्टॉल 1,000 से अधिक होगें लघु उद्योग और एमएसएमई व्यापारिक को मजबूत करना।उपस्थिति: 2 लाख से अधिक व्यापारी और अंतरराष्ट्रीय बिजनेस प्रतिनिधि। के साथ दस लाख विजिटर अलग से आयेगें ऐसा संभावना माना जा सकता है। इस महोत्सव का उद्देश्य भारतीय निर्मित उत्पादों के साथ साथ दृश्यता बढ़ाना, उद्यमियों को वित्त/निवेश से जोड़ना और युवाओं/महिलाओं को प्रोत्साहित करना है। मैक इन इंडिया, आत्म निर्भर भारत, स्वदेशी दृष्टिकोण को मजबूत करना और घरेलू व्यापारियों एवं एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर जोड़ना इस व्यापार महोत्सव का मुख्य उद्देश्य माना जा सकता हैं। भारतीय व्यापार महोत्सव के प्रमोशन के लिए एक बहुत अच्छी गीत भी लाया गया है :-

'बने भारत में, जगत तक जाए,
भारत के रंग को दुनिया अपनाए।
लोकल से ग्लोबल तक दिखाए,
भारतीय व्यापार हर ओर छाए।
भारत बनाए, दुनिया अपनाए,
भारत की गूँज दूर तलक जाए।
भारत बनाए, दुनिया अपनाए,
भारत की गूँज दूर तलक जाए।
लोकल से ग्लोबल तक दिखाए,
भारतीय व्यापार हर ओर छाए।
भारत बनाए, दुनिया अपनाए,
भारत की गूँज दूर तलक जाए।'●

● अमित कुमार

रामचरितमानस में कहा गया है 'होइहि सोइ जो राम रचि राखा', लेकिन कलयुग में कह सकते हैं कि 'का हो भैया रामलला के मंदिरों में डाल डालो डाका'।

हां, मतलब जो अभी सुर्खियों में खबर रामलला मंदिर की चल रही है, उसके बाद से देश के करोड़ों रामभक्त आज जो सवाल पूछ रहे हैं रामलला से ही कि 'हे रामलला! का तुम्हरे घर मा भी चोरन के नजर पड़ गए'। क्योंकि अयोध्या के जिस राम मंदिर को बनवाने के लिए साढ़े पांच सौ साल की लड़ाई राम भक्तों ने लड़ी, जिसके लिए न जाने कितने लोग जेल गए, कितनों ने प्राण दे दिए, कितनों की आंखें इंतजार में दुनिया छोड़कर चली गई, कितने मांओं ने अपने बच्चों को न्योछावर कर दिया! जब वह राम मंदिर भव्य बनकर तैयार हुआ तो लगा कि अब राजा राम की भक्ति में कोई कोर कसर नहीं रखी जाएगी, लेकिन बड़ी पीड़ा से कहना पड़ रहा है कि डायन भी ससुराली दो चार घर छोड़ देती है। क्या हमारे अपने राम भक्तों ने रामलला के मंदिर में लालच को नहीं छोड़ा? भ्रष्टाचार कर दिया। पैसा लूट लिया भक्तों का। हां, आरोप यही लग रहा है कि करोड़ों रामभक्त जो रामलला के दर्शन करने जाते हैं और अपनी औकात के हिसाब से 10 रूपया, 5 रूपया, 100 रूपया सोना, चांदी, गहना मंदिर में चढ़ा कर आते हैं उस पैसे में लूट खसोट हुई है।

अयोध्या के राम मंदिर दान चोरी मामले की जांच कर रही है, इसीलिए हम कह रहे हैं कि हे भगवान राम, हे रामलला तुम्हारा घर भी नहीं छोड़े। वैसे राम नाम भी गजब की माया है। एक जमाना था जब अयोध्या में पहली बार रामलला के दर्शन होने पर के.के. नायर, जो मजिस्ट्रेट थे, उनके ड्राइवर बाद में विधायक बन गए थे और इस बार जिन पर आरोप लगा है–चंपत राय, जो मंदिर ट्रस्ट के हैं। उनके ड्राइवर हैं जो रईस बन गए हैं। ये आरोप लग रहा है कि 24 कमरे का उनका हॉस्टल है, लिफ्ट वाला मकान है, लखनऊ में करोड़ों की जमीन है। एक दान गिनने वाले कर्मचारी लवकुश मिश्रा, जिनकी तनख्वाह अठारह–बीस हजार रुपए है, उनके पास आई फोन निकला है। उनके घर में लाखों रुपया कैश निकला है। करोड़ों की नकदी का हेरफेर हुआ है। अब ये सारे आरोप अभी लगे, लेकिन सवाल फिर वही है कि जिन लोगों पर भगवान राम के भक्तों की श्रद्धा को संभालने की जिम्मेदारी थी, क्या उन लोगों ने श्रद्धा के साथ खिलवाड़ कर लिया? उस मंदिर में जिसको बनवाने के लिए सदियों का इंतजार राम भक्तों ने किया, उसके चढ़ावे पर बुरी नजर डाली। यह बड़ा

अविनाश शुक्ला

सुभाष श्रीवास्तव

रमाशंकर मिश्रा

मनीष यादव

लवकुश मिश्रा

करुणेश पांडेय

अनुकल्प मिश्रा

राम शंकर यादव उर्फ़ टिन्नू यादव

राम मंदिर चंदा चोरी मामले के अभियुक्त

महत्वपूर्ण सवाल है, क्योंकि दानपत्र से बैंक जाते-जाते अगर पैसा गायब हो जाता है। एसआईटी जो जांच कर रही है, इसमें गड़बड़झाला मिल रहा है। सरकार को जांच बैठाना पड़ रहा है। सीसीटीवी फुटेज गायब होने की बात आ रही है। कर्मचारियों की तनख्वाह, उनके रहन सहन उसमें फर्क दिखाई पड़ रहा है, तो यह सवाल उठेगा कि जिस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को अभी केवल महज चार साल हुए हैं। उसके साथ करोड़ों भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर दिया गया। वह भी राम मंदिर में बैठकर। यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है और इसीलिए आज इस बात की बहुत पीड़ा भी है। पीड़ा इसलिए भी क्योंकि हमारे पूर्वजों ने कितना इंतजार किया। साढ़े पांच सौ साल से अधिक इंतजार किया और इसीलिए जब एक भक्त की आस्था के साथ खिलवाड़ होता है तो यह सवाल केवल पैसों का नहीं होता, केवल चढ़ावे का नहीं होता है।

आज इस खबर में दो बातें स्पष्ट होगी-एक अभी आरोप लगे हैं, एसआईटी जांच कर रही है। लेकिन दूसरा हम योगी आदित्यनाथ सरकार से अपील करेंगे कि अगर यह आरोप प्रमाण में तब्दील हो जाते हैं तो ऐसी नजीर पेश कीजिएगा, जिसका कोई सानी न हो। अगर यह सच निकलते हैं तो इन सब के घर में बुलडोजर चलना चाहिए। इनकी आने वाली पीढ़ी को भगवान मंदिर के आसपास भटकने नहीं देना चाहिए। राम मंदिर के अंदर चोरी कर ली। अभी तक सारे आरोप प्रमाणित नहीं हुए हैं लेकिन अब तक की जितनी खबरें आई हैं क्योंकि अब मामला विपक्ष के आरोप और सत्ता पक्ष के नकारने से ज्यादा हो गया है। सरकार ने खुद एसआईटी बनाई है। तीन आदमी को लगाया है और अगर धुआं है तो पीछे कहीं आग लगी है और उसी आग को समझने की कोशिश करेंगे। यह खबर बड़ी महत्वपूर्ण है कि क्योंकि राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी हुई है? क्योंकि रामलला के चरणों में करोड़ों भक्त अपनी श्रद्धा, विश्वास, मेहनत की कमाई का चढ़ावा समर्पित करते हैं। उसी चढ़ावे को लेकर सवाल है। अब पहले अयोध्या मंदिर कंसेप्ट समझ लीजिए। अयोध्या रामलला मंदिर अगर आप गए हैं तो आप जानते होंगे, वहां पर चौदह जगहों पर दानपत्र लगे हैं। लाखों भक्त रोज आते हैं। लाखों चढ़ावा आता है। कुछ सिक्के के माध्यम से, कुछ नोट के माध्यम से, कुछ सोना, चांदी। श्रद्धालु उसे दानपत्र में डालते हैं। इसके बाद दानपत्र कर्मचारियों की मौजूदगी में खोला जाता है। उसे गिना जाता है और उसके बाद एसबीआई को जमा कर दिया जाता है। लेकिन आरोप यह लग रहा है कि पिछले कई महीनों में यहां गड़बड़ी है। आरोप यह है कि पांच से आठ करोड़ रुपए की कथित गड़बड़ी है। गिनती के दौरान यह कहा जा रहा है कि रकम जो है, जो बैंक पहुंची वह अलग है। पहले ट्रस्ट को शक हुआ। अंदरूनी जांच की बात सामने आई। उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की। अब बताया जा रहा है कि पचास कर्मचारी ऐसे हैं जो इस भ्रष्टाचार का हिस्सा हो सकते हैं। इनमें से कई कर्मचारियों की तनख्वाह अठारह हजार से पच्चीस हजार रुपए के बीच में है। लेकिन जब आप उनकी संपत्ति और उनके खर्चे को देखेंगे तो कहा जा रहा है कि उसमें बहुत फर्क है। ऐसे ऐसे लोग हैं जो आई

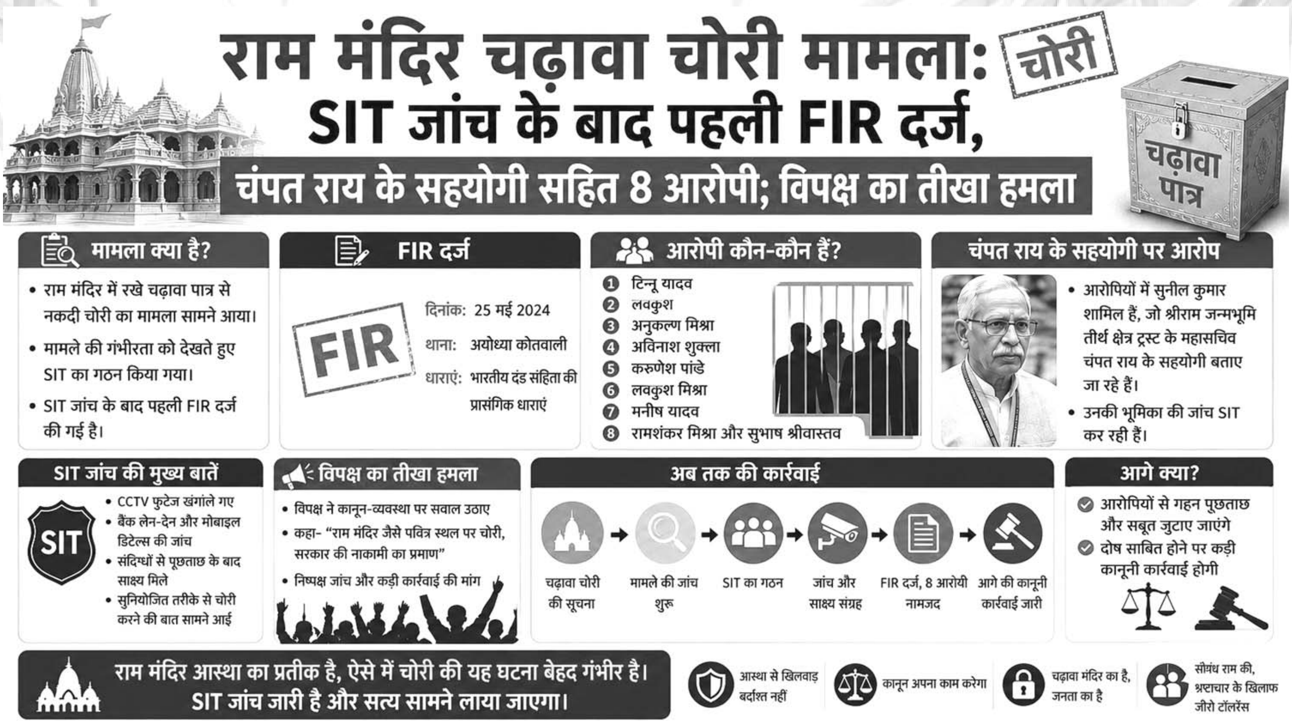

फोन चला रहे हैं। नकद पैसा रखे हैं, लेकिन आरोप यह भी लग रहा है कि विवाद आठ महीने को लेकर है और आठ महीनों में सीसीटीवी फुटेज भी सारी नहीं है और यहीं से जो शक है, जो संदेह है वह धीरे-धीरे यकीन में बदलता है। कुछ तो गड़बड़ है। बताया जा रहा है कि जो गिनती कक्ष था, वहां पर सीसीटीवी नहीं लगाया गया। ट्रस्ट की तरफ से कह दिया गया था कि लड़के अपने हैं। अरे भैया! अपने लड़के घर की दुकान चला रहे हैं कि मंदिर ट्रस्ट चल रहा है। अपने लड़के मतलब? करोड़ों भक्तों की आस्था का सवाल है। पारदर्शिता जितनी अच्छी होगी उतना यकीन बना रहेगा। एक आदमी तन पेट काट के कई बार पैसा जमा कर देता है। चलो जिसके पास है संपन्न है उसका तो कोई दिक्कत नहीं। लेकिन गरीब आदमी कई बार सौ रुपया मोड़कर रखे रहता कि पैदल चले जाएंगे। हम भगवान को चढ़ा दे रहे हैं। उसको अगर कोई आदमी लेकर मजा ले रहा है या खर्चा कर रहा है तो तो चिंताजनक बात है।

एसआईटी की शुरुआती जांच में जिन व्यक्तियों का नाम सबसे ऊपर आ रहा है, उनमें सबसे पहला नाम है रामशंकर यादव का, जो 28 साल पहले मंदिर के जो ट्रस्टी हैं चंपत राय के ऑटो टेंपो को चलाते थे। लेकिन अब ये बड़े आदमी बन गए हैं। इनके पास ऑटो टेंपो से निकलकर मंदिर के चढ़ावे की व्यवस्था की जिम्मेदारी है। मंदिर के वीआईपी पास की जिम्मेदारी है। मंदिर की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण कामों की भूमिका है। लेकिन आरोप यह लग रहा है कि इन जनाब के पास चौबीस कमरों का अपना हॉस्टल है। जो मकान बनवाए हैं, लिफ्ट वाला मकान बनवाए हैं। लखनऊ में इनके पास संपत्ति है और करोड़ों की

जमीन जायदाद इनके पास है। एक के.के. नायर साहब थे। मंदिर के शुरुआती दौर में मजिस्ट्रेट साहब अयोध्या के जिनका ड्राइवर विधायक बन गया था और एक चंपत राय जी हैं जिनका ड्राइवर रईस बन गया। करोड़ों का पैसा छाप लिया। ऐसा आरोप लग रहा है अब तक। सच क्या है? वह सामने आएगा जब कोर्ट कचहरी से मामला सामने आएगा।

दूसरा नाम जो निकल कर आया वह है लवकुश मिश्रा का। लव कुश भगवान राम के पुत्र थे। लेकिन इन लवकुश पर आरोप लगा है कि यह दान गिनने वाले वह कर्मचारी थे, जिनकी तनख्वाह अठारह से बीस हजार रुपए थी। लेकिन इन्होंने पैसे में हेरफेर किया है। उनके ऊपर आरोप लगा कि इनके घर से गोबर के ढ़ेर में नकदी मिला है। अयोध्या में भैया चालीस लाख रुपए प्लॉट खरीदे। आई फोन चलाते थे और ये अकेले नहीं। इनके साथ ही कई और हैं जिनपर आरोप है, उनमें अनुकल्प मिश्रा है, अवनीश है, करुण है, मनीष यादव है। कई और कर्मचारी हैं जिनका नाम सामने आया है। बाहर से भी कई लोग आरोप लगवाएं हैं। धर्मसेना वाले भी आरोप लगवाएं हैं। तहसील दिए हैं चंपत राय जी के खिलाफ, डॉक्टर अनिल मिश्रा के खिलाफ, गोपाल राव खिलाफ, टिन्नू यादव के खिलाफ। आरोप लगाए जा रहे हैं कि 1989 के सोने, चांदी, हीरे, माणिक बारह सौ पचास अष्टधातु शिलाओं के गायब हो गए हैं। वैसे राम मंदिर में जो चढ़ावा है उसकी चोरी को लेकर ट्रस्ट की तरफ से भी बयान आया था। चंपत राय जी कह रहे थे कि कोई गड़बड़ी नहीं है। जांच की जा रही है। सच सामने आ जाएगा। लेकिन चंपत राय जी के लिए भी बहुत सारे सवाल अब उठने लगे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि चंपत राय जी

अगर सब कुछ ठीक था तो गिनती वाले कमरे में सीसीटीवी लगाने का विरोध क्यों किया गया? यह क्यों कहा गया कि सब अपने लड़के हैं। जिस लवकुश पर नाम आया उसका नाम भगवान राम के बेटे के नाम पर है। एक आपका ड्राइवर निकला, जिसकी करोड़ों की संपत्ति है। क्या मंदिर में आपको इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई? क्या उसके लिए पारदर्शिता जरूरी नहीं है? एक सवाल यह भी उठ रहा है कि आठ महीने का सीसीटीवी फूटेज जिसके बारे में कथित तौर पर कहा जा रहा है, नहीं मिला। भक्त तो अपनी आस्था चढ़ाता है, पैसे से कोई मतलब नहीं। हम सब तो इसी में खुश थे कि मंदिर बन गया। विपक्ष सरकार और ट्रस्ट पर सवाल उठा रहा है और विपक्ष क्यों? भाजपा के नेता विनय कटियार ने सवाल उठाया है, देवकीनंदन ठाकुर ने सवाल उठाया है और बहुत सारे साधु संत महात्मा हैं जो अब सवाल उठाने लगे हैं। हालांकि ट्रस्ट कह रहा है कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई, लेकिन फिर दूसरी तरफ करोड़ों रुपए की बरामदगी, गोबर के ढेर से नकदी, कुछ लोग की बढ़ती संपत्ति। ये सारे सवालों ने राम भक्तों के मन में बेचैनी बढ़ाई है।

जब चौकीदार ही चंपत हो जाए तो फिर खजाना कैसे बचेगा? आज भारत में करोड़ों रामभक्त तड़प कर यही सवाल पूछ रहे हैं। क्योंकि यह मामला किसी नेता, अफसर, कारोबारी का नहीं है। यह मामला उस रामलला के चरणों में चढ़े दान का है, जिसे भक्तों ने अपने भगवान को सौंपा था। अब एसआईटी की जांच के बाद जो खबर आ रही है वो परेशान करने वाली है। चंपत राय समेत कई नाम हैं जिन पर सीधे उंगलियां उठ रही हैं। एफआईआर दर्ज होने की बात कही जा रही है। 2 करोड़ रूपये तो बरामदगी की बात हो चुकी है। कई सौ करोड़ का नुकसान सीधे तौर पर कहा जा रहा है। अगर भक्तों के भरोसे के साथ राम मंदिर में दान पेटी के साथ खेला कर दिया गया है तो जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं वो अभी रामलला के मंदिर में क्या कर रहे हैं? आज राम भगवान के लाखों भक्तों के मन में टीस है। जिन हाथों में हमने आंख मूंद कर अपनी श्रद्धा को सौंपा था, वो हाथ साफ थे या चांदी के कौवा उड़ाने में माहिर थे। हां, आज सवाल उठ रहा है वो चांदी का कौवा कहां उड़ गया। जो एक महिला भक्त ने अपनी मन्नत से बनवाकर अपने हाथ से सौंपा था। वो 200 किलो की चांदी कहां गई जो सात समंदर पार बैठे पूरे समाज ने प्रभु श्री राम के नाम पर भेजी थी। उस चेतावनी का क्या हुआ जो छह साल पहले दी गई थी और किसी ने सुनी तक नहीं। दानपात्र की चाबी किसकी जेब में थी? बिना तलाशी कर्मचारी कैसे आते-जाते रहे? और सबसे तीखा सवाल कि जिन लोगों पर यह आरोप है वो आज भी अपनी कुर्सी से चिपके काहे बैठे हैं। क्या योगी जी, मोदी जी को यह दिखाई नहीं पड़ रहा है? और दिख रहा है तो फिर किसको बचाया जा रहा है? करोड़ों राम भक्तों की आस्था को या फिर चंद लोगों की कुर्सियों को।

विश्व सिंधी सेवा संगम के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और कास्टलेस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. राजू मनवानी ने आरोप लगाया कि पूरे सिंधी समाज ने मिलकर राम मंदिर निर्माण के लिए एक-एक किलो की 200 चांदी की ईंट बनवाई थी, जिन पर समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल की तस्वीर अंकित थी। 26 जनवरी 2021 को 12 देशों से आए 150 से ज्यादा प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ये ईंटें खुद चंपत राय को सौंपी गई थी। पर वो कहते हैं कि पांच साल बीत गया। न रसीद मिली, न जानकारी कि वो कहां है चांदी की ईंट। दान के वक्त चांदी की कीमत करीब डेढ़ करोड़ थी, जो आज 6 से 7 करोड़ होगी। यानी अकेले समाज का इतना बड़ा दान और उसका भी कोई हिसाब-किताब नहीं। मनवानी कहते हैं कि पहले सवाल नहीं उठाया क्योंकि भरोसा था कि भाई हमने दिया है, राजा राम के नाम पर दिया है तो राम के काम आया होगा। लेकिन अब जब देख रहे हैं कि पैसा कौड़ी मार लिया गया है। सैकड़ों करोड़ के हेराफेरी की बात आ रही है तो मन में चिंता हो रही है, दुख हो रहा है। सवाल आ रहा है कि हम तो राम के नाम पर दिए थे। ऐसा तो नहीं है कि वो किसी व्यक्ति विशेष ने अपने काम में इस्तेमाल कर लिया। और हैरानी की बात यह है कि इतना सब होने के बाद भी अब तक कार्रवाई नहीं हो रही है। अरे जब एक महिला के चांदी, कौवा और एक पूरे समाज के 200 किलो चांदी तक का हिसाब नहीं तो न जाने ऐसे कितने दान होंगे छोटे मोटे जिनका तो कोई रिकॉर्ड ही नहीं होगा। ऐसे कितने भक्त होंगे जो यह मानकर लौट गए होंगे कि भगवान के चरणों में उनकी श्रद्धा पहुंच गई। लेकिन कोई उसको अपने ऐशो आराम के लिए इस्तेमाल कर रहा था।

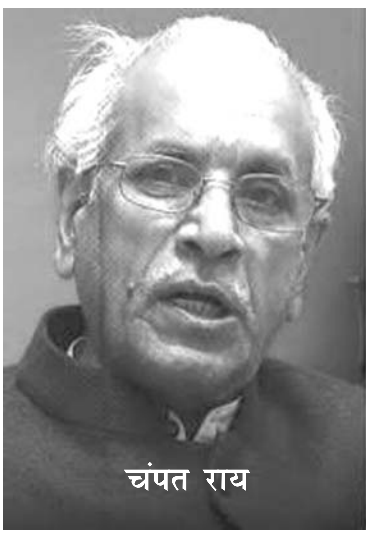
चंपत राय

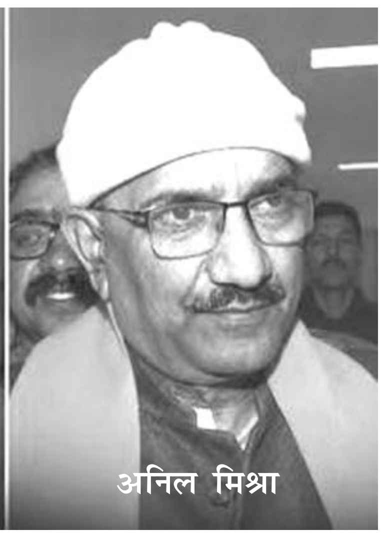
अनिल मिश्रा

राममंदिर दान पेटी चोरी का मामले का विरोध देश ही नहीं विदेशों तक व्यापक रूप में हो रहा है। वही राजधानी पटना में हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. रमेश शिंदे ने 3 जुलाई को एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि यह दुनियाभर के करोड़ों हिन्दुओं के सदियों के बलिदान, दीर्घकालिक संघर्ष और श्रद्धा का प्रतीक है। मंदिर की दानपेटी के अर्पण में चोरी करना एक महापाप है और प्रभु श्रीराम उन्हें उनके कर्मों की सजा अवश्य देंगे। लेकिन सरकार को इस मामले में कौन दोषी है, इसकी शीघ्रता से जांच कर सच्चाई जनता के सामने लानी चाहिए और दोषियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, ऐसी मांग हिन्दू जनजागृति समिति ने की है। हमने इससे पहले भी कई बार यह मांग की है कि किसी भी मंदिर की समिति में केवल भगवान के भक्त ही होने चाहिए। चूँकि भक्त ईश्वर का उपासक होता है, इसलिए वह देव-निधि चुराने का विचार सपने में भी नहीं कर सकता। यदि सच्चे अर्थों में मंदिरों का उद्धार करना है, तो भगवान के ऐसे भक्त ही मंदिर व्यवस्था में होने चाहिए। ऐसे मामलों के कारण सरकार 'मंदिरों का सरकारीकरण (अधिग्रहण)' करने का प्रयास करती है, जिसका हम हमेशा विरोध करेंगे, समिति ने यह स्पष्ट रुख अपनाया है, जो सरकारी अधिकारी स्वयं भ्रष्ट होते हैं, जो सरकारी अधिकारी शासन तंत्र में गहराई से जड़ जमा चुकी भ्रष्ट व्यवस्था का हिस्सा होते हैं, वे सरकारी अधिकारी मंदिर समिति में भ्रष्टाचार को कैसे रोक सकेंगे? इसलिए धार्मिक स्थलों पर धर्मनिरपेक्ष सरकार का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

मंदिरों का सरकारीकरण होने के बाद मंदिर के कोष में भ्रष्टाचार बढ़ने के कई उदाहरण देशभर में हैं। इस दृष्टि से भगवान का सच्चा भक्त, जो मंदिर का दायित्व भगवान की सेवा मानकर स्वीकार करेगा, ऐसे भक्तों को ही मंदिरों का दायित्व सौंपा जाना चाहिए।

बहरहाल, राम मंदिर में छह साल पहले खतरे की घंटी बजी थी। आज राम मंदिर ट्रस्ट में जो चोरी चकारी की बात आ रही है, वो अचानक नहीं हुआ है। छह साल पहले ऑडिट करने वाली कंपनी ने साफ-साफ बताया था कि राम मंदिर का इंतजाम ढ़ंग से नहीं चल रहा। कहा गया था कि चंदे और कीमती सामान का रिकॉर्ड सही से नहीं रखा जा रहा। लेनदेन पर दोबारा तिबारा जांच की कोई व्यवस्था नहीं है और अगर यह खामियां रही ऐसी ही तो आगे गड़बड़ी हो सकती है। यानी कई साल पहले रामलला के मंदिर में खतरे की घंटी थी। आवाज आई थी, लेकिन सबने अनसुनी कर दी और सवाल यहीं से शुरू होता है। उस घंटी को अनसुना क्यों किया गया? सीसीटीवी क्यों नहीं लगाया गया? रिकॉर्ड क्यों नहीं रखा गया? जब किसी जानकार ने उंगली रखकर बता दिया कि सुराख कहां-कहां है तो उन्हें भरा क्यों नहीं गया? क्या किसी को लगा कि भगवान के नाम जो रकम आई उसका हिसाब किताब रखने की जरूरत नहीं? या किसी को इन गड़बड़ियों में फायदा दिख रहा था इसलिए जानबूझकर सुराख को खुला छोड़ दिया गया। जैसे चंपत राय जी ने कहा था क्या जरूरत है अपने तो लड़के हैं। एसआईटी की रिपोर्ट इस शक को गहरा करती है। एसआईटी की रिपोर्ट कहती है कि मंदिर के दानपात्र की चाबी रामशंकर यादव टिन्नू के पास थी। टिन्नू कौन? चंपत राय का ड्राइवर। रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि सेवादारों को गबन की जानकारी पहले से थी। कौन सेवादार? जिनको चंपत राय जी ने कहा था अपने लड़के हैं। यानी जिस गड़बड़ी की चेतावनी छह साल पहले कागज पर दी गई थी, वो जमीन पर सच होती गई और किसी ने रोका नहीं। अब सीधा सवाल अगर करोड़ों लोगों की आस्था दांव पर थी तो उसकी रखवाली किसके सिर थी? कुछ सेवादार का हृदय पीड़ा से कराह रहा था तो वो भी इनके साथ मिले और बाद में मीडिया को जानकारी दी वरना यह तो नेक्सस रैकेट बना दिया गया था। लेकिन अब सवाल है कि राम मंदिर के चढ़ावे का हिसाब कौन देगा? क्योंकि आज राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर जो आंकड़े हैं वो परेशान कर देंगे। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच कर रही एसआईटी ने शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी है और इसमें चंपत राय समेत 14 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें ट्रस्ट के सरस डॉक्टर अनिल मिश्रा, व्यवस्थापक गोपाल राव, व्यवस्था प्रमुख रामशंकर यादव, टिन्नू। एसआईटी ने डेढ़ सौ लोगों से पूछताछ की, जिसमें ट्रस्ट और बैंक के कर्मचारी अधिकारी दोनों थे और कहा जा रहा है कि 25, 30 लोग सीधे-सीधे चोरी की

भूमिका में हैं। बरामदगी का आंकड़ा देखिए। पांच आरोपी लवकुश, अवनीश, अनुकलप, करुण, रामशंकर इनकी निशानदेही पर 2 करोड़ रूपये बरामद कर लिया गया है और कहा जा रहा है कि अभी तो कई सौ करोड़ रुपए ऐसे हैं जो बरामदगी होनी है। कितना सामान कोई सोना का बनवा के कुछ दिया, कोई चांदी का। वो सब गायब है। भक्तों ने दान में गहने दिए थे, वो गायब है और इन सबके बीच चढ़ावा गिनने वाले कर्मचारियों की भर्ती पर भी सवाल है। यानी जिन हाथों से करोड़ों राम के भक्तों की श्रद्धा गिनती जा रही थी, उन हाथों के चुने जाने का तरीका भी शक के घेरे में है। और सबसे चिंता की बात जानते हैं मंदिर कर्मचारियों के बिना तलाशी के आवाजाही होती रही। यही ढिलाही इस पूरी चोरी की बड़ी वजह थी।

हालांकि अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के चलते चंपत राय ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। राय के साथ ही ट्रस्ट के एक प्रमुख और प्रभावशाली सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने भी पद से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, चढ़ावा चोरी मामले में एफआईआर के बाद से ही माना जा रहा था कि ये दोनों वरिष्ठ पदाधिकारी अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। इस बीच, खबर है कि अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। हालांकि चंपत राय और अनिल मिश्रा पर सीधे तौर पर कोई वित्तीय आरोप दर्ज नहीं है, लेकिन उनके अधीन काम करने वाली टीम और करीबियों द्वारा इतने बड़े गबन को अंजाम देने और निगरानी में भारी चूक के कारण उन पर भारी दबाव था। अंततः नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए दोनों ने ट्रस्ट से अपना त्यागपत्र दे दिया। विवाद बढ़ता देख 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' की सिफारिश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून 2026 को एक 3-सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया था। एसआईटी ने अयोध्या में 6 दिनों तक डेरा डालकर वित्तीय दस्तावेजों, दानपात्रों के खुलने और नकदी के रख-रखाव से जुड़े रिकॉर्ड्स की गहन जांच की और ट्रस्ट के सदस्यों से पूछताछ की। एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर, ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की लिखित शिकायत पर 25 जून 2026 को अयोध्या के राम जन्मभूमि थाने में एफआईआर दर्ज की गई। 26 जून 2026 को पुलिस और एसआईटी ने नामजद सभी 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें रमाशंकर यादव (टिन्नू), अनुकल्प मिश्र, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, लवकुश मिश्र, रमा शंकर मिश्र, सुभाष श्रीवास्तव और मनीष यादव का नाम है। सवाल यह है कि क्या लोगों ने राम को जो दान दिया था, उसे कुछ लोगों ने अपने बाप की जागीर समझ लिया। क्यों समझ लिया? जांच अपना काम करेगी। सच एक दिन सामने आएगा। लेकिन तब तक यह सवाल सभी राम भक्तों के दिल में कांटे की तरह चुभेगा और इसका जवाब सिर्फ अयोध्या नहीं, आज पूरी दुनिया में बसा हर राम भक्त को देना है। बाकी तो हम यही कहेंगे। हे राम! कैसे किया ये काम? ●

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार)

लखनऊ की सियासत में इन दिनों जो हलचल दिख रही है, वह पिछले कई बरसों से चली आ रही तस्वीर से बिल्कुल अलग है। अब तक समाजवादी पार्टी को पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक यानी पीडीए के सहारे मैदान में उतरने वाली पार्टी के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव का रुख जिस तरह बदला है, उसने पुराने राजनीतिक समीकरणों को भी हिला दिया है। पार्टी दफ्तर में भजन-कीर्तन, सुंदरकांड का पाठ और अयोध्या-चित्रकूट से बुलाए गए साधु-संतों का आशीर्वाद लेने जैसी तस्वीरें अब सामान्य होती जा रही हैं। यही वजह है कि राजनीतिक विश्लेषक इसे अखिलेश यादव की सोची-समझी 'सॉफ्ट हिंदुत्व' रणनीति बता रहे हैं। गौर करने वाली बात यह है कि यह बदलाव अचानक नहीं आया। बीते कुछ महीनों में अखिलेश यादव मंदिरों में दर्शन करते, ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं का जिक्र करते और भंडारों में शामिल होते देखे गए हैं। इटावा में केदारेश्वर मंदिर बनवाने की पहल हो या रामचरितमानस

बांटने जैसे कदम, सपा मुखिया लगातार यह संदेश देने की कोशिश में हैं कि भगवान राम किसी एक पार्टी की बपौती नहीं, बल्कि पूरे समाज की आस्था हैं। साथ ही वे यह भी जोड़ते हैं कि आस्था के नाम पर राजनीति करना गलत है, जिसका सीधा निशाना सत्तारूढ़ भाजपा पर है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को एक खास समुदाय की पार्टी बताकर मिली सियासी बढ़त से सपा ने साफ सबक लिया है, और यही वजह है कि अखिलेश अब मुस्लिम मुद्दों पर पहले जैसी मुखरता से बचते नजर आते हैं।

राजनीतिक हलकों में इसी बदलाव को 'डायमंड कट्स डायमंड' यानी लोहे को लोहे से काटने वाला फॉर्मूला कहा जा रहा है। मतलब साफ है, योगी आदित्यनाथ के तीखे हिंदुत्व और धार्मिक राष्ट्रवाद का जवाब अब सपा पुरानी धर्मनिरपेक्षता की भाषा से नहीं बल्कि खुद धर्म की जमीन पर उतरकर देना चाहती है। इसके पीछे तर्क यह है कि

यूपी जैसे बड़े राज्य में सत्ता की चाबी बहुसंख्यक सनातनी मतदाता को नाराज करके हासिल नहीं की जा सकती। सपा की रणनीति में अयोध्या और आसपास के इलाकों के स्थानीय संत-महंत, कबीरपंथी और रैदासी परंपरा के अनुयायी, गाजीपुर-पूर्वांचल के सिद्धपीठों से जुड़े लोग अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही ज्योतिष्पीठ और गोवर्धन पीठ की तरफ से मंदिर निर्माण प्रक्रिया पर पहले उठाए गए सवालों को भी सपा वक्त-वक्त पर हवा देती रही है, ताकि सवर्ण और प्रबुद्ध तबके का एक हिस्सा भाजपा से छिटक सके। इस पूरी रणनीति को असली धार अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर सामने आए विवाद ने दी है। मंदिर के दान-चढ़ावे में गड़बड़ी और चोरी के आरोपों की जांच एसआईटी कर रही है, और विपक्ष इसे आस्था के नाम पर हुई वित्तीय अनियमितता बताकर सरकार को घेर रहा है। स्थानीय दुकानदारों के विस्थापन का मुद्दा भी इससे जुड़ गया है। सपा के लिए अयोध्या अब बचाव की नहीं बल्कि हमले की जमीन बन चुकी है, वहीं भाजपा इसके जवाब में अयोध्या के वैश्विक स्तर के विकास और सुंदरीकरण को अपनी उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने तेवर नरम नहीं होने दिए हैं। हाल ही में प्रतापगढ़ पहुंचे सीएम योगी ने करीब 384 करोड़ रुपये की 111 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया, साथ ही बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 593 अंकों के साथ टॉप करने

वाली स्थानीय छात्रा श्रद्धा पांडे को मंच पर सम्मानित कर आईपैड भेंट किया। जनसभा में उन्होंने वक्फ बोर्ड की जमीनों को लेकर विपक्ष पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि गरीबों के हक की हजारों हेक्टेयर जमीन वक्फ के नाम पर बेची गई,

लेकिन कांग्रेस और सपा ने कभी इस पर सवाल नहीं उठाया। मंदिर चढ़ावे की जांच पर उन्होंने भरोसा जताया कि एसआईटी सच सामने लाकर रहेगी और दोषियों पर पहले ही कार्रवाई हो चुकी है। योगी आदित्यनाथ ने सपा और कांग्रेस को घेरते हुए यह भी याद दिलाया कि जब राम मंदिर आंदोलन चरम पर था, तब कारसेवकों पर गोली चलाने का समर्थन करने वाले लोग आज सिर्फ चुनावी फायदे के लिए धार्मिक आस्था की बात कर रहे हैं। भाजपा नेतृत्व लखनऊ के शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन के जरिए पहले ही यह संकेत दे चुका है कि पार्टी विकास और हिंदुत्व के अपने मूल एजेंडे से पीछे नहीं हटेगी।

इस बीच एक तीसरा कोण भी उभर आया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बहराइच से चुनावी शंखनाद कर चुके हैं और मुस्लिम राजनीति के खाली मैदान पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। सपा का सॉफ्ट हिंदुत्व की तरफ झुकाव ओवैसी को यह मौका दे रहा है कि वे खुद को मुस्लिम समुदाय के वैकल्पिक राजनीतिक चेहरे के तौर पर पेश करें, जिससे अखिलेश की राह और जटिल हो सकती है। कुल मिलाकर 2027 का मुकाबला अब सिर्फ जातीय समीकरणों तक सीमित नहीं रह गया है। एक तरफ भाजपा विकास और कड़े हिंदुत्व की धार के साथ मैदान में है, तो दूसरी तरफ सपा पीडीए, सामाजिक न्याय और धार्मिक-सांस्कृतिक स्वीकार्यता का मिश्रण तैयार कर रही है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि अगर सपा हिंदू मतदाताओं के एक हिस्से को साधने में कामयाब रहती है तो भाजपा के लिए यह चुनाव पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जबकि दूसरा पक्ष यह भी कहता है कि हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा की वैचारिक पकड़ अब भी बहुत मजबूत है और सिर्फ धार्मिक प्रतीकों के सहारे उसे चुनौती देना आसान नहीं होगा। यह प्रयोग आखिरकार कितना असरदार साबित होता है, इसका जवाब तो जनता 2027 में मतदान के दिन ही देगी। ●

● **संजय सक्सेना (वरिष्ठ पत्रकार)**

उत्तर प्रदेश भाजपा की नई टीम में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश साफ दिख रही है। पार्टी ने जिस तरह ब्राह्मण, पिछड़ा, दलित और अलग-अलग इलाकों से जुड़े चेहरों को जगह दी है, उससे यह संदेश दिया जा रहा है कि संगठन केवल एक वर्ग या एक क्षेत्र के सहारे नहीं चलेगा, बल्कि हर बड़े सामाजिक समूह को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति बनाई जा रही है। पार्टी के भीतर यह चर्चा भी तेज है कि नई टीम के गठन में प्रदेश अध्यक्ष से ज्यादा राष्ट्रीय नेतृत्व के भरोसेमंद रणनीतिकार सुनील बंसल की छाप नजर आती है। यही वजह है कि इसे सिर्फ संगठनात्मक फेरबदल नहीं, बल्कि आने वाले विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करने की कवायद भी माना जा रहा है। भाजपा जानती है कि उत्तर प्रदेश में जीत सिर्फ नारे से नहीं, बल्कि जातीय समीकरण, क्षेत्रीय संतुलन और बूथ स्तर की पकड़ से तय होती है।जनसाधारण के नजरिये से देखें तो पार्टी ने ब्राह्मणों की नाराजगी को भी गंभीरता से लेने की कोशिश की है। नई टीम में इस वर्ग को अपेक्षाकृत अच्छी जगह देकर भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह किसी एक सामाजिक आधार को कमजोर नहीं होने देगी। इससे यह भी माना जा रहा है कि पार्टी पुराने भरोसेमंद मतदाताओं को फिर से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है, क्योंकि चुनाव के समय संगठन का यह संतुलन बहुत मायने रखता है।सूत्रों और राजनीतिक चर्चाओं में यह बात भी उठ रही है कि सुनील बंसल की भूमिका अब भी उतनी ही अहम है, जितनी पहले थी। वे उत्तर प्रदेश की राजनीतिक नब्ज को गहराई से समझते हैं और 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने में उनकी रणनीति की बड़ी भूमिका मानी गई थी। इसीलिए नई टीम को देखकर बहुत से लोग इसे उसी पुराने संगठनात्मक मॉडल की वापसी के रूप में देख रहे हैं, जिसमें नीचे तक पकड़, सामाजिक गणित और लगातार संवाद सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इसी संदर्भ में संदीप बंसल का नाम भी चर्चा में आ रहा है। राजनीतिक समझ रखने वाले लोग मान रहे हैं कि आने वाले चुनाव में वे भी प्रदेश की राजनीति में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इसका कारण यह है कि भाजपा अब ऐसे चेहरों को आगे बढ़ाने की तैयारी में दिख रही है जो संगठन, वर्ग-संतुलन और चुनावी प्रबंधन तीनों में काम आ सकें। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ी, तो संदीप बंसल जैसे नेताओं की उपयोगिता और बढ़ सकती है।नई टीम की सबसे बड़ी खासियत यही मानी जा रही है कि उसमें केवल चेहरों का नहीं, बल्कि संदेशों का भी संतुलन साधा गया है। एक तरफ पार्टी यह दिखाना चाहती है कि वह सभी बड़े समाजों को साथ लेकर चल रही है, दूसरी तरफ यह भरोसा भी देना चाहती है कि चुनावी प्रबंधन पहले की तरह मजबूत हाथों में है। जनता के बीच भी यही धारणा बनती है कि भाजपा संगठन को हल्के में नहीं लेती और हर बड़े चुनाव से पहले अपनी व्यवस्था को फिर से कसती है।

खैर, उत्तर प्रदेश भाजपा की नई टीम में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन को खास तौर पर साधने की कोशिश दिखाई दी है। पार्टी ने 19 प्रदेश उपाध्यक्ष, 8 प्रदेश महामंत्री और 19 प्रदेश मंत्रियों के साथ पूरी कार्यकारिणी को नए सिरे से सजा दिया है, जिसमें ब्राह्मण, पिछड़ा, दलित, पूर्वांचल, पश्चिमी यूपी और अवध-कानपुर जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व ध्यान से रखा गया है. प्रदेश उपाध्यक्षों की सूची में सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, ब्रज बहादुर सिंह, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, देवेश कोरी, प्रियंका रावत, दुर्विजय शाक्य, रमेश सिंह, नीरज सिंह, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, शंकर गिरी, कामेश्वर सिंह, डॉ. कृतिका अग्रवाल, सुरेश मौर्य, राजेश यादव, कृष्ण बिहारी राय और आलोक गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई है.

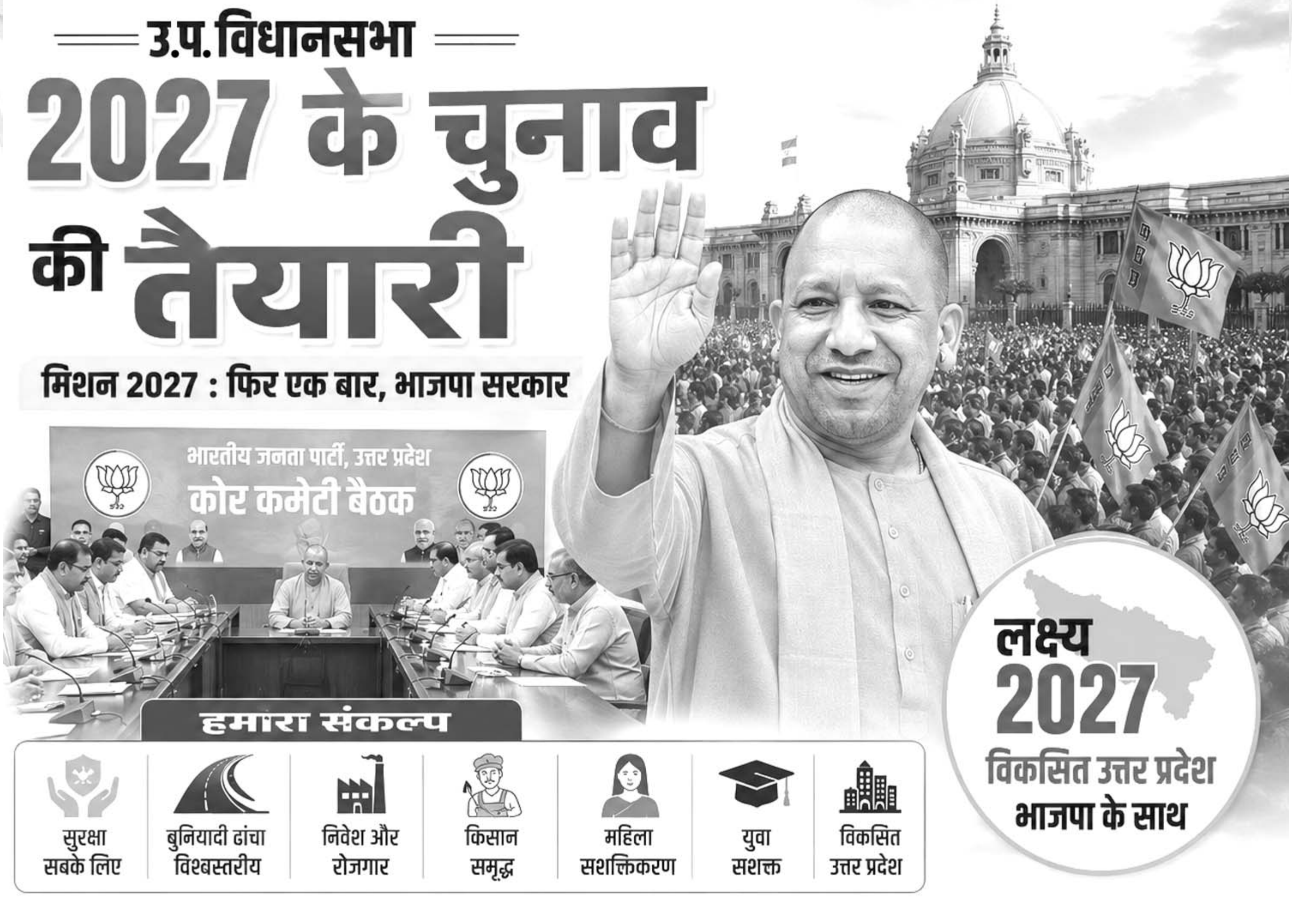

इनमें सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, ब्रज बहादुर सिंह, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, देवेश कोरी, प्रियंका रावत, दुर्विजय शाक्य, रमेश सिंह, नीरज सिंह, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, शंकर गिरी, कामेश्वर सिंह, डॉ. कृतिका अग्रवाल, सुरेश मौर्य, राजेश यादव, कृष्ण बिहारी राय और आलोक गुप्ता जैसे नाम अलग-अलग सामाजिक और क्षेत्रीय पृष्ठभूमि का संदेश देते हैं. प्रदेश महामंत्रियों में रामप्रताप सिंह चौहान, गीता शाक्य, अभिजात मिश्रा, उपेंद्र रावत, संजय राय, शंकर लोधी, दिलीप पटेल और राजेश चौधरी को जगह मिली है. इन नामों के जरिए पार्टी ने ओबीसी, दलित, ब्राह्मण और क्षेत्रीय संतुलन को साधने की कोशिश की है. यह भी संकेत मिलता है कि संगठन में केवल पुराने चेहरों पर भरोसा नहीं किया गया, बल्कि चुनावी प्रबंधन में काम आ सकने वाले मिश्रित नेतृत्व को प्राथमिकता दी गई है.

प्रदेश मंत्रियों की सूची भी इसी सामाजिक गणित को आगे बढ़ाती है, जो नाम प्रमुखता से सामने आए हैं, उनमें शंकर गिरी, डॉ. चंद्रमोहन सिंह, मीना चौबे, अंजुला सिंह माहौर, विजय शिवहरे, शंकर लोधी, शकुंतला चौहान, अनामिका चौधरी, पूनम बजाज, अर्चना मिश्रा, अमित बाल्मीकि, बसंत त्यागी, शिवभूषण सिंह, सुरेश पासी, अभिजात मिश्रा और डीपी भारती शामिल हैं. इन नियुक्तियों से पार्टी ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि संगठन में हर बड़े सामाजिक वर्ग को हिस्सेदारी दी जा रही है. क्षेत्रीय अध्यक्षों की घोषणा भी इस फेरबदल का अहम हिस्सा रही। कुल मिलाकर यह नई टीम केवल पदों का बंटवारा नहीं, बल्कि 2027 विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करने वाला संगठनात्मक ढांचा मानी जा रही है. पार्टी ने सामाजिक समीकरण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और चुनावी प्रबंधन तीनों को एक साथ साधने की कोशिश की है.जाति के हिसाब से देखें तो इस सूची में ब्राह्मण, क्षत्रिय, यादव, शाक्य, लोधी, सैनी, पासी, बाल्मीकि, शाक्य, मौर्य, रावत, कोरी, चौहान, जाटव और अन्य पिछड़े-दलित समुदायों की मौजूदगी साफ दिखती है. यही वजह है कि इसे महज संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश वाली टीम माना जा रहा है.

बहरहाल, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में भाजपा के सामने अलग-अलग चुनौतियां हैं। शहरों में विकास, रोजगार और प्रशासनिक छवि मुद्दा बनते हैं, जबकि गांवों में जातीय तालमेल, स्थानीय नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की सक्रियता निर्णायक होती है। नई टीम का गठन इन्हीं दोनों स्तरों पर एक साथ असर डालने की कोशिश लगता है। इसलिए इसमें ऐसे चेहरों को महत्व दिया गया है जो अपने-अपने इलाकों में पकड़ रखते हों और समाज के अलग-अलग हिस्सों को साध सकें।जनमानस में यह भी देखा जाता है कि भाजपा जब किसी नामचीन रणनीतिकार की छाप वाली टीम बनाती है, तो उसका मतलब केवल पदों का बंटवारा नहीं होता, बल्कि आने वाले चुनाव की रूपरेखा भी साथ-साथ बनती है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यह फार्मूला कई बार कारगर रहा है। यहाँ संगठन की मजबूती, जातीय गणित और नेतृत्व का भरोसा, तीनों मिलकर चुनावी नतीजों को प्रभावित करते हैं। इसीलिए नई टीम को लेकर उम्मीद और चर्चा, दोनों एक साथ चल रही हैं। लब्बोलुआब यह है कि भाजपा की नई प्रदेश टीम को जनता इस नजर से देख रही है कि क्या यह टीम वास्तव में सभी वर्गों को साथ लेकर चलेगी, क्या ब्राह्मणों और अन्य नाराज तबकों का भरोसा वापस जीत पाएगी, और क्या सुनील बंसल की रणनीतिक छाप एक बार फिर पार्टी को लाभ दिला सकेगी। अभी इतना साफ है कि पार्टी ने संदेश बहुत सोच-समझकर दिया है और आने वाले महीनों में इसी टीम की परीक्षा जमीन पर होगी।●

● शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला

बिहार के उच्च शिक्षा को बदहाल करने में राजभवन की अहम भूमिका है! वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में चारों ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी के कुलपति ***संजय कुमार चौधरी*** पर फर्जी रूप से पीएचडी डिग्री और फर्जी अनुभव के आधार पर कुलपति बनने का आरोप है तो दूसरी तरफ वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति ***शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी*** पर फर्जी डिग्री के साथ-साथ मुजफ्फरपुर के विश्वविद्यालय थाना में प्राथमिकी की संख्या -10/2023 भी दर्ज है। एक तरफ राज्यपाल सह कुलाधिपति कहते हैं कि कोई भी कुलपति नियत समय तक ही कुलपति रह सकता है, यूजीसी नियम के तहत सेवा विस्तार नहीं दिया जा सकता है, लेकिन आज ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी और वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय दोनों के कुलपति सहित कई कुलपति अभी भी सेवा विस्तार पर हैं और दोनों पर फर्जी डिग्री के साथ सेवा विस्तार भी मिला हुआ है। दोनों के सेवा विस्तार और फर्जी डिग्री पर समाजसेवी मनीष कुमार और रोहित कुमार ने कई स्तर पर आवेदन दिया लेकिन कार्रवाई के बजाय उनका सेवा विस्तार मिलता रहा है। ऑडिट रिपोर्ट सहित कई जांच एजेंसीयों ने दोनों विश्वविद्यालय पर कई गंभीर आरोप लगाया है, लेकिन इन लोगों का कोई बाल बांका नहीं कर सका है क्योंकि पैरवी और पैसे पर सब कुछ होता है।

आरीफ मोहम्मद खाँ
पूर्व राज्यपाल, बिहार

❖ **भूमिका : कुलाधिपति कार्यालय, बिहार की उच्च शिक्षा में भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी कड़ी :-** बिहार में राज्यपाल ही राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के पदेन कुलाधिपति होते हैं। राजभवन स्थित कुलाधिपति सचिवालय ही कुलपतियों की खोज, नियुक्ति, सेवा-विस्तार, अनुशासनात्मक कार्रवाई और अंततः पदमुक्ति का केंद्र-बिंदु है। बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 (यथासंशोधित 2013) की धारा 10(1)(i) साफ कहती है कि कुलपति पद पर केवल वही व्यक्ति नियुक्त हो सकता है जो सर्वोच्च दक्षता, सत्यनिष्ठा, नैतिकता और संस्थागत प्रतिबद्धता का धनी हो, जिसके पास विश्वविद्यालयी प्रणाली में प्रोफेसर के रूप में न्यूनतम दस वर्ष का अनुभव हो। नियम यह भी कहता है कि चयन तीन से पांच प्रख्यात शिक्षाविदों की नामसूची में से एक स्वतंत्र सर्च-कम-सलेक्शन कमेटी की सिफारिश पर ही किया जाएगा और कुलपति का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। कागज पर यह व्यवस्था अत्यंत पारदर्शी और मजबूत दिखती है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा से जुड़े जो मामले सामने आए हैं, उन्होंने इसी कार्यालय की कार्यशैली और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। और यह अकेला मामला नहीं है। बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर से लेकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर और बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना

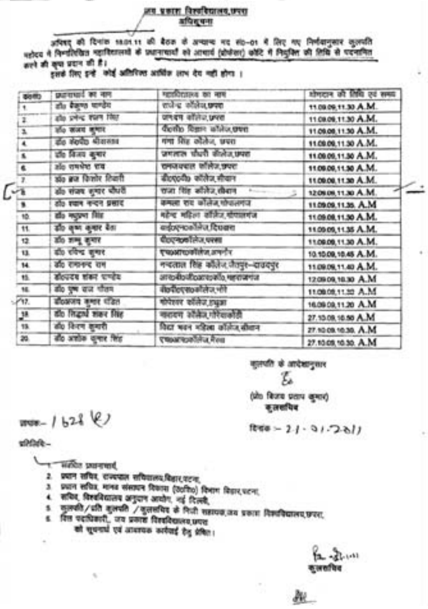

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा
अधिसूचना

अभिषद् की दिनांक 18.01.11 की बैठक के अन्यान्य मद सं0-01 में लिए गए निर्णयानुसार कुलपति महोदय ने निम्नलिखित महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों को आचार्य (प्रोफेसर) कोटि में नियुक्ति की तिथि से पदनामित करने की कृपा प्रदान की है।
इसके लिए इन्हें कोई अतिरिक्त आर्थिक लाभ देय नहीं होगा ।

क्रमांक	प्रधानाचार्य का नाम	महाविद्यालय का नाम	योगदान की तिथि एवं समय
1.	डॉ॰ बैकुण्ठ पाण्डेय	राजेन्द्र कॉलेज, छपरा	11.09.09, 11.30 A.M.
2.	डॉ॰ [illegible] सिंह	जगदम कॉलेज, छपरा	11.09.09, 11.30 A.M.
3.	डॉ॰ संजय कुमार	पी॰सी॰ विज्ञान कॉलेज, छपरा	11.09.09, 11.30 A.M.
4.	डॉ॰ [illegible] श्रीवास्तव	गंगा सिंह कॉलेज, छपरा	11.09.09, 11.30 A.M.
5.	डॉ॰ विजय कुमार	जगलाल चौधरी कॉलेज, छपरा	11.09.09, 11.30 A.M.
6.	डॉ॰ रामभेष राय	रामजयपाल कॉलेज, छपरा	11.09.09, 11.30 A.M.
7.	डॉ॰ ब्रज किशोर तिवारी	डी॰ए॰वी॰ कॉलेज, सीवान	11.09.09, 11.30 A.M.
8.	डॉ॰ संजय कुमार चौधरी	राजा सिंह कॉलेज, सीवान	12.09.09, 11.30 A.M.
9.	डॉ॰ श्याम नन्दन प्रसाद	कमला राय कॉलेज, गोपालगंज	11.09.09, 11.35 A.M
10.	डॉ॰ मधुप्रभा सिंह	महेन्द्र महिला कॉलेज, गोपालगंज	11.09.09, 11.30 A.M.
11.	डॉ॰ कृष्ण कुमार [illegible]	वाई॰एन॰ कॉलेज, दिघवारा	11.09.09, 11.35 A.M.
12.	डॉ॰ शम्भु कुमार	पी॰एन॰ कॉलेज, परसा	11.09.09, 11.30 A.M.
13.	डॉ॰ रविन्द्र कुमार	एच॰आर॰ कॉलेज, अमनौर	10.10.09, 10.45 A.M.
14.	डॉ॰ रामानन्द राम	नन्दलाल सिंह कॉलेज, जैतपुर-दाउदपुर	11.09.09, 11.40 A.M.
15.	डॉ॰ उदय शंकर पाण्डेय	आर॰बी॰जी॰आर॰ कॉ॰, महाराजगंज	12.09.09, 10.30 A.M
16.	डॉ॰ पुष्प राज गौतम	[illegible]	11.09.09, 11.30 A.M
17.	डॉ॰ [illegible] कुमार पंडित	सोनेपुर कॉलेज, [illegible]	16.09.09, 11.20 A.M
18.	डॉ॰ सिद्धार्थ शंकर सिंह	[illegible]	27.10.09, 10.50 A.M
19.	डॉ॰ किरण कुमारी	विद्या भवन महिला कॉलेज, सीवान	27.10.09, 10.30 A.M
20.	डॉ॰ अशोक कुमार सिंह	एच॰आर॰ कॉलेज, मैरवा	27.10.09, 10.30 A.M

कुलपति के आदेशानुसार
ह०
(प्रो॰ विजय प्रताप कुमार)
कुलसचिव

ज्ञापांक- 1628 (R)
दिनांक - 21-01-2011

प्रतिलिपि-
1. संबंधित प्रधानाचार्य,
2. प्रधान सचिव, राज्यपाल सचिवालय, बिहार, पटना,
3. प्रधान सचिव, मानव संसाधन विकास (उ०शि०) विभाग बिहार, पटना,
4. सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली,
5. कुलपति / प्रति कुलपति / कुलसचिव के निजी सहायक, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा,
6. वित्त पदाधिकारी, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा
को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

कुलसचिव

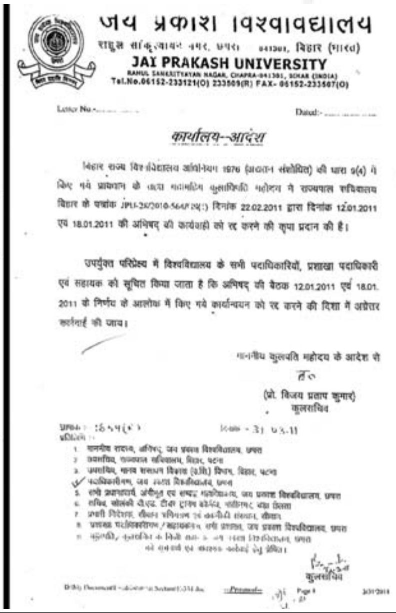

जय प्रकाश विश्वविद्यालय
राहुल सांकृत्यायन नगर, छपरा 841301, बिहार (भारत)
JAI PRAKASH UNIVERSITY
RAHUL SANKRITYAYAN NAGAR, CHAPRA-841301, BIHAR (INDIA)
Tel.No.06152-233121(O) 233509(R) FAX- 06152-233507(O)

Letter No.- Dated:-

कार्यालय-आदेश

बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1976 (अद्यतन संशोधित) की धारा 9(4) में किए गये प्रावधान के तहत माननीय कुलाधिपति महोदय ने राज्यपाल सचिवालय बिहार के पत्रांक JPU-28/2010-564/GS(I) दिनांक 22.02.2011 द्वारा दिनांक 12.01.2011 एवं 18.01.2011 की अभिषद् की कार्यवाही को रद्द करने की कृपा प्रदान की है।

उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारियों, प्रशाखा पदाधिकारी एवं सहायक को सूचित किया जाता है कि अभिषद् की बैठक 12.01.2011 एवं 18.01.2011 के निर्णय के आलोक में किए गये कार्यान्वयन को रद्द करने की दिशा में अग्रेतर कार्रवाई की जाय।

माननीय कुलपति महोदय के आदेश से
ह०
(प्रो. विजय प्रताप कुमार)
कुलसचिव

ज्ञापांक : 1654(R) दिनांक - 31.03.11
प्रतिलिपि :
1. माननीय सदस्य, अभिषद्, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा
2. प्रधान सचिव, राज्यपाल सचिवालय, बिहार, पटना
3. प्रधान सचिव, मानव संसाधन विकास (उ.शि.) विभाग, बिहार, पटना
4. पदाधिकारीगण, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा
5. सभी प्रधानाचार्य, अंगीभूत एवं सम्बद्ध महाविद्यालय, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा
6. [illegible]
7. [illegible]
8. प्रशाखा पदाधिकारीगण / सहायकगण, सभी प्रशाखा, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा
9. [illegible]
को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

कुलसचिव

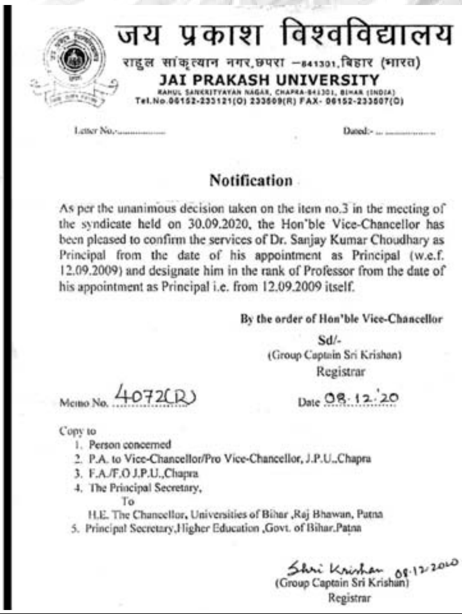

जय प्रकाश विश्वविद्यालय
राहुल सांकृत्यान नगर, छपरा -841301, बिहार (भारत)
JAI PRAKASH UNIVERSITY
RAHUL SANKRITYAYAN NAGAR, CHAPRA-841301, BIHAR (INDIA)
Tel.No.06152-233121(O) 233509(R) FAX- 06152-233507(O)

Letter No.- Dated:-

Notification

As per the unanimous decision taken on the item no.3 in the meeting of the syndicate held on 30.09.2020, the Hon'ble Vice-Chancellor has been pleased to confirm the services of Dr. Sanjay Kumar Choudhary as Principal from the date of his appointment as Principal (w.e.f. 12.09.2009) and designate him in the rank of Professor from the date of his appointment as Principal i.e. from 12.09.2009 itself.

By the order of Hon'ble Vice-Chancellor
Sd/-
(Group Captain Sri Krishan)
Registrar

Memo No. 4072(R) Date 08.12.20

Copy to
1. Person concerned
2. P.A. to Vice-Chancellor/Pro Vice-Chancellor, J.P.U., Chapra
3. F.A./F.O.J.P.U., Chapra
4. The Principal Secretary,
To
H.E. The Chancellor, Universities of Bihar, Raj Bhawan, Patna
5. Principal Secretary, Higher Education, Govt. of Bihar, Patna

Shri Krishan 08.12.2020
(Group Captain Sri Krishan)
Registrar

तक, राज्य के विश्वविद्यालयों में नियुक्ति और वित्तीय अनियमितता की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं।

❖ **ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा :-** ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (एलएनएमयू) के वर्तमान कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी टीएनबी कॉलेज, भागलपुर के प्राचार्य रह चुके हैं, जहां से राजभवन की अधिसूचना पर उन्हें एलएनएमयू का कुलपति बनाया गया। समाजसेवियों का आरोप है कि उनकी नियुक्ति की पूरी प्रक्रिया फर्जी शैक्षणिक दस्तावेजों और गलत अनुभव प्रमाण-पत्रों पर टिकी है, यानी जिस ''दस वर्ष के प्रोफेसर-स्तरीय अनुभव'' की शर्त कानून में तय है, वह वास्तविक जांच के दायरे में कभी नहीं आयी। शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार, प्रो. चौधरी की जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में प्रधानाचार्य के पद पर मूल नियुक्ति ही ''रीडर्स ग्रेड'' (12,000–18,300 रुपये वेतनमान) में एक ऐसे विज्ञापन के आधार पर हुई थी, जिसमें पीएच.डी. और दस वर्ष के शिक्षण/शोध अनुभव की अनिवार्यता स्पष्ट रूप से दर्ज थी। शिकायत में यह भी दावा है कि इसी विश्वविद्यालय की एक अधिसूचना (ज्ञापांक-1628 (आर), दिनांक 21.01.2011) के जरिये बाद में महाविद्यालयों के प्राचार्यों को ''आचार्य (प्रोफेसर)'' कोटि में पूर्वव्यापी रूप से पदस्थापित किया गया था, जिसे तत्कालीन कुलाधिपति ने राजभवन के पत्रांक- JPU-28/2010-564/GS(I), दिनांक 22.02.2011 के जरिये पहले ही अवैध घोषित कर रद्द कर दिया था। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इसके बावजूद वर्ष 2020 में जय प्रकाश विश्वविद्यालय के तत्कालीन प्रशासन से मेल-मिलाप कर एक नया आदेश (ज्ञापांक 4072 (आर), दिनांक 08.12.2020) निकलवा लिया गया, जो उन्हीं रद्द की जा चुकी बातों को फिर से जीवित करता है। समाजसेवी रोहित कुमार का कहना है कि यही दस्तावेज बाद में कुलपति पद के लिए आवेदन करते समय ''दस वर्ष के प्रोफेसर अनुभव'' की शर्त पूरी करने हेतु प्रयोग में लाया गया।

❖ **तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय का पुराना विवाद भी जुड़ा :-** शिकायती दस्तावेजों में यह भी उल्लेख है कि तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय

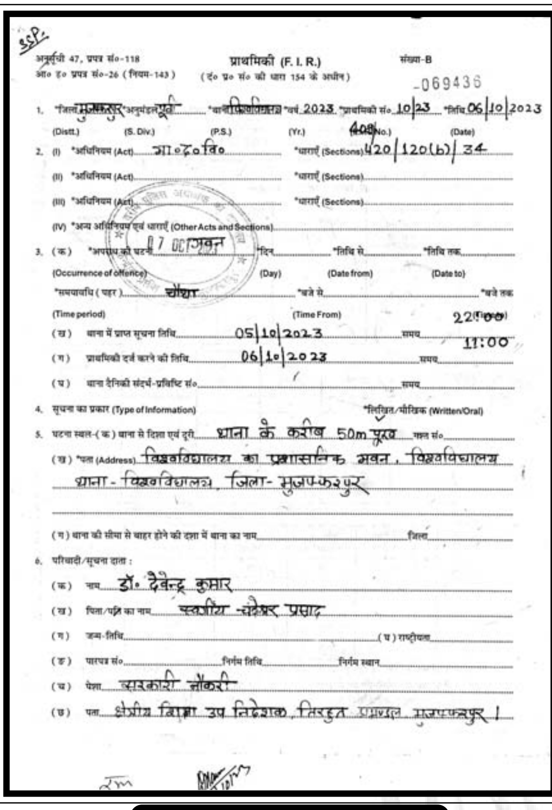

SSP.
अनुसूची 47, प्रपत्र सं०-118
आ० द० प्रपत्र सं०-26 (नियम-143)
प्राथमिकी (F. I. R.)
(दं० प्र० सं० की धारा 154 के अधीन)
संख्या-B
-069436

1. *जिला मुजफ्फरपुर (Distt.) *अनुमंडल पूर्वी (S. Div.) *थाना विश्वविद्यालय (P.S.) *वर्ष 2023 (Yr.) *प्राथमिकी सं० 10/23 408 (No.) *तिथि 06/10/2023 (Date)
2. (I) *अधिनियम (Act) भा०द०वि० *धाराएँ (Sections) 420/120(b)/34
(II) *अधिनियम (Act) *धाराएँ (Sections)
(III) *अधिनियम (Act) *धाराएँ (Sections)
(IV) *अन्य अधिनियम एवं धाराएँ (Other Acts and Sections)
3. (क) *अपराध की घटना (Occurrence of offence) *दिन (Day) *तिथि से (Date from) *तिथि तक (Date to)
*समयावधि (पहर) (Time period) चौथा *बजे से (Time From) *बजे तक (Time to) 22:00
(ख) थाना में प्राप्त सूचना तिथि 05/10/2023 समय 11:00
(ग) प्राथमिकी दर्ज करने की तिथि 06/10/2023 समय
(घ) थाना दैनिकी संदर्भ-प्रविष्टि सं० समय
4. सूचना का प्रकार (Type of Information) *लिखित/मौखिक (Written/Oral)
5. घटना स्थल-(क) थाना से दिशा एवं दूरी थाना के करीब 50m पूरब गश्त सं०
(ख) *पता (Address) विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन, विश्वविद्यालय थाना - विश्वविद्यालय, जिला- मुजफ्फरपुर
(ग) थाना की सीमा से बाहर होने की दशा में थाना का नाम जिला
6. परिवादी/सूचना दाता :
(क) नाम डॉ॰ देवेन्द्र कुमार
(ख) पिता/पति का नाम स्वर्गीय चंदेश्वर प्रसाद
(ग) जन्म-तिथि (घ) राष्ट्रीयता
(ङ) पारपत्र सं० निर्गम तिथि निर्गम स्थान
(च) पेशा सरकारी नौकरी
(छ) पता क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, तिरहुत प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर।

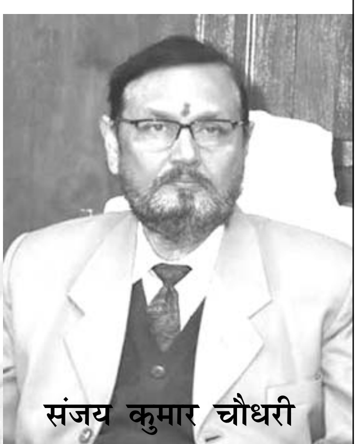

संजय कुमार चौधरी

शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी

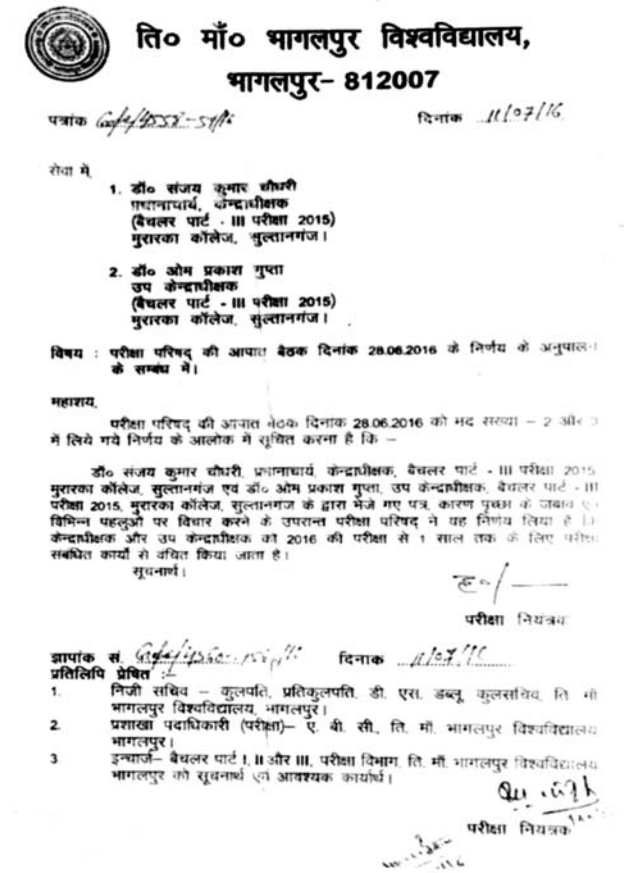

तिo मॉo भागलपुर विश्वविद्यालय,
भागलपुर- 812007

पत्रांक Gof/4552-51/16   दिनांक 11/07/16

सेवा मे,

1. डॉo संजय कुमार चौधरी
प्रधानाचार्य, केन्द्राधीक्षक
(बैचलर पार्ट - III परीक्षा 2015)
मुरारका कॉलेज, सुल्तानगंज।

2. डॉo ओम प्रकाश गुप्ता
उप केन्द्राधीक्षक
(बैचलर पार्ट - III परीक्षा 2015)
मुरारका कॉलेज, सुल्तानगंज।

विषय : परीक्षा परिषद् की आपात बैठक दिनांक 28.06.2016 के निर्णय के अनुपालन के सम्बंध मे।

महाशय,

परीक्षा परिषद् की आपात बैठक दिनांक 28.06.2016 को मद संख्या – 2 और 3 मे लिये गये निर्णय के आलोक मे सूचित करना है कि –

डॉo संजय कुमार चौधरी, प्रधानाचार्य, केन्द्राधीक्षक, बैचलर पार्ट - III परीक्षा 2015 मुरारका कॉलेज, सुल्तानगंज एवं डॉo ओम प्रकाश गुप्ता, उप केन्द्राधीक्षक, बैचलर पार्ट - III परीक्षा 2015, मुरारका कॉलेज, सुल्तानगंज के द्वारा भेजे गए पत्र, कारण पृच्छा के जवाब एवं विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के उपरान्त परीक्षा परिषद ने यह निर्णय लिया है कि केन्द्राधीक्षक और उप केन्द्राधीक्षक को 2016 की परीक्षा से 1 साल तक के लिए परीक्षा संबंधित कार्यों से वंचित किया जाता है।

सूचनार्थ।

ह०/—

परीक्षा नियंत्रक

ज्ञापांक सं. [illegible]   दिनांक 11/07/16

प्रतिलिपि प्रेषित :-

1. निजी सचिव – कुलपति, प्रतिकुलपति, डी. एस. डब्लू, कुलसचिव, ति. मां. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर।
2. प्रशाखा पदाधिकारी (परीक्षा)– ए. बी. सी., ति. मां. भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर।
3. इन्चार्ज– बैचलर पार्ट I, II और III, परीक्षा विभाग, ति. मां. भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ।

परीक्षा नियंत्रक

की परीक्षा परिषद ने 28 जून 2016 की एक आपात बैठक में प्रो. चौधरी को (उस समय मुरारका महाविद्यालय, सुल्तानगंज के प्राचार्य-सह-केंद्राधीक्षक) एक शैक्षणिक कदाचार के मामले में एक वर्ष के लिए परीक्षा-संबंधी कार्यों से वंचित किया था। इसके अतिरिक्त, तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलसचिव द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र (पत्रांक-RO/SPL/2185, दिनांक-23.08.2020) में भी प्रो. चौधरी के विरुद्ध टीएनबी कॉलेज में वित्तीय अनियमितताओं की गंभीर शिकायतों, उन पर गठित तीन-सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट और समिति द्वारा उनके तत्काल स्थानांतरण की सिफारिश का उल्लेख है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि इन दस्तावेजों के बावजूद न तो कोई ठोस अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई और न ही आगे की जांच पूरी हुई कृ बल्कि कुछ ही समय बाद प्रो. चौधरी को एलएनएमयू जैसे बड़े विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर पदोन्नत कर दिया गया।

समाजसेवी मनीष कुमार और रोहित कुमार (व्हिसल ब्लोअर-कम-आरटीआई कार्यकर्ता) ने उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, निगरानी विभाग और राजभवन सचिवालय को वर्ष 2024 से 2026 के बीच कई शिकायती पत्र और शपथ-पत्र भेजे। इनमें दिनांक 20.09.2024, 09.02.2025, 12.04.2025, 30.12.2025, 09.01.2026, 17.01.2026 और 31.03.2026 के आवेदन शामिल बताए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि राजभवन सचिवालय के प्रधान सचिव और अन्य अधिकारियों ने विधि द्वारा स्थापित इस सिद्धांत के विपरीत आचरण किया कि ''कोई भी व्यक्ति अपने संबंधित मामले में स्वयं निर्णायक नहीं हो सकता'', अर्थात जिन शिकायतों की जांच स्वयं कुलाधिपति सचिवालय को करनी थी, उन्हें बार-बार जांच हेतु उन्हीं दस्तावेजों के साथ वापस संबंधित विश्वविद्यालय

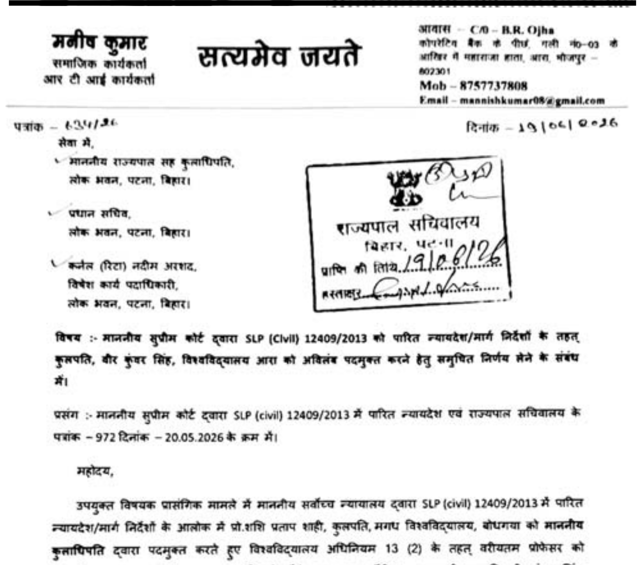

मनीष कुमार
सामाजिक कार्यकर्ता
आर टी आई कार्यकर्ता

सत्यमेव जयते

आवास – C/0 – B.R. Ojha
कोपरेटिव बैंक के पीछे, गली नं0-03 के आखिर में महाराजा हाता, आरा, भोजपुर – 802301
Mob – 8757737808
Email – mannishkumar08@gmail.com

पत्रांक – 634/26   दिनांक – 19/06/2026

सेवा मे,

माननीय राज्यपाल सह कुलाधिपति,
लोक भवन, पटना, बिहार।

प्रधान सचिव,
लोक भवन, पटना, बिहार।

कर्नल (रिटा) नदीम अरशद,
विशेष कार्य पदाधिकारी,
लोक भवन, पटना, बिहार।

राज्यपाल सचिवालय
बिहार, पटना
प्राप्ति की तिथि 19/06/26
हस्ताक्षर

विषय :- माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा SLP (Civil) 12409/2013 को पारित न्यायदेश/मार्ग निर्देशों के तहत् कुलपति, वीर कुंवर सिंह, विश्वविद्यालय आरा को अविलंब पदमुक्त करने हेतु समुचित निर्णय लेने के संबंध में।

प्रसंग :- माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा SLP (civil) 12409/2013 में पारित न्यायदेश एवं राज्यपाल सचिवालय के पत्रांक – 972 दिनांक – 20.05.2026 के क्रम में।

महोदय,

उपयुक्त विषयक प्रासंगिक मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा SLP (civil) 12409/2013 में पारित न्यायदेश/मार्ग निर्देशों के आलोक में प्रो.शशि प्रताप शाही, कुलपति, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया को माननीय कुलाधिपति द्वारा पदमुक्त करते हुए विश्वविद्यालय अधिनियम 13 (2) के तहत् वरीयतम प्रोफेसर को कुलपति का पद-भार दे दिया गया। जबकि प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी, महाभ्रष्टाचारी कुलपति, वीर कुंवर सिंह, विश्वविद्यालय, आरा के पद पर आदिनांक बने हुए हैं??? निसंदेह माननीय न्यायालय के उक्त न्यादेश इसकी इजाजत नहीं देता अर्थात महाभ्रष्ट कुलपति को पदमुक्त नहीं करना ""लोक भवन"" की गिरती हुई गरिमा का स्पष्ट प्रमाण है। उपरोक्त मामले में राज्यपाल सचिवालय कर्तव्यहीनता का परिचय दे रहा है जो अति दुःखद एवं एक संदेहात्मक गंभीर मामला है कि एक महाभ्रष्टाचारी कुलपति के साथ राज्यपाल सचिवालय का इतना ""प्रेम- प्रदर्शन"" क्यों ?? और यह प्रेम माननीय न्यायालय के निर्देशों के घोर उल्लंघन करके किया जा रहा है जिससे ""कुछ ग़लत संकेत"" प्रतिध्वनित हो रहा है।

अतः माननीय कुलाधिपति महोदय से आग्रह है उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिपथ में रखते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा SLP (civil) 12409/2013 में पारित न्यायदेश/मार्ग निर्देशों के आलोक में अविलंब प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी, महाभ्रष्ट कुलपति, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा को पदमुक्त करने की कृपा की जाए।

सादर प्रेषित

अनुलग्नक -यथोक्।

भवदीय
मनीष कुमार

या कुलपति के पास ही भेज दिया गया।

❖ **वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा :-** वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा के वर्तमान कुलपति प्रो. शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी पर भी समाजसेवियों ने फर्जी डिग्री और गलत तथ्यों के आधार पर नियुक्ति हासिल करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इसी विवाद से जुड़ी एक प्राथमिकी मुजफ्फरपुर के विश्वविद्यालय थाने में वर्ष 2023 में (प्राथमिकी संख्या-10/2023 के रूप में दर्ज होने का दावा किया गया है) दर्ज कराई गई थी।

समाजसेवियों का आरोप है कि ऑडिट रिपोर्टों और विभिन्न जांच एजेंसियों की टिप्पणियों में भी विश्वविद्यालय के वित्तीय एवं प्रशासनिक कामकाज पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन अब तक किसी ठोस,

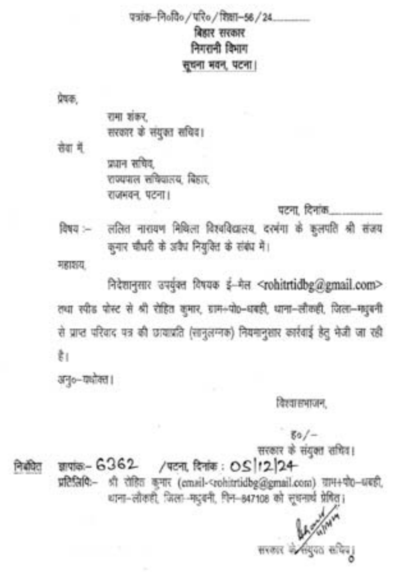

पत्रांक–नि०वि०/परि०/शिक्षा–56/24........
बिहार सरकार
निगरानी विभाग
सूचना भवन, पटना।

प्रेषक,
राम शंकर,
सरकार के संयुक्त सचिव।

सेवा में,
प्रधान सचिव,
राज्यपाल सचिवालय, बिहार,
राजभवन, पटना।

पटना, दिनांक..............

विषय :– ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति श्री संजय कुमार चौधरी के अवैध नियुक्ति के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक ई–मेल <rohitrtidbg@gmail.com> तथा स्पीड पोस्ट से श्री रोहित कुमार, ग्राम–पो0–धबही, थाना–लौकही, जिला–मधुबनी से प्राप्त परिवाद पत्र की छायाप्रति (सानुलग्नक) नियमानुसार कार्रवाई हेतु भेजी जा रही है।

अनु०–यथोक्त।

विश्वासभाजन,
ह०/–
सरकार के संयुक्त सचिव।

निबंधित ज्ञापांक– 6362 /पटना, दिनांक : 05/12/24

प्रतिलिपि:– श्री रोहित कुमार (email-<rohitrtidbg@gmail.com) ग्राम+पो0–धबही, थाना–लौकही, जिला–मधुबनी, पिन–847108 को सूचनार्थ प्रेषित।

सरकार के संयुक्त सचिव।

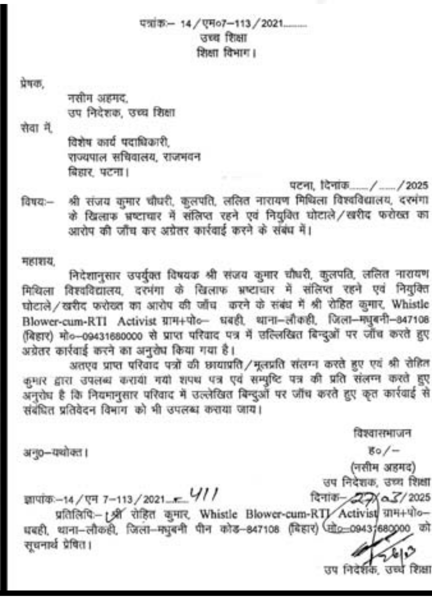

पत्रांक:– 14/एम०7–113/2021........
उच्च शिक्षा
शिक्षा विभाग।

प्रेषक,
नसीम अहमद,
उप निदेशक, उच्च शिक्षा

सेवा में,
विशेष कार्य पदाधिकारी,
राज्यपाल सचिवालय, राजभवन
बिहार, पटना।

पटना, दिनांक...../...../2025

विषय:– श्री संजय कुमार चौधरी, कुलपति, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के खिलाफ भ्रष्टाचार में संलिप्त रहने एवं नियुक्ति घोटाले/खरीद फरोख्त का आरोप की जाँच कर अग्रेतर कार्रवाई करने के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक श्री संजय कुमार चौधरी, कुलपति, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के खिलाफ भ्रष्टाचार में संलिप्त रहने एवं नियुक्ति घोटाले/खरीद फरोख्त का आरोप की जाँच करने के संबंध में श्री रोहित कुमार, Whistle Blower-cum-RTI Activist ग्राम+पो०– धबही, थाना–लौकही, जिला–मधुबनी–847108 (बिहार) मो०–09431680000 से प्राप्त परिवाद पत्र में उल्लिखित बिन्दुओं पर जाँच करते हुए अग्रेतर कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

अतएव प्राप्त परिवाद पत्रों की छायाप्रति/मूलप्रति संलग्न करते हुए एवं श्री रोहित कुमार द्वारा उपलब्ध करायी गयी शपथ पत्र एवं सम्पुष्टि पत्र की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि नियमानुसार परिवाद में उल्लेखित बिन्दुओं पर जाँच करते हुए कृत कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन विभाग को भी उपलब्ध कराया जाय।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन
ह०/–
(नसीम अहमद)
उप निदेशक, उच्च शिक्षा

ज्ञापांक:–14/एन 7–113/2021....411 दिनांक– 27/03/2025

प्रतिलिपि:– श्री रोहित कुमार, Whistle Blower-cum-RTI Activist ग्राम+पो0– धबही, थाना–लौकही, जिला–मधुबनी पीन कोड–847108 (बिहार) मो0–09431680000 को सूचनार्थ प्रेषित।

उप निदेशक, उच्च शिक्षा

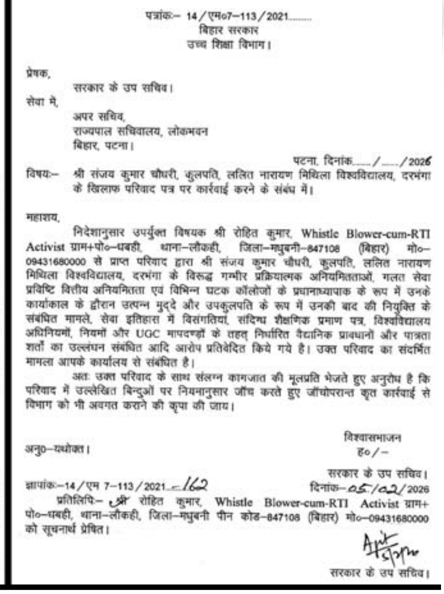

पत्रांक:– 14/एम०7–113/2021........
बिहार सरकार
उच्च शिक्षा विभाग।

प्रेषक,
सरकार के उप सचिव।

सेवा में,
अपर सचिव,
राज्यपाल सचिवालय, लोकभवन
बिहार, पटना।

पटना, दिनांक...../...../2026

विषय:– श्री संजय कुमार चौधरी, कुलपति, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के खिलाफ परिवाद पत्र पर कार्रवाई करने के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक श्री रोहित कुमार, Whistle Blower-cum-RTI Activist ग्राम+पो०–धबही, थाना–लौकही, जिला–मधुबनी–847108 (बिहार) मो०–09431680000 से प्राप्त परिवाद द्वारा श्री संजय कुमार चौधरी, कुलपति, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के विरुद्ध गम्भीर प्रक्रियात्मक अनियमितताओं, गलत सेवा प्रविष्टि वितीय अनियमितता एवं विभिन्न घटक कॉलेजों के प्रधानाध्यापाक के रूप में उनके कार्याकाल के दौरान उत्पन्न मुद्दे और उपकुलपति के रूप में उनकी बाद की नियुक्ति के संबंधित मामले, सेवा इतिहास में विसंगतियां, संदिग्ध शैक्षणिक प्रमाण पत्र, विश्वविद्यालय अधिनियमों, नियमों और UGC मापदण्डों के तहत् निर्धारित वैद्यानिक प्रावधानों और पात्रता शर्तों का उल्लंघन संबंधित आदि आरोप प्रतिवेदित किये गये है। उक्त परिवाद का संदर्भित मामला आपके कार्यालय से संबंधित है।

अतः उक्त परिवाद के साथ संलग्न कागजात की मूलप्रति भेजते हुए अनुरोध है कि परिवाद में उल्लेखित बिन्दुओं पर नियमानुसार जाँच करते हुए जाँचोपरान्त कृत कार्रवाई से विभाग को भी अवगत कराने की कृपा की जाय।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन
ह०/–
सरकार के उप सचिव।

ज्ञापांक:–14/एम 7–113/2021...162 दिनांक– 05/02/2026

प्रतिलिपि:– श्री रोहित कुमार, Whistle Blower-cum-RTI Activist ग्राम+पो०–धबही, थाना–लौकही, जिला–मधुबनी पीन कोड–847108 (बिहार) मो०–09431680000 को सूचनार्थ प्रेषित।

सरकार के उप सचिव।

सार्वजनिक कार्रवाई की सूचना सामने नहीं आई है।

❖ **फर्जी डिग्री का मामला : कैसे बना सुरक्षा-कवच :**- समाजसेवियों के आरोपों की जड़ में जो सबसे गंभीर बिंदु है, वह है नियुक्ति के समय प्रस्तुत शैक्षणिक योग्यता की प्रामाणिकता। बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 10(1)(i) के अनुसार कुलपति पद के लिए ''विख्यात शिक्षाविद'' होना अनिवार्य है, जिसके पास पीएच.डी. के साथ-साथ किसी विश्वविद्यालयीय प्रणाली में प्रोफेसर-स्तर पर न्यूनतम दस वर्ष का अनुभव हो। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इस अनिवार्यता को पूरा करने के लिए वास्तविक शैक्षणिक उपलब्धियों के बजाय दस्तावेजी जुगाड़ का सहारा लिया गया, यानी पीएच.डी. की उपाधि और उसके बाद के शोध-प्रकाशनों की मौलिकता, तिथि और वास्तविकता की स्वतंत्र जांच कभी नहीं हुई।

भारत में विश्वविद्यालयी नियुक्तियों में फर्जी डिग्री की समस्या नई नहीं है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विश्वविद्यालय के अपने ही कर्मचारियों द्वारा फर्जी डिग्रियां बनाकर बेचे जाने का मामला सामने आया, जिसमें बिहार के दो निवासियों ने भी फर्जी डिग्री खरीदी थी, इस पर विश्वविद्यालय ने तुरंत तीन-सदस्यीय जांच समिति बनाकर प्राथमिकी दर्ज कराई। समाजसेवियों का सवाल है कि जब निचले स्तर के फर्जीवाड़े पर इतनी तत्परता दिखाई जा सकती है, तो कुलपति जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति की डिग्री और अनुभव की स्वतंत्र, समयबद्ध जांच आखिर क्यों लंबित रखी गई?

शिकायतकर्ताओं की मांग स्पष्ट है-दोनों कुलपतियों की पीएच.डी. उपाधि जिस विश्वविद्यालय से जारी हुई बताई जाती है, वहां से सीधे सत्यापन कराया जाए, यूजीसी-अनुमोदित थीसिस रिपॉजिटरी (शोध गंगा) में शोध-प्रबंध की उपलब्धता जांची जाए और यदि आवश्यक हो तो फोरेंसिक दस्तावेज परीक्षण भी कराया जाए। जब तक ऐसा सत्यापन सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आता, तब तक ''फर्जी डिग्री'' का आरोप, चाहे वह कितना भी गंभीर क्यों न हो, तकनीकी रूप से अप्रमाणित ही रहेगा।

❖ **अनुभव प्रमाणपत्रों का खेल : कागज पर दस वर्ष, हकीकत में सवाल :**- फर्जी डिग्री से भी अधिक पेचीदा मुद्दा अनुभव प्रमाण पत्रों का है, क्योंकि इसमें कानून-सम्मत दिखने वाले दस्तावेज ही असली हथियार बनते हैं। शिकायती दस्तावेजों के अनुसार, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में एक पदाधिकारी की मूल नियुक्ति ही ''रीडर्स ग्रेड'' (यानी पीएच.डी. सहित दस वर्ष के शिक्षण/शोध अनुभव की अनिवार्यता वाले पद) पर हुई बताई गई है। बाद में एक अधिसूचना के जरिये महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पूर्वव्यापी प्रभाव से ''आचार्य (प्रोफेसर)'' के समकक्ष घोषित किया गया, जबकि तत्कालीन कुलाधिपति स्वयं इसी तरह की एक पूर्ववर्ती कार्यवाही को राजभवन के एक पत्र के माध्यम से पहले ही अवैध व रद्द घोषित कर चुके थे। आरोप है कि रद्द हो चुकी उसी प्रक्रिया को वर्षों बाद, एक अलग प्रशासनिक आदेश के जरिए फिर से ''पुनर्जीवित'' कर लिया गया और यही दस्तावेज कुलपति पद हेतु आवेदन में ''दस वर्ष के प्रोफेसर-अनुभव'' का प्रमाण बनकर पेश हुआ।

बिहार में अनुभव प्रमाणपत्रों की सत्यता का सवाल कोई अकेला मामला नहीं है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय (बीआरएबीयू), मुजफ्फरपुर में हाल ही में सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति की जांच में तीन तरह की गड़बड़ियां सामने आयी। अवैतनिक या मान्यता-रहित सेवा को अनुभव के रूप में दिखाना, बिना स्वीकृत पद के ही कॉलेजों द्वारा अनुभव प्रमाणपत्र जारी कर देना और दस्तावेजों में बैकडेटिंग व फर्जी हस्ताक्षर तक शामिल होना। इसकी वजह से विश्वविद्यालय को कई नियुक्तियां और वेतन-भुगतान तत्काल रोकने पड़े और कुछ मामलों में प्राथमिकी दर्ज होने की संभावना तक जताई गई। यह उदाहरण बताता है कि ''अनुभव प्रमाणपत्र'' जैसे प्रतीत होने वाले साधारण दस्तावेज किस तरह पूरी नियुक्ति-प्रक्रिया को भीतर से खोखला कर सकते हैं, चाहे मामला सहायक प्रोफेसर के पद का हो या कुलपति के पद का।

❖ **ऑडिट रिपोर्ट : आंकड़े जो खुद बोलते हैं :**- जहां डिग्री और अनुभव प्रमाण पत्रों से जुड़े आरोप अभी जांच के चरण में हैं, वहीं वित्तीय अनियमितता को लेकर सरकारी अंकेक्षण एजेंसियों के अपने आंकड़े कहीं अधिक चौंकाने वाले हैं। महालेखाकार (एजी) कार्यालय की एक समीक्षा में बिहार के सात प्रमुख विश्वविद्यालयों में कुल '177 करोड़ 38 लाख रुपये' की वित्तीय अनियमितता सामने आई, जिसमें इन विश्वविद्यालयों ने न तो खर्च की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र दिया और न ही समय पर अंकेक्षण (ऑडिट) रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस पूरी सूची में सबसे बड़ी गड़बड़ी खुद वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा' में पाई गई, यहां 142 करोड़ 52 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता दर्ज हुई। रिपोर्ट के अनुसार विश्वविद्यालय

ने परीक्षा की उत्तर-पुस्तिकाओं (आंसर-शीट) की खरीद बिना टेंडर प्रक्रिया और बिना सरकारी जेईएम (GeM) पोर्टल के जरिए की, यानी जिस खरीद प्रक्रिया में सबसे ज्यादा पारदर्शिता जरूरी थी, उसी में सबसे बड़ी चूक हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन से जवाब मांगे जाने पर भी अंकेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई।

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा भी इस सूची में शामिल है। यहां 1 करोड़ 45 लाख रुपये के खर्च का कोई हिसाब नहीं दिया गया और कंप्यूटर खरीद प्रक्रिया में भी नियमों की अनदेखी की गई शिकायत है। इसी क्रम में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में 16 करोड़ 39 लाख रुपये का भुगतान बिना समुचित वेतन-सत्यापन के कर दिए जाने और तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय व बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय (मधेपुरा) में भी करोड़ों रुपये की गड़बड़ी की बात सामने आई है। शिक्षा विभाग ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी संबंधित कुलसचिवों को स्पष्टीकरण देने और एक सप्ताह के भीतर अंकेक्षण रिपोर्ट व उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था, अन्यथा इसे आर्थिक अपराध मानते हुए संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी। समाजसेवियों का सवाल है कि जब आंकड़े इतने स्पष्ट और सरकारी अंकेक्षण एजेंसी द्वारा स्वयं प्रमाणित हैं, तो डेढ़ साल से अधिक समय बीतने के बावजूद अब तक किसी वित्तीय अधिकारी या कुलपति के विरुद्ध ठोस दंडात्मक कार्रवाई सार्वजनिक रूप से सामने क्यों नहीं आई।

❖ **भ्रष्टाचार का बड़ा जाल : नियुक्ति से लेकर खरीद तक :-** फर्जी डिग्री, फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र और अनियमित ऑडिट, ये तीनों मुद्दे अलग-अलग नहीं, बल्कि एक ही बड़ी तस्वीर के हिस्से हैं, जिसे समाजसेवी **''सुनियोजित आपराधिक भ्रष्टाचार''** कहते हैं। इस तस्वीर को तीन स्तरों पर समझा जा सकता है :-

☞ **नियुक्ति में भ्रष्टाचार :-** शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि सर्च कमेटी द्वारा शॉर्टलिस्टिंग से लेकर पर्सनल इंटरैक्शन तक, हर चरण में ''येन-केन-प्रकारेण'' यानी नियम-विरुद्ध तरीके अपनाए गए और करोड़ों रुपये के लेन-देन की बात कही गई है। राजभवन सचिवालय के भीतर के ही कुछ अधिकारियों की भूमिका पर शिकायतों में सीधे सवाल उठाए गए हैं।

☞ **पद पर बने रहने के दौरान भ्रष्टाचार :-** एक बार कुलपति पद मिल जाने के बाद, समाजसेवियों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति को पूर्ण वित्तीय अधिकार मिल जाते हैं, जिसका उपयोग उत्तर-पुस्तिका खरीद जैसे मामलों में टेंडर प्रक्रिया दरकिनार कर या कंप्यूटर व अन्य उपकरणों की खरीद में नियमों की अनदेखी कर किया गया, जैसा कि एजी की रिपोर्ट में दर्ज आंकड़े संकेत करते हैं।

☞ **शिकायतों को दबाने का भ्रष्टाचार :-** सबसे चिंताजनक आरोप यह है कि जब शिकायतें राजभवन सचिवालय पहुंचीं, तो नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत (''कोई भी व्यक्ति अपने मामले में स्वयं निर्णायक नहीं हो सकता'') के विपरीत, उन्हीं शिकायतों को जांच के लिए संबंधित कुलपतियों के पास ही वापस भेज दिया गया। समाजसेवियों का कहना है कि यही चक्र वर्षों से दोहराया जा रहा है-शिकायत दर्ज होती है, वह ''जांच हेतु'' वापस उसी व्यक्ति के पास चली जाती है, जिसके विरुद्ध शिकायत है और अंततः मामला बिना किसी नतीजे के ठंडा पड़ जाता है।

यह तीन-स्तरीय ढांचा ही वह वजह है जिसके चलते समाजसेवी दावा करते हैं कि ''पैरवी और पैसे पर सब कुछ होता है कुलाधिपति कार्यालय में'', क्योंकि नियुक्ति, कार्यकाल और शिकायत-निवारण, तीनों ही चरणों पर अंततः निर्णय उसी सचिवालय से होकर गुजरता है।

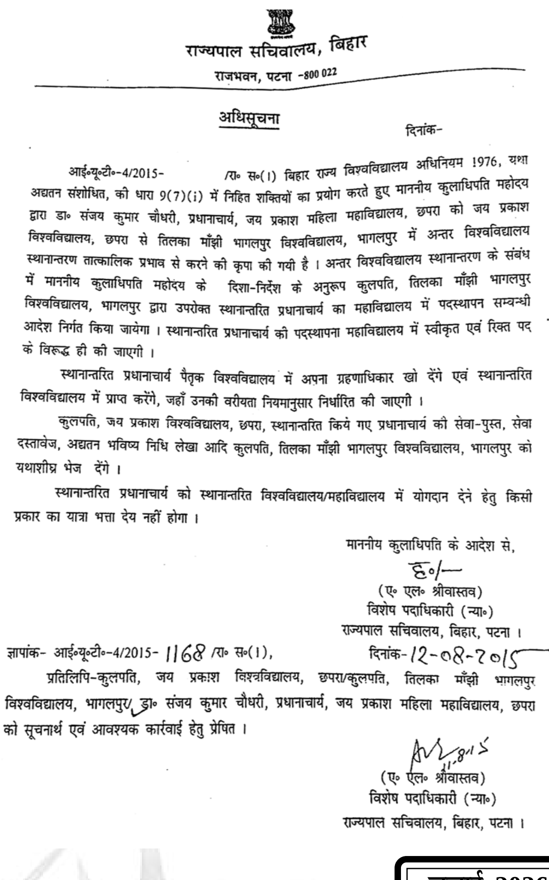
राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना -800 022

अधिसूचना

दिनांक-

आई०यू०टी०-4/2015- /रा० स०(I) बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1976, यथा अद्यतन संशोधित, की धारा 9(7)(i) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा डा० संजय कुमार चौधरी, प्रधानाचार्य, जय प्रकाश महिला महाविद्यालय, छपरा को जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा से तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर में अन्तर विश्वविद्यालय स्थानान्तरण तात्कालिक प्रभाव से करने की कृपा की गयी है। अन्तर विश्वविद्यालय स्थानान्तरण के संबंध में माननीय कुलाधिपति महोदय के दिशा-निर्देश के अनुरूप कुलपति, तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर द्वारा उपरोक्त स्थानान्तरित प्रधानाचार्य का महाविद्यालय में पदस्थापन सम्बन्धी आदेश निर्गत किया जायेगा। स्थानान्तरित प्रधानाचार्य की पदस्थापना महाविद्यालय में स्वीकृत एवं रिक्त पद के विरूद्ध ही की जाएगी।

स्थानान्तरित प्रधानाचार्य पैतृक विश्वविद्यालय में अपना ग्रहणाधिकार खो देंगे एवं स्थानान्तरित विश्वविद्यालय में प्राप्त करेंगे, जहाँ उनकी वरीयता नियमानुसार निर्धारित की जाएगी।

कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, स्थानान्तरित किये गए प्रधानाचार्य की सेवा-पुस्त, सेवा दस्तावेज, अद्यतन भविष्य निधि लेखा आदि कुलपति, तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर को यथाशीघ्र भेज देंगे।

स्थानान्तरित प्रधानाचार्य को स्थानान्तरित विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में योगदान देने हेतु किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

माननीय कुलाधिपति के आदेश से,
ह०/-
(ए० एल० श्रीवास्तव)
विशेष पदाधिकारी (न्या०)
राज्यपाल सचिवालय, बिहार, पटना।

ज्ञापांक- आई०यू०टी०-4/2015- 1168 /रा० स०(1), दिनांक- 12-08-2015

निबंधित डाक प्रतिलिपि-कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा/कुलपति, तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर/ डा० संजय कुमार चौधरी, प्रधानाचार्य, जय प्रकाश महिला महाविद्यालय, छपरा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

(ए० एल० श्रीवास्तव)
विशेष पदाधिकारी (न्या०)
राज्यपाल सचिवालय, बिहार, पटना।

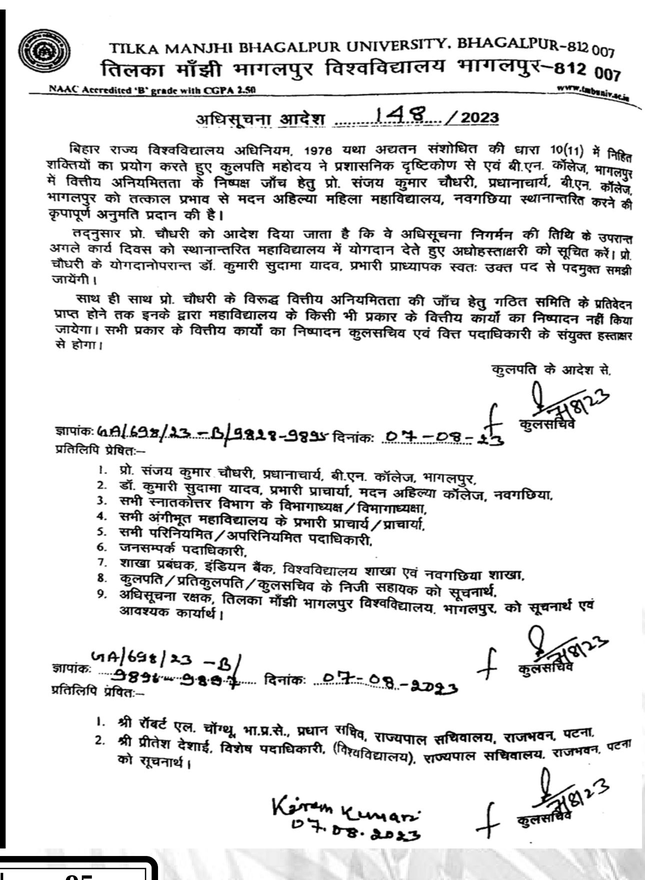
TILKA MANJHI BHAGALPUR UNIVERSITY, BHAGALPUR-812 007
तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर-812 007
NAAC Accredited 'B' grade with CGPA 2.50
www.tmbuniv.ac.in

अधिसूचना आदेश 148 /2023

बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 यथा अद्यतन संशोधित की धारा 10(11) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुलपति महोदय ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से एवं बी.एन. कॉलेज, भागलपुर में वित्तीय अनियमितता के निष्पक्ष जाँच हेतु प्रो. संजय कुमार चौधरी, प्रधानाचार्य, बी.एन. कॉलेज, भागलपुर को तत्काल प्रभाव से मदन अहिल्या महिला महाविद्यालय, नवगछिया स्थानान्तरित करने की कृपापूर्ण अनुमति प्रदान की है।

तदनुसार प्रो. चौधरी को आदेश दिया जाता है कि वे अधिसूचना निगर्मन की तिथि के उपरान्त अगले कार्य दिवस को स्थानान्तरित महाविद्यालय में योगदान देते हुए अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें। प्रो. चौधरी के योगदानोपरान्त डॉ. कुमारी सुदामा यादव, प्रभारी प्राध्यापक स्वतः उक्त पद से पदमुक्त समझी जायेंगी।

साथ ही साथ प्रो. चौधरी के विरूद्ध वित्तीय अनियमितता की जाँच हेतु गठित समिति के प्रतिवेदन प्राप्त होने तक इनके द्वारा महाविद्यालय के किसी भी प्रकार के वित्तीय कार्यों का निष्पादन नहीं किया जायेगा। सभी प्रकार के वित्तीय कार्यों का निष्पादन कुलसचिव एवं वित्त पदाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से होगा।

कुलपति के आदेश से,
कुलसचिव 7/8/23

ज्ञापांक: GA/698/23-B/9828-9895 दिनांक: 07-08-23
प्रतिलिपि प्रेषित:-

1. प्रो. संजय कुमार चौधरी, प्रधानाचार्य, बी.एन. कॉलेज, भागलपुर,
2. डॉ. कुमारी सुदामा यादव, प्रभारी प्राचार्या, मदन अहिल्या कॉलेज, नवगछिया,
3. सभी स्नातकोत्तर विभाग के विभागाध्यक्ष/विभागाध्यक्षा,
4. सभी अंगीभूत महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य/प्राचार्या,
5. सभी परिनियमित/अपरिनियमित पदाधिकारी,
6. जनसम्पर्क पदाधिकारी,
7. शाखा प्रबंधक, इंडियन बैंक, विश्वविद्यालय शाखा एवं नवगछिया शाखा,
8. कुलपति/प्रतिकुलपति/कुलसचिव के निजी सहायक को सूचनार्थ,
9. अधिसूचना रक्षक, तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ।

कुलसचिव 7/8/23

ज्ञापांक: GA/698/23-B/9896-9897 दिनांक: 07-08-2023
प्रतिलिपि प्रेषित:-

1. श्री रॉबर्ट एल. चोंग्थू, भा.प्र.से., प्रधान सचिव, राज्यपाल सचिवालय, राजभवन, पटना,
2. श्री प्रीतेश देशाई, विशेष पदाधिकारी, (विश्वविद्यालय), राज्यपाल सचिवालय, राजभवन, पटना को सूचनार्थ।

Kiran Kumari 07.08.2023
कुलसचिव 7/8/23

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA
Civil Writ Jurisdiction Case No.3428 of 2010

WEB COPY
NOT OFFICIAL

1. Dr. Ravi Prakash 'Babloo' S/O Late Om Prakash Sinha R/O Sughar Chapra, P.S.- Manhi, Distt.- Saran
2. Dr. Udai Arvind S/O Late Udai Pratap Singh R/O Professor'S Colony, K.G.Road, Ara, P.S. Nawada, Distt.- Bhojpur
3. Dr. Achyuta Nand Singh S/O Sri Jai Krishna Prasad Singh R/O Vill.- Rngram, P.S. Dhoraiya, Distt.- Banka
4. Rampher S/O Late Shambhu R/O Vill.- Daudpur, P.S. Daudpur, Distt.- Saran.

.... Petitioner/s

Versus

1. The Jai Prakash University, Chapra Through Its Registrar
2. The Vice-Chancellor, Jai Prakash University, Chapra
3. The Registrar, Jai Prakash University, Chapra
4. The Selection Committee for Selection of Principals, Jai Prakash University, Chapra Through The Registrar, Jai Prakash University, Chapra
5. Dr.(Prof.) Lalan Dubey S/O Not Known To The Petitioners Road No. 8, Rajiv Nagar, P.S. Rajiv Nagar, Distt.- Patna
6. Dr. Baikunth Pandey, Principal, Rajendra College, Chapra through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
7. Dr. Parmendra Ranjan Singh, Principal, Jagdam College, Chapra Through the Registrar, Jay Prakash University, Chapra
8. Dr. Sanjay Kumar, Principal, P.C. Vijnan Kendra, Chapra through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
9. Dr. K.P.Srivastwa, Principal, Ganga Singh College, Chapra through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
10. Dr. Vijay Kumar, Principal Jaglal Chaudhary College, Chapra through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
11. Dr. Ramshreshtha Rai, Principal, Ramjaipal College, Chapra through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
12. Dr. Brajkishore Tiwary, Principal, D.A.V. College, Siwan through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
13. Dr. Sanjay Kumar Chaudhary, Principal, Raja Singh College, Siwan through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
14. Dr. Shyam Nandan Prasad, Principal, Kamla Rai College, Gopalganj through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
15. Dr. Madhuprabha Singh, Principal, Mahendra Mahila College, Gopalganj, through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
16. Dr. Krishna Kumar Baitha, Principal, Y.N.College, Dighwara through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
17. Dr. Shambhu Kumar, Principal, P.N.College, Parsa through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
18. Dr. Ravindra Kumar, Principal, H.R.College, Amnaur through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
19. Dr. Ramanand Rai, Principal, Nandlal Singh College, Jaitpur, Daudpur through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
20. Dr. Uday Shankar Pandey, Principal, R.B.G.R.College, Maharajganj through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
21. Dr. Pushparaj Gautam, Principal, V.P.S. College, Bhore through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
22. Dr. Ajay Kumar Pandit, Principal, Gopeshwar College, Hathua through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
23. Dr. Shiddhartha Shankar Singh, Principal, Narayan College, Goreyakothi through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
24. Dr. Kiran Kumari, Principal, Vidyabhawan Mahila College, Siwan through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra
25. Dr. Ashok Kumar Singh, Principal, H.R.College, Mairwa through The Registrar, Jay Prakash University, Chapra

.... Respondent/s

WEB COPY
NOT OFFICIAL

Appearance :
For the Petitioner/s Mr. Amit Kr.Singh
Mr. Chandan Jha

For the Respondent/s : Mr. Shivendra Kishore

CORAM: HONOURABLE MR. JUSTICE KISHORE KUMAR MANDAL
ORAL ORDER

14 12-11-2013 Unsuccessful candidates in the selection for the posts of Principals in Jay Prakash University, Chapra (for short " the University") for which selection process was initiated pursuant to Advertisement No. 1/2009 have filed the present writ petition for a declaration that the selection/recommendation by the Selection Committee of the University for the appointment to the post of Principals is illegal, contrary to the mandatory/statutory provisions of the Act. They have thus sought for setting aside the appointments of the private respondents as Principals in various constituent colleges under the University.

In the writ petition, the petitioners have vaguely stated about the alleged large scale irregularities and bunglings in selection to the post of Principal. With the filing of counter

कुलाधिपति की घोषित नीति बनाम जमीनी हकीकत :- बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति समय-समय पर सार्वजनिक रूप से यह दोहराते रहे हैं कि कोई भी कुलपति नियत तीन-वर्षीय कार्यकाल पूरा होने के बाद पद पर नहीं रह सकता और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के तहत सेवा-विस्तार की कोई गुंजाइश नहीं है। यह रुख राजभवन के आधिकारिक विज्ञप्तियों में भी झलकता है। बावजूद इसके, समाजसेवियों का आरोप है कि एलएनएमयू और वीकेएसयू सहित राज्य के कई विश्वविद्यालयों में कुलपति नियत अवधि पूरी होने के बाद भी सेवा-विस्तार पर बने रहे हैं। घोषित नीति और वास्तविक व्यवहार के बीच का यही फासला इस पूरे प्रकरण की जड़ में है। जानकारों का कहना है कि जब तक सेवा-विस्तार से जुड़े हर आदेश को सार्वजनिक डोमेन में स्वत: अपलोड करना अनिवार्य नहीं होगा, तब तक इस विसंगति की पूरी तस्वीर सामने आना मुश्किल रहेगा।

❖ **अकेला मामला नहीं : बिहार के विश्वविद्यालयों में दोहराया जाता पैटर्न :-** एलएनएमयू और वीकेएसयू के मामलों को समझने के लिए बिहार के अन्य विश्वविद्यालयों में सामने आई घटनाओं पर भी नजर डालना जरूरी है, क्योंकि ये बताती हैं कि समस्या किसी एक परिसर तक सीमित नहीं :-

☞ **बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (BAU) :-** नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की लगभग 186 पन्नों की एक रिपोर्ट में विश्वविद्यालय में लगभग 350 महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं और करीब 35 करोड़ रुपये की खरीद-निविदा प्रक्रिया में गड़बड़ियों का उल्लेख सामने आया है। सरकार द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाए जाने के बावजूद ज्वॉइनिंग जारी रहने की शिकायत पर एक सांसद ने सीधे प्रधानमंत्री को पत्र लिखा।

☞ **बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर (BRABU) :-** सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति में फर्जी/संदिग्ध अनुभव प्रमाण-पत्रों के इस्तेमाल की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद कई नियुक्तियां रोकी गईं और वेतन तक निलंबित किए गए। इसी विश्वविद्यालय में वित्तीय अनियमितता के एक अलग मामले में शिक्षा विभाग के आदेश पर कुलपति, कुलसचिव सहित छह पदाधिकारियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, जिसके विरोध में शिक्षक व कर्मचारी संगठनों ने परीक्षाएं तक स्थगित करा दी थीं।

☞ **बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना :-** कुलपति चयन प्रक्रिया में विज्ञापन में राजभवन के अधिसूचना क्रमांक तक दर्ज न होने, स्क्रीनिंग मानदंड तय न होने और विषय-विशेषज्ञता से इतर सदस्यों को चयन समिति में रखे जाने के आरोपों पर उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट जाने की तैयारी की थी।

इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि नियुक्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता, अनुभव-प्रमाणपत्रों की सत्यता-जांच और सेवा-विस्तार से जुड़े प्रश्न बिहार के विश्वविद्यालयी तंत्र में बार-बार उठते रहे हैं और राजभवन, हर बार, जांच के केंद्र में रहा है।

❖ **आवाज उठाने वालों की कीमत :-** मनीष कुमार और रोहित कुमार जैसे समाजसेवियों ने बताया कि उन्होंने सूचना के अधिकार (आरटीआई) और सीधे आवेदन के जरिए वर्षों तक कुलाधिपति कार्यालय, शिक्षा विभाग और संबंधित जांच एजेंसियों से कार्रवाई की मांग की, लेकिन नतीजा सिफर रहा। उनका आरोप है, ''पैरवी और पैसे पर सब कुछ होता है कुलाधि पति कार्यालय में'', यह टिप्पणी भले ही एकपक्षीय हो, पर यह कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर बढ़ते जन-अविश्वास को साफ दर्शाती है। जिस तरह देश भर में आरटीआई कार्यकर्ताओं और व्हिसल-ब्लोअर्स को धमकी, मुकदमेबाजी और सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है, बिहार के इन शिकायतकर्ताओं का अनुभव भी उस बड़ी तस्वीर से अलग नहीं दिखता।

2 दैनिक जागरण पटना, 4 जुलाई, 2026 राजधानी जागरण www.jagran.com

उच्च शिक्षा में बड़े सुधार के लिए मेजर सर्जरी की आवश्यकता : राज्यपाल

भारतीय सेना में 40 वर्ष की सेवा और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में छह साल सेवा दे चुके बिहार के राज्यपाल एवं कुलाधिपति सैयद अता हसनैन ने बिहार के बार्डर इंटेलिजेंस से लेकर सुरक्षा मानकों पर जहां बिहार की खासी भूमिका की तारीफ की तो वहीं उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने में सरकार की प्राथमिकताओं के साथ-साथ अपनी भूमिका को भी रेखांकित किया। राज्यपाल ने दैनिक जागरण के प्रधान संवाददाता **दीनानाथ साहनी** से विशेष बातचीत में कहा कि बार्डर सिक्यूरिटी से लेकर इंटेलिजेंस इनपुट मुहैया कराने में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में बड़े सुधार लाने के लिए मेजर सर्जरी की आवश्यकता है। बिहार को उच्च शिक्षा में वैश्विक पहचान दिलाने के लिए सरकार द्वारा आवश्यक कदम उठाया जा रहा है, जिसमें उनकी भूमिका एक्जीक्यूटिव की है।

साक्षात्कार

> सत्र नियमित करने का प्रयास तेज नए सत्र से एकसमान एकेडमिक लागू किया गया। कैलेंडर सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में सुप्रीम कोर्ट के सभी महत्वपूर्ण आदेश का सख्ती से पालन होगा।

> उच्च शिक्षा में बिहार को वैश्विक पहचान दिलाने के सरकार के प्रयास में हमारी भूमिका एक्जीक्यूटिव की। सभी विश्वविद्यालयों को फाइनेंशियल मैनेजमेंट में तेजी से सुधार लाने को हिदायत दी गई है।

• क्या विश्वविद्यालयों में सर्जरी की आवश्यकता है?

211 डिग्री कालेजों में शैक्षणिक सत्र की शुरुआत करना उचित है?

-अगर आधारभूत संरचना में कोई कमी है तो धीरे-धीरे सुधार और प्रगति होगी। किंतु बिहार सरकार की हर प्रखंड में एक डिग्री कालेज स्थापित करने की पहल तो बहुत सराहनीय है।

• वर्ष 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि यदि कुलपति का टर्म खत्म हो गया है तो वहां प्रतिकुलपति को वीसी का प्रभार मिलेगा। यदि प्रतिकुलपति नहीं है तो विवि के सीनियर मोस्ट प्रोफेसर को कुलपति का प्रभार दिया जाएगा, जो कुलपति बनने की पात्रता रखते हों। लेकिन, बिहार में इसका अनुपालन नहीं होता?

-सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश है, उसका न्यायपालिका के सम्मान में पालन होना चाहिए। उस आदेश का पालन शुरू कर दिया गया है। फिलहाल मगध विश्वविद्यालय, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, मौलाना मजहरूल हक अरबी और फारसी विश्वविद्यालय और तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में कार्यवाहक कुलपति हैं। मगध विश्वविद्यालय में जो कुलपति कार्यरत थे उनका कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें ही कार्यवाहक बना दिया गया था। उन्हें हमने हटाया।

• सुप्रीम कोर्ट का यह भी आदेश है कि कुलपति का तीन साल कार्यकाल पूरा हो गया हो तो उन्हें एक्सटेंशन नहीं मिलेगा। किंतु, इसका पालन नहीं होता?

• यूजीसी और नैक की गाइडलाइन के अनुसार एकेडमिक आडिट करना अनिवार्य है, लेकिन बिहार के उच्च शिक्षण संस्थानों में इसका अनुपालन नहीं हो रहा?

• उच्च शिक्षा के मामले में बिहार सरकार और बिहार लोक भवन की प्राथमिकताएं क्या है?

• आपने इंडियन आर्मी में लंबे समय तक कार्य किया। उस कार्य अनुभव का राज्यपाल के रूप में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद बिहार के सुरक्षा मानकों को कैसे देखते हैं?

❖ **न्यायपालिका और महापुरुषों की दृष्टि में शैक्षणिक भ्रष्टाचार :-** फर्जी डिग्री और शैक्षणिक भ्रष्टाचार का मुद्दा केवल बिहार तक सीमित नहीं, यह पूरे देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा करता है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने हाल ही में एक सुनवाई के दौरान फर्जी डिग्री के सहारे प्रतिष्ठित पेशों में प्रवेश करने वालों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे लोग परजीवियों की तरह व्यवस्था को भीतर से खोखला करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि फर्जी डिग्रियों की प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह होने की स्थिति में सीबीआई जांच पर भी विचार किया जा सकता है और यह टिप्पणी भी की कि पेशेवर नियामक संस्थाएं अक्सर वोट-बैंक की राजनीति के चलते सख्त कार्रवाई से बचती हैं।

राधाकृष्णन आयोग (1948) से लेकर कोठारी आयोग (1964-66) तक, भारत में शिक्षा-सुधार पर बनी लगभग हर बड़ी समिति ने कुलपति जैसे शीर्ष पदों पर नियुक्ति की स्वतंत्रता और पारदर्शिता को विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता बनाए रखने की पहली शर्त बताया है। महात्मा गांधी अक्सर कहा करते थे कि अन्याय और भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई तभी सार्थक होती है जब वह निडरता से लड़ी जाए। डॉ. भीमराव आंबेडकर शिक्षा को सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी सीढ़ी मानते थे और उनके अनुसार जिस दिन शिक्षा-तंत्र स्वयं भ्रष्ट हो जाए, उस दिन समाज की सबसे बड़ी उम्मीद ही दांव पर लग जाती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भी बार-बार यह कहते थे कि किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी कक्षाओं में गढ़ा जाता है और जब वही कक्षाएं भ्रष्टाचार की छाया में चलें, तो पूरी पीढ़ी का भविष्य जोखिम में पड़ जाता है।

सैयद अता हसनैन
राज्यपाल, बिहार

❖ **छात्रों और शैक्षणिक गुणवत्ता पर असर :-** जब किसी विश्वविद्यालय के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति की नियुक्ति ही विवादों में हो, तो इसका सीधा असर विश्वविद्यालय की दैनिक कार्यप्रणाली पर पड़ता है। नियुक्तियां, प्रोन्नतियां, परीक्षा-परिणाम, शोध-पर्यवेक्षण और अनुदान का वितरण, सब कुछ संदेह के घेरे में आ जाता है। एलएनएमयू और वीकेएसयू जैसे विश्वविद्यालयों से लाखों विद्यार्थी डिग्री हासिल करते हैं, जब संस्थान के नेतृत्व की साख पर ही सवाल उठें, तो अंततः इन्हीं विद्यार्थियों की डिग्रियों की प्रतिष्ठा प्रभावित होने का खतरा रहता है, भले ही इसमें उनकी कोई गलती न हो।

❖ **निष्कर्ष : जवाबदेही आखिर किसकी? :-** एलएनएमयू और वीकेएसयू के मामले, बिहार कृषि विश्वविद्यालय और बीआरएबीयू जैसे अन्य उदाहरणों के साथ मिलकर, राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही के गहरे संकट को उजागर करते हैं। जब कुलाधिपति कार्यालय स्वयं नियमों की दुहाई देता है, लेकिन उन्हीं नियमों का पालन कराने में बार-बार विफल दिखता है, तो सवाल स्वाभाविक है, क्या राजभवन का हस्तक्षेप वाकई सुधार की दिशा में है या यह व्यवस्था भी उसी दलदल का हिस्सा बन चुकी है, जिसे साफ करने की जिम्मेदारी खुद उसी पर है?

जब तक स्वतंत्र, समयबद्ध और पारदर्शी जांच पूरी होकर सार्वजनिक नहीं होती, तब तक इन आरोपों को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। लेकिन जिस तरह शिकायतें वर्षों तक दर्ज होती रहीं, दस्तावेज सौंपे जाते रहे और कार्रवाई फिर भी नहीं हुई, यह चुप्पी अपने आप में जांच का विषय बन जाती है। बिहार की उच्च शिक्षा को अगर वाकई नई दिशा देनी है, तो उसकी शुरुआत राजभवन को खुद अपने ही सचिवालय की जवाबदेही तय करने से करनी होगी। ●

● अमित कुमार

क्रांति की जो शुरुआत होती है ना, वो हमेशा एक ब्राह्मण ही करता है! चाहे 322 ईसा पूर्व में चाणक्य हो और चाहे 1857 में मंगल पांडे हो, चाहे वो 1922 में चंद्रशेखर आजाद हो, चाहे सन् 2026 में भरत भूषण तिवारी हो। अगर आप भरत भूषण तिवारी का सोशल मीडिया एकाउंट देखेंगे तो आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी। ये जो पुलिस ने उसका फर्जी एनकाउंटर किया है और भरत भूषण तिवारी जो पुलिस से क्रांतिकारी युद्ध शुरू करने की बात करता था। दरअसल इसकी शुरुआत उसने आज से लगभग ढ़ाई साल पहले ही कर ली थी। ढाई साल पहले भरत भूषण तिवारी ने इसकी तैयारी कर ली और भरत भूषण तिवारी को लगता था कि जब वह पुलिस की गोली से मारा जाएगा तो समाज में क्रांति आएगी। युवा जागेंगे, भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलेंगे। अगर आपको नहीं भरोसा है तो उसके फेसबुक एकाउंट पर 26 दिसंबर 2024 का पोस्ट देखिए। आज से ढाई साल पहले भरत तिवारी ने क्या लिखा–''सत्य और धर्म के रास्तों पर जब तक शांति के सारे रास्ते खत्म न हो जाए तब तक युद्ध को टालते रहना चाहिए। तो अब आगे कुछ दिनों में मैं बिहार के मुख्यमंत्री और भोजपुर प्रशासन को आने वाले युद्ध के लिए आगाह यानी वार्निंग दूंगा। क्योंकि युद्ध का पहला नियम निवेदन करें, विनती करें। अपने समाज के हक में मांगे तो यह सभी नियम मैंने पूरा कर दिया है तो आगे चलकर

भरत भूषण तिवारी

यह नहीं बोल पाएंगे कि मैंने उनसे ऐसा कुछ नहीं बोला। दूसरा नियम युद्ध न हो, इसके लिए आगे वाले को वार्निंग दे ताकि वह भी संभल सके। तीसरा नियम और जब युद्ध के सिवा कोई विकल्प ही ना बचे तो रणभूमि में कूद जाएं। युद्ध कई प्रकार के होते हैं, जिसके अंत में आप बचते हैं या सामने वाला। लेकिन ऐसे युद्ध में मैं किसी को मारूंगा थोड़ी ना। ये लोग कोई आतंकवादी, उग्रवादी, देश विरोधी या कोई ISIS संगठन के लोग थोड़ी ना हैं। अपना पद छोड़ने के बाद ये लोग भी एक आम नागरिक ही कहलाएंगे, तो मेरी मजबूरी है कि मैं एक आम नागरिक को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचा सकता। जब तक मेरे जान के ऊपर किसी भी प्रकार का हमला ना हो। तो इस युद्ध में मैं आगे वाले का नहीं बल्कि अपना बलिदान दूंगा और बलिदान किस प्रकार का होगा आपको जब मैं रणभूमि में कूद जाऊंगा तो बता दूंगा। और ऐसा बलिदान दूंगा कि यह केवल हमारे गांव और हमारे समाज के लिए नहीं अपितु पूरे राज्य और हमारे पूरे देश के लिए सार्थक होगा। उससे एक ऐसी चिंगारी निकलेगी कि हमारे पूरे देश में आग की तरह फैलकर ऐसे लापरवाह राजनेताओं के साम्राज्य को भस्म कर

Bharat Tiwari
6d ·
बिहार के CM और बिहार के पुरे सिस्टम को खास करके आरा जिले के पुरे प्रशासन के लिए मेरा इस वीडियो में एक छोटा सा धमाकेदार संदेश और एक चुनौती भी है की अगर जवईनिया गाँव के असहाय और मजबूर लोगो को बसाने के लिए उस गड्ढे वाले स्थान पर 1 से 2 दिनों में मिट्टी नहीं डाला गया (और सभी कार्य अच्छे से नहीं किया गया) यानी की आज और कल में तो उसके बाद बिहार के सिस्टम में बैठा कोई भी साला लुच्चवा और लफंगवा यहां आ गया तो उस साले छपरी का एनकाउंटर कर दिया जाएगा और इस देश में एक नई क्रन्तिकारी युद्ध को छेड़ दिया जाएगा ,

No like no comment

जय हिन्द जय भारत
जय श्री कृष्णा

Bharat Bhushan Tiwari
5 दिन
समाज और देशवासियों से मैं कहना चाहता हूं की बस अब बहुत हुवा अब इस देश में एक नई क्रन्तिकारी युद्ध और एक नई सोच को जन्म देना हिं पड़ेगा ताकी आने वाले भविष्य में हमारा देश पूरी दुनिया में हर छेत्र में सबसे आगे हो और यही मेरा सपना है और यही मेरा संकल्प भी और इसके लिए जो कुछ भी कुर्बानी देनी पड़े वो जरूर दी जाएगी और जो कुछ भी त्याग करना पड़े वो जरूर त्याग दिया जाएगा और अपने देश पर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया जाएगा ,

वंदे मातरम भारत माता की जय

तो अब आप सभी को बहुत जल्द बता दिया जाएगा की बिहार में जगदीशपुर के SDM का एनकाउंटर किस दिन किया जाएगा और उसके बाद इस देश में एक नई क्रांति की शुरुवात कर दी जाएगी,

No like no comment ,

जय हिन्द जय भारत
जय श्री कृष्णा

प्रेस विज्ञप्ति
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, भोजपुर (आरा)
(सोशल मीडिया कोषांग)
(दिनांक-16.06.2026)
(जाँच)

शाहपुर थाना को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है।

कार्रवाई: इस सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु जब शाहपुर थाना की पुलिस टीम संबंधित व्यक्ति के घर पहुँची, तब यह तथ्य सामने आया कि वह व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ (विक्षिप्त) है। शाहपुर थाना द्वारा मामले की गहन जाँच की गई है।

मानसिक अस्वस्थता: वीडियो में दिख रहा संबंधित व्यक्ति पूर्णतः मानसिक रूप से अस्वस्थ (विक्षिप्त) है। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उसके द्वारा इस तरह की कृत्य/बयानबाजी की गई है।

उपचार हेतु कदम: उक्त व्यक्ति की सुरक्षा और सामाजिक शांति को ध्यान में रखते हुए, उसे तत्काल उचित इलाज और देखरेख के लिए मानसिक आरोग्यशाला (Mental Hospital) भेजने की आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वर्तमान में, भोजपुर पुलिस और मेडिकल टीम द्वारा उक्त व्यक्ति को सुरक्षित नियंत्रण में लेने का प्रयास किया जा रहा है।

हथियार बरामदगी के प्रयास: संबंधित व्यक्ति के पास मौजूद हथियार (आर्म्स) को सुरक्षित रूप से बरामद करने और उसे नियंत्रण में लेने के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

आम जनता से अपील:
- **प्रशासन आम नागरिकों से यह विनम्र अपील करता है कि कृपया इस भ्रामक वीडियो को आगे शेयर या फॉरवर्ड न करें। अफवाहों पर ध्यान न दें और क्षेत्र में शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।**

FOLLOW US @Bhojpur_Police

देगी''।

भरत तिवारी ने पहले मांगा, सरकार से निवेदन किया, विनती किया। इसके बाद इसने प्लान बनाया कि मुझे हथियार उठाना पड़ेगा। अब यह इनकी ऐसी सोच थी। भरत भूषण तिवारी साफ कह रहा है, मैं किसी को मारूंगा नहीं। ये जो पुलिस वाले हैं, ये जो सरकारी लोग हैं, ये लोग भी आम नागरिक हैं और मैं इनको क्षति नहीं पहुंचाऊंगा। भरत भूषण तिवारी को लगता था कि जब वह पुलिस के गोली से मारा जाएगा तो इस राज्य में एक क्रांति आएगी। क्योंकि राज्य के लोग कराह रहे हैं। ना उनको ढंग का अच्छा भोजन मिल रहा है, ना ही कोई भी काम बिना पैसा दिए, बिना भ्रष्टाचार के हो ही नहीं रहा। इसीलिए भरत भूषण तिवारी को ऐसा लगता था और जब उसको ऐसा लगता था तो आप कह सकते हैं कि वो पागल था। क्योंकि पागल आदमी ही इस तरह का काम कर सकता है। जो आदमी होशोआवास में हो, जो आदमी गंभीरता को समझता हो, बहुत समझदारी से काम लेता है, वो इस तरह का काम नहीं करता। था भरत भूषण तिवारी पागल! लेकिन वो पागल किसी लड़की के लिए नहीं था। वो पागल किसी का हत्या करने के लिए नहीं था। वो पागल था अपना बलिदान देने के लिए। क्योंकि उसको ऐसा लगता था कि उससे एक ऐसी चिंगारी निकलेगी जो समूचे राजनेताओं के साम्राज्य को भस्म कर देगी। सवाल है भरत भूषण तिवारी क्या करता था? भरत भूषण तिवारी बिलौटी हाई स्कूल का तेजी से होते विकास और कार्यों का फोटो पोस्ट करता था, उसकी तारीफ करता था। पटना, आरा से लेकर

बक्सर एन.एस. तक कई जगह पीली लाईट खराब हो चुकी थी, उसे पोस्ट कर जनता के मुद्दे उठाता था। भरत भूषण तिवारी को आप देखेंगे तो बागेश्वर बाबा से मिलने जा रहा है और क्यों मिलने जा रहा है? क्योंकि उसको ऐसा लगता है कि जब हम उनसे मिल लेंगे तो हिंदू राष्ट्र की मांग करेगा। बिलौटी ग्राम में कई स्थान पर सोलर लाइट लगा दिए गए हैं और जो स्थान बचा है वो... मतलब जहां-जहां जरूरत है आवाज उठाने की, वहां वो आवाज उठा रहा है और जहां-जहां जरूरत है कटाक्ष करने की, सवाल पूछने की, वहां-वहां भरत भूषण तिवारी सवाल पूछ रहा है। ये उसके फेसबुक पोस्ट पे आज भी सब कुछ वैसे का वैसे है। इसके बाद भरत भूषण तिवारी जानबूझकर भोजपुर एसडीएम को, डीएम को पोक करने लगा। उन लोगों के बारे में गलत-सलत बात लिखने लग गया। भरत भूषण तिवारी का 3 जुलाई 2025 को यह पोस्ट है, जिसमें लिखा है कि 10 तारीख के बाद बिहार में जगदीशपुर के एसडीएम का एनकाउंटर करके

भरत भूषण तिवारी के माता-पिता, भाभी एवं भाई

कुत्ते की मौत मार दिया जाएगा। समाज और देश में विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने के कारण उसके बाद बिहार के सीएम का भी यही हाल किया जाएगा। जब एक लड़का सोशल मीडिया पर खुलेआम लिख रहा है कि बिहार के सीएम को मार दिया जाएगा, एसडीएम को कुत्ते की मौत मार दिया जाएगा तो इस लड़के पर एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुआ उस समय और उस समय गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? क्या बिहार पुलिस इंतजार कर रही थी इसी दिन का कि किसी दिन यह बहुत बड़ी गलती करेगा और इसका एनकाउंटर कर दिया जाएगा? क्योंकि यह अलग ही लेवल पर जाके विकास की बात कर रहा था, सवाल पूछ रहा था, लड़ रहा था। क्या इसलिए...? सिर्फ यह एक पोस्ट नहीं है। क्या लिखा है उसने? ''क्योंकि ऐसे लोग हमारे राष्ट्र के लाइसेंसी अपराधी हैं। लाइसेंसी अपराधी और माफिया हैं जो हमारे देश को अंदर ही अंदर खोखला कर देते हैं। एक अपराधी को कुत्ते की मौत दी जाएगी तो फिर आगे से हमारे देश में आशा है कि फिर से कोई ऐसा मौत मरना नहीं चाहेगा। हमारे देश से ऐसा कोई खिलवाड़ नहीं करना चाहेगा''।

माना भरत भूषण तिवारी का तरीका गलत था। सिर्फ गलत नहीं था, इतना गलत कि हम उसे किसी भी एंगल से किसी भी तरीके से सपोर्ट नहीं कर सकते। लेकिन यह सोचने वाली बात है कि आखिरकार भरत भूषण तिवारी किस चीज के लिए लड़ रहा था, यह सोचने वाली बात है और उसके सिर्फ एक पोस्ट ऐसे नहीं है जिसमें यह खुलेआम धमकी दे रहा है अलग-अलग नेताओं को और अलग-अलग लोगों को। 26 जून 2025 का पोस्ट है और इसमें भी भरत भूषण तिवारी ने वही बात लिखा है कि ''समाज और देश से मैं कहना चाहता हूं कि बिहार का निकम्मा सीएम और उसके सिस्टम में जो भी ऐसे लोग हैं, खासकर के भोजपुर जिले का जगदीशपुर का एसडीएम और ऐसे लोगों ने समाज में विकास कार्यों को बाधित किया था, अभी भी ये लोग वही कर रहे हैं। ऐसा करके ऐसे लोग समाज और देश को आगे बढ़ने से यानी कि हमारे देश को एक विकसित देश होने से रोक रहे हैं, रोक रहे हैं। इन लोगों ने मानसिक रूप से इस देश को गुलाम बनाकर रखा है''। भरत भूषण तिवारी ने जो किया गलत किया, गलत तरीका था। करना नहीं करना चाहिए था, लड़ना चाहिए था। लेकिन आदमी जब फ्रस्टेड हो जाए, जब सिस्टम इस तरीके से काम करे तो भाई हर आदमी उस मानसिक तनाव को नहीं सह पाता है। भरत भूषण तिवारी नहीं सह पाए। भरत भूषण तिवारी को लगा कि अगर हम ऐसा करेंगे तो देश में राष्ट्रीय चेतना जगेगी। अलग बात है कि राष्ट्रीय चेतना नहीं जगी। लोग अभी भी सवाल नहीं पूछेंगे। भरत भूषण तिवारी की मौत हुई, फर्जी एनकाउंटर हुआ। क्या हुआ सब कुछ चंद दिनों के बाद लोग भूल जाएंगे। भरत भूषण तिवारी के फेसबुक एकाउंट पर किये गये पोस्ट से यह तो पता चलता है कि वह जगदीशपुर एसडीएम और बिहार के सरकारी सिस्टम से परेशान था, फ्रस्टेड था पर पागल नहीं था!

इतना कुछ होने के बावजूद कुछ लोग कह रहे हैं कि भरत भूषण तिवारी ब्राह्मण था, सवर्ण था इसलिए सवर्ण इस एनकाउंटर का विरोध कर रहे हैं। जबकि दूसरे जाति का जब

जवानिया गांव में बाढ़ के कटाव से विस्थापितों की आवाज बनते भरत भूषण तिवारी

संजीत कुमार
एसडीएम, जगदीशपुर

एनकाउंटर होता है, दूसरे जाति के अपराधी का एनकाउंटर होता है तो यही ब्राह्मण, यही सवर्ण खामोश रहते हैं। कुछ लोग लिख रहे हैं कि अगर मुसलमान का एनकाउंटर हुआ होता तो क्या ये लोग विरोध करते? क्या किसी अन्य जाति के व्यक्ति का एनकाउंटर हुआ होता तो ये लोग विरोध में होते? ये सारी बातें सरासर गलत है। जब उत्तर प्रदेश में विकास दुबे का एनकाउंटर हुआ, एक भी ब्राह्मण, एक भी सवर्ण ने विरोध नहीं किया क्योंकि विकास दुबे का ट्रैक रिकॉर्ड सबको पता था। विकास दुबे अपराधी था, उसका एनकाउंटर होना चाहिए था। एक ब्राह्मण नहीं बोलने गया, एक सवर्ण बोलने नहीं गया, एक राजपूत बोलने नहीं गया। लेकिन यहां पर जब आप भरत भूषण तिवारी का इतिहास देखते हैं तो आपको समझ में आता है कि भरत भूषण तिवारी आखिरकार किस चीज के लिए लड़ रहा था। भरत भूषण तिवारी की मांगें क्या थी और जब पुलिस ने खुद प्रेस विज्ञप्ति जारी करके यह कह दिया कि भरत भूषण तिवारी मानसिक रूप से विच्छिप्त आदमी है तो उसका इलाज कराया जाना चाहिए था। उसको पकड़ना चाहिए था। पकड़ के रांची पागलखाने में भेज देना चाहिए था। लेकिन एनकाउंटर नहीं करना चाहिए था। यह विरोध इसलिए हो रहा है क्योंकि एक तो फर्जी एनकाउंटर, एक तो एनकाउंटर पर सवाल उठा, दूसरा बिहार पुलिस की खुद की कार्यशैली पर कि जिसे बिहार पुलिस ने खुद मानसिक विच्छिप्त बताया। जो खुद ही इस तरह के फेसबुक पोस्ट करता है कि एसडीएम का एनकाउंटर करके कुत्ते की मौत मार दिया जाएगा। जो मानसिक विच्छिप्त आदमी, जिस पर यह टैग लगा दिया गया उसका एनकाउंटर कर दिया गया। यह कभी हुआ है क्या कि कोई आदमी मानसिक विच्छिप्त हो, पागल हो, उसका एनकाउंटर कर दिया जाए। और सिर्फ कहा नहीं गया सम्राट चौधरी जी, जो कि इस बिहार के सीएम हैं, उन्होंने खुले मंच से यह ऐलान किया कि हम तो एक विडियो वायरल हो रहा था। हमने देखा कि हमारी पुलिस पर एक आदमी बंदूक तान दिया। जब हम पता किए तो पता चला कि वह मानसिक विच्छिप्त है। उसको पकड़ के उसका इलाज कराया जाएगा। यह सम्राट चौधरी

राज
पुलिस अधीक्षक, भोजपुर

राजेश शर्मा
तत्कालिन, जगदीशपुर एसडीपीओ

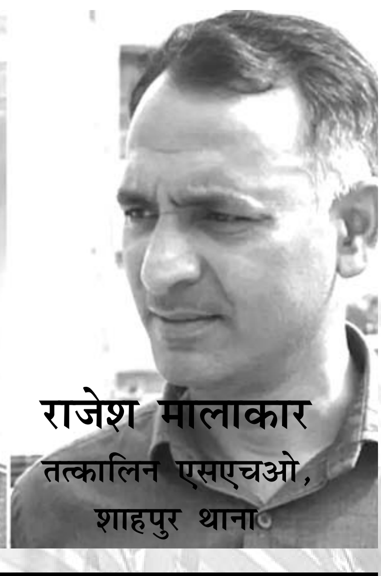
राजेश मालाकार
तत्कालिन एसएचओ,
शाहपुर थाना

जी ने कहा। मतलब सीएम तक को गलत सूचना डीजीपी के द्वारा दी गई। सीएम को बता दिया गया कि मानसिक विच्छित है, उसको पकड़ के उसका इलाज कराया जाएगा और इधर उसका एनकाउंटर कर दिया गया। जिस एनकाउंटर पर सवाल खड़े हो गए।

जब तक यह बिहार जातियों में बंटा रहेगा, अपराधियों में जाति खोजता रहेगा तब तक इस बिहार का कुछ नहीं हो सकता। भरत भूषण तिवारी, तिवारी था कि मुसलमान था कि यादव था कि कोईरी-कुर्मी, पासवान था। किसी को कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ना चाहिए कि भरत भूषण तिवारी किस चीज के लिए लड़ रहा था और जब पुलिस ने उसे मानसिक विच्छिप्त करार दे दिया, इसके बावजूद उसका एनकाउंटर क्यों किया गया? और जब विडियो में साफ दिख रहा है कि भरत भूषण तिवारी ने पिस्तौल दूर फेंक दी। एक सिपाही वाला लपक के उस पिस्तौल को पकड़ता है। इसके बावजूद भरत भूषण तिवारी का एनकाउंटर। इसके बाद भी सवाल न उठे। सवाल इतना उठा कि सम्राट चौधरी जी ने आदेश दे दिया। आदेश जारी कर दिया कि निष्पक्षता से इसकी जांच हो। लेकिन सबसे बड़ा सवाल कि किसके कहने पर एनकाउंटर हुआ। क्या सिपाही की इतनी ताकत है कि वो किसी लड़के का एनकाउंटर कर दे? क्या पुलिस वालों की या किसी की इतनी ताकत है जब तक से ऊपर से आदेश नहीं आएगा, एनकाउंटर नहीं किया जा सकता। तो ऊपर से आदेश आया। अब आदेश सीएम के पास से आया या बिहार पुलिस के सबसे बड़े पदाधिकारी के पास से आया, ये किसी को नहीं पता। लेकिन आदेश ऊपर से आया, एनकाउंटर नीचे वालों ने किया। सस्पेंड कौन होगा? सबसे नीचे बैठा अधिकारी। सबसे नीचे वाला। ऊपर वाले के इशारे पर काम हो और सस्पेंड हो नीचे वाला। यह है हमारे देश की न्याय व्यवस्था, न्याय प्रणाली। जिस पर सवाल उठाना लाजमी है।

भरत तिवारी एनकाउंटर केस में बिहार भाजपा में भारी विद्रोह हो चुका है। सभी भाजपा नेता सम्राट चौधरी और उनके नेतृत्व समेत गृह मंत्रालय और प्रशासन पर बड़े-बड़े सवाल खड़े कर चुके हैं। जिसमें सबसे बड़ा नाम पदाधिकारी के तौर पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ऋतुराज सिन्हा का है। जिन्होंने तो सीधे तौर पर वीडियो बना कर यह बात कह दी कि रक्षक ही अगर भक्षक बन जाएगा तो फिर किससे जनता उम्मीद करेगी। उसके बाद बड़ा नाम बक्सर के विधायक आनंद मिश्रा का है। जिन्होंने फेसबुक पर पोस्ट करके सीधे तौर पर लिख दिया कि सरेंडर करने के बाद जो हत्या की गई है, बिल्कुल गलत हुई। उसके बाद राकेश रंजन, जो स्वयं शाहपुर के ही विधायक हैं, जिस क्षेत्र के अंतर्गत भरत तिवारी का निवास स्थान था। उन्होंने तो पिछले दिन मीडिया में बयान देकर यह भी कह दिया था कि हम मुख्यमंत्री जी तक सारी मांगे पहुंचाएंगे, क्योंकि जो हुआ है प्रथम दृष्टया बहुत सही प्रतीत नहीं होता है। विपक्ष के नेताओं को अभी थोड़ी देर छोड़ दीजिए और सबसे बड़ा नाम बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वर्तमान कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा जी का है। जिन्होंने पुलिस के ऊपर बहुत बड़े-बड़े सवाल खड़े कर दिए। अपनी ही सरकार को घेरे में ले लिया। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व से कोई प्रसन्न नहीं है और इससे भी बड़ी बात यह है कि भाजपा के इन नेताओं का विरोध करने का सीधा अर्थ यह होता है कि शिष्टाचार की पार्टी कही जाने वाली भाजपा, जिसमें यूजीसी जैसे समाज हित के विषय से संबंधित विषय पर भी सभी नेता मौन धारण कर गए थे। उस विषय से भी ज्यादा बड़ा विषय बनाकर भरत तिवारी के विषय पर सभी बोलना शुरू कर चुके हैं। यह साफ दर्शा रहा है कि नेतृत्व किसी को स्वीकार नहीं है वरना भाजपा की परंपरा में इस तरह के सवाल कभी खड़े नहीं किए जाते। विजय कुमार सिन्हा जी ने तो यहां तक स्वीकार कर लिया कि जो चार पुलिसकर्मी सस्पेंड किए गए हैं, यह दर्शाता है कि सरकार इस दिशा में आगे बढ़ रही

ऋतुराज सिन्हा

विजय कुमार सिन्हा

आनंद मिश्रा

राकेश रंजन

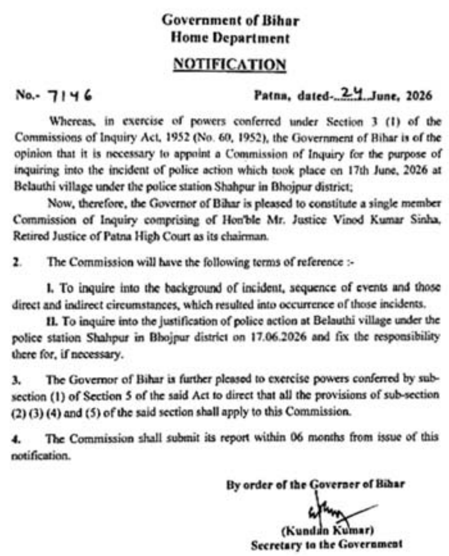

Government of Bihar
Home Department

NOTIFICATION

No.- 7146   Patna, dated-24 June, 2026

Whereas, in exercise of powers conferred under Section 3 (1) of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (No. 60, 1952), the Government of Bihar is of the opinion that it is necessary to appoint a Commission of Inquiry for the purpose of inquiring into the incident of police action which took place on 17th June, 2026 at Belauthi village under the police station Shahpur in Bhojpur district;

Now, therefore, the Governor of Bihar is pleased to constitute a single member Commission of Inquiry comprising of Hon'ble Mr. Justice Vinod Kumar Sinha, Retired Justice of Patna High Court as its chairman.

2. The Commission will have the following terms of reference :-

I. To inquire into the background of incident, sequence of events and those direct and indirect circumstances, which resulted into occurrence of those incidents.

II. To inquire into the justification of police action at Belauthi village under the police station Shahpur in Bhojpur district on 17.06.2026 and fix the responsibility there for, if necessary.

3. The Governor of Bihar is further pleased to exercise powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the said Act to direct that all the provisions of sub-section (2) (3) (4) and (5) of the said section shall apply to this Commission.

4. The Commission shall submit its report within 06 months from issue of this notification.

By order of the Governer of Bihar

(Kundan Kumar)
Secretary to the Government

प्रेस विज्ञप्ति
सोशल मीडिया कोषांग
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय,भोजपुर (आरा)
दिनांक-23.06.2026

(शाहपुर थाना)

शाहपुर थानांतर्गत घटित पुलिस मुठभेड़ से संबंधित घटना के संदर्भ में मृतक की माता द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर शाहपुर थाना कांड संख्या-178/26, दिनांक 22.06.2026 दर्ज किया गया है। उक्त कांड में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जगदीशपुर, तत्कालीन शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य सहयोगी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। कांड अनुसंधान अंतर्गत है।

बिहार पुलिस
जन विश्वास संकल्प हमारा

FOLLOW US

है कि सरकार मान के चल रही है कि चीजें गलत हुई हैं। विपक्ष के नेताओं का बयान सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाला है, जिसमें सबसे बड़ा नाम आरजेडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका भारती का है। प्रियंका भारती ने तो फेसबुक पर लिखकर के यह तक कह दिया कि अगर सम्राट चौधरी कह रहे हैं कि अपराधियों का एनकाउंटर होगा, हर अपराधी ठोका जाएगा और अपराधियों को बिहार छोड़ देना चाहिए तो अपने अपराधिक इतिहास के बारे में वह क्या सोचते हैं, यह भी उन्हें एक बार आकर क्लीरीफाई कर देना चाहिए। केवल इतना ही नहीं है विपक्ष के तमाम नेताओं ने सवाल खड़े किए हो, चाहे भोजपुर के सांसद हों, सुदामा प्रसाद या फिर अन्य नेताओं ने भी अलग प्रकार के सवाल खड़े किए हैं। सवाल तो सबसे बड़ा यह खड़ा होता है कि सत्ता से विद्रोह लेने वाले हर व्यक्ति को अगर ऐसे ही ठोक दिया जाएगा तो फिर क्या इस देश के लोकतंत्र को समाप्त कर देने का समय आ गया है। तमाम नेताओं ने इन्हें शहीद का दर्जा देने की मांग की है।

भरत तिवारी हत्याकांड को कई दिन बीत चुके हैं। आज की तारीख में स्थिति यह है कि भारत के दो केंद्रीय मंत्रियों का दो अलग-अलग बयान इस देश में जारी हो चुका है। चिराग पासवान बिलौटी गांव पहुंचे। उन्होंने कहा कि दोषियों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। परंतु बिल्कुल उलट जब आप एक तरफ देखेंगे तो वह भरत तिवारी, जिसके ऊपर कोई एफआईआर नहीं था, उनकी हत्या कर दी जाती है। पुलिस उसका नाम एनकाउंटर दे देती है। परंतु जिन पुलिसकर्मियों के ऊपर हत्या के आरोप में एफआईआर दर्ज हो चुका है, आज तक उनकी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। एसडीपीओ राजेश शर्मा, जो कि उस दौर में तत्कालीन एसडीपीओ हुआ करते थे, उनको प्रमोट करके मद्यनिषेध विभाग में डीएसपी बनाकर पटना में जगह दे दिया जाता है। अब आप सोचिए कि यह कितना बड़ा न्याय का मजाक है कि जिस व्यक्ति के ऊपर हत्या की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया और शायद आजाद भारत के इतिहास का सबसे चर्चित केस दर्ज कर लिया गया हो, वह आज खुले में घूम रहा है और जिसके ऊपर कोई केस दर्ज नहीं किया गया था उसकी हत्या कर दी गई। आज की तारीख में स्थिति बहुत उलट हो चुकी है। तमाम राजनीतिक महकमों में लोग भरत तिवारी को छोटा करने के लिए उनकी जातियों से आंकना शुरू कर चुके हैं। परंतु उन सबका मुंह बंद करने के लिए सबसे बड़ा उदाहरण तब साबित हुआ जब चिराग पासवान बिलौटी गांव पहुंचे और यह सोचने वाला विषय है कि भरत तिवारी ने काम कभी किसी तिवारी के लिए नहीं किया था। भरत तिवारी ने काम कभी किसी पांडेय के लिए नहीं किया था। भरत तिवारी ने काम कभी किसी शर्मा के लिए नहीं किया था। भरत तिवारी जवनिया गांव के जिन विस्थापितों के लिए काम कर रहे थे, वह उस तबके के लोग थे, जिसके प्रतिनिधि होने का दावा यही वर्तमान सरकार करती है। वह पिछड़े, अति पिछड़े और दलित समाज के लोग थे। लेकिन आज की तारीख में दलितों के नेताओं में ज्यादातर नेताओं ने बिहार में दुखी किया है। जब अपने बयान में भरत तिवारी को सिर्फ तिवारी बताया।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में निगरानी कर रहे सुप्रीम कोर्ट के वकील संजीव कुमार सिंह और निर्भया कांड के भी वही वकील थे और आरोपियों के खिलाफ अंतिम दम तक लड़ते रहे। निर्भया कांड ने देश को हिलाकर रख दिया था और फांसी की सजा दिलाकर ही ये माने। इस केस को भी वही टेकअप कर चुके हैं

और सबसे बड़ी बात है कि वो कह रहे हैं कि उनके पास पुख्ता सबूत है पुलिसवालों के खिलाफ और कोई भी पुलिसवाला बचेगा नहीं, सबको फांसी के फंदे तक पहुंचाएंगे। भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर पर गहन कवरेज करने वाले सिटी पोस्ट चैनल के प्रमुख एवं वरिष्ठ पत्रकार श्रीकांत प्रत्यूष के पास उपलब्ध एफआईआर कॉपी के माध्यम से जो जानकारी है, उसमें कहा गया है कि जो एफआईआर है उसमें 27 जून का पुलिस अधीक्षक कार्यालय, गोपनीय शाखा, जिला-भोजपुर, आरा का मुहर लगा है। जिसमें बीएनएसएस की धारा 173 के तहत केस दर्ज किया गया है। यह केस शाहपुर थाने में दर्ज किया गया है। एफआईआर नंबर है-5124023260178 और तारीख-22/06/2026 को एफआईआर लिखवाने की दर्ज है। इसमें अभियुक्त बनाया गया है, धाराएं अभी नहीं लगाई गई हैं। अनुसंधान के बाद धाराएं लगाई जाएंगी और एफआईआर के अनुसार इसमें थानेदार और डीएसपी को अभियुक्त बनाया गया है, साथ ही अन्य बाकी जो पुलिसकर्मी सहयोगी पुलिसकर्मी थे उन सबको भी अभियुक्त बनाया गया है। भरत के पिता ने आरोप लगाया था कि उनके बेटे के हथियार डाल देने के बाद उसे मारा गया है। एफआईआर आशा देवी (भरत की माँ) ने दर्ज करवाई है जिसका एफआईआर नं.-178/26 है। एफआईआर में तमाम जानकारी है और अब ये एफआईआर आरा कोर्ट में भी पहुंच चुका है। भरत के परिजन सवाल उठा रहे हैं कि अभी तक पुलिसकर्मियों के खिलाफ गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। मंत्री अशोक चौधरी गए थे तो कह रहे थे कि भाई वो सरकारी ड्यूटी पर थे। वो सरकारी कर्मचारी अधिकारी हैं तो जब तक आरोप सामने नहीं आ जाता है, साबित नहीं होता है तब तक उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई नहीं की जा सकती। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता का कहना है कि जिस अपराध, जो संज्ञेय अपराध, जिस संज्ञेय अपराध में सात साल से ज्यादा के सजा का प्रावधान हो उसमें सीजेआई और राष्ट्रपति को छोड़कर किसी को भी राहत नहीं दी गई है। यानी संज्ञेय अपराध है, सात साल से ज्यादा की सजा है तो उसमें तुरंत गिरफ्तारी होनी चाहिए, तो वकील का कहना है कि अगर पुलिस तुरंत गिरफ्तार नहीं करती है आरोपी पुलिसकर्मियों को, तो वो आरा कोर्ट में गिरफ्तारी के लिए वारंट की मांग करते हुए वो केस करेंगे।

अब सुप्रीम कोर्ट के वकील आरा पहुंचने वाले हैं क्योंकि उनका कहना है कि जो दोषी पुलिसकर्मी हैं उनकी गिरफ्तारी नहीं हो रही है। अगर अगले दो तीन दिनों में गिरफ्तारी नहीं हुई तो दिल्ली से आरा आएंगे और भरत के परिजनों ने फोन भी की है वकील से और कहा है कि आप ही एक आखिरी उम्मीद हैं। आप आइए और पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करिए। अधिवक्ता सुनील ने जो दावा किया है कि उनके पास पुख्ता सबूत है तो अब ऐसे में तो लग रहा है कि इन पुलिसवालों का बचना बिल्कुल ही मुश्किल है। राष्ट्रपति भवन से भी उनका बहुत अच्छा

संबंध है और राष्ट्रपति भवन में उन्होंने ही लिखा था पत्र राष्ट्रपति भवन को और उनके पत्र पर ही राष्ट्रपति भवन ने संज्ञान भी लिया और लगातार राष्ट्रपति भवन से मॉनेटरिंग की जा रही है। अब केवल यह सरकार के हाथ की बात नहीं है और पुलिस के हाथ की बात नहीं है। केवल न्यायिक जांच ही नहीं हो रहा है बल्कि राष्ट्रपति भवन के हस्तक्षेप के बाद अब प्रशासनिक स्तर पर जो मुख्य सचिव से लेकर डीजीपी सब इंवॉल्व हो गए हैं इस जांच में। राष्ट्रपति भवन से मुख्य सचिव को निर्देश हो चुका है तो लगातार जो अधिवक्ता हैं वो आरा डीएम के संपर्क में हैं, मुख्य सचिव के संपर्क में हैं। आरा डीएम के साथ मुख्य सचिव विडियो काँफ्रेंसिंग भी कर चुके हैं और एसडीएम से पूछताछ भी कर चुके हैं। जगदीशपुर एसडीएम संजीत कुमार का एफआईआर में नाम नहीं है। लेकिन परिजन तो एसडीएम की भूमिका पर ही सवाल उठा रहे हैं। यह भी सवाल उठा रहे हैं कि एनकाउंटर हुआ उस समय जगदीशपुर एसडीएम संजीत कुमार वहां क्या कर रहे थे? क्योंकि एसडीएम की तैनाती तो तभी होती है जब लगता है कि कहीं भीड़भाड़ है, बहुत लॉ एण्ड ऑर्डर की समस्या है। यहां तो एक नौजवान को पकड़ना था जो हथियार लहरा रहा था। तो यहां तो एसडीएम संजीत कुमार की आधिकारिक तौर पर तैनाती ही नहीं गई थी। तो सवाल उठ रहा है कि क्यों थे एसडीएम वहां और उसी एसडीएम संजीत कुमार से भरत की लड़ाई भी चल रही थी। अब जो सूत्र बता रहे हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता बता रहे हैं कि अब बहुत जल्द डीएसपी के खिलाफ और एसडीएम के खिलाफ भी कार्रवाई होने वाली है। पहले तो वहां ज्यादा उम्मीद है कि वहां के आरा के डीएम, एसपी, एसडीएम सब बदले जाएंगे और एसडीएम के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। डीएसपी अभी तक जो निलंबित नहीं है, उत्पाद विभाग में उनकी पोस्टिंग हुई है। उनके निलंबन की कार्रवाई भी हो सकती है, तो अब बहुत तेजी से जांच आगे बढ़ रही है। सरकार हर स्तर पर, एक तरफ तो न्यायिक जांच का आदेश सरकार ने दे ही दिया है, वो जारी है। दूसरी तरफ प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाई आगे बढ़ रही है। परिजन तो एसडीएम पर आरोप लगा ही रहे थे और साथ-साथ यह भी कहा जा रहा है कि जो भरत तिवारी का मोबाइल था, उसमें बहुत सारे साक्ष्य थे। उसके बारे में अभी तक कोई अपडेट नहीं मिल पा रहा है।

एक तस्वीर पुलिसकर्मियों की भरत के परिजनों ने जारी की है। उसमें एक पुलिस अधिकारी के साथ एक बुलेट प्रूफ जैकेट में एक पुलिसवाला दिख रहा है और उसको देखकर ही भरत की भाभी चिल्ला रही है कि तुम मेरे घर में कैसे आ गए, तो उस पुलिसवाले की क्या भूमिका थी? भरत की भाभी क्यों चिल्ला रही है? उसका कहना है कि जब वो थाने पर गई थी, भरत के पिता को थाने पर बिठाकर इसी पुलिसकर्मी ने रोक कर रखा था। एक तरफ एनकाउंटर हो रहा था बेटे का और पिता को थाने में बिठाकर रखा गया था। उन्होंने कहा भी था कि मुझे बंधक बना लिया गया। जब भरत की भाभी के साथ इस पुलिस वाले ने बत्तमीजी करने की कोशिश की थी। उनके मोबाइल छीनने की कोशिश की थी और जब 18 तारीख को उनके घर पहुंचा, वो तो देखकर भड़क गई। तो बड़ा गंभीर आरोप है। कौन है पुलिसकर्मी और क्यों बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर के भरत के घर गया। अब लगातार सवाल उठ रहे हैं कि ये कौन पुलिसकर्मी है जिसको देखकर भरत के परिजन काफी डरे सहमे हुए हैं और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इसकी बहुत अहम भूमिका रही है एनकाउंटर में। तो अब जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगा, कई नाम सामने भी आएंगे।

अमिताभ कुमार दास

सम्राट चौधरी

मुकेश सहनी

भरत तिवारी के मोबाइल के बारे में कुछ पता चला? क्योंकि मोबाइल में बहुत सारे साक्ष्य होने की बात कही गई। बिल्कुल मोबाइल के बारे में तो उनके पिता, उनकी भाभी, उनके परिवार वाले सारे सवाल उठा रहे हैं कि भरत का मोबाइल कहां है। क्योंकि उस मोबाइल में उनका कहना है कि एसडीएम के खिलाफ, जिला प्रशासन के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं घोटाले के और उसी घोटाले के साक्ष्य के कारण ही भरत निशाने पर आए। सवाल तो अब ये भी उठने लगे हैं कि कुछ राजनेताओं के भी इसमें हाथ हो सकते हैं। क्योंकि जब भी जिला स्तर पर या प्रखंड स्तर पर कोई भ्रष्टाचार, कोई सरकारी योजना में भ्रष्टाचार होता है तो उसमें कहीं ना कहीं से नौकरशाहों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हो जाते हैं और इस बाढ़ कटाव पीड़ितों के लिए जो राशि दी गई है, जैसे गंगा पर बांध बनाने के लिए, उसके ठेकेदार से रंगदारी मांगने बीजेपी के नेता पहुंच गए थे। ठीक है ना! तो जनप्रतिनिधि जो इस इलाके के हैं, उनकी भूमिका भी संदेह के घेरे में है और भरत के परिजनों का कहना है कि अब जांच तो हो ही रही है, अब वो उनके नाम भी आगे करने वाले हैं। उनके नाम के खुलासा करने वाले हैं। जिन नेताओं के एसडीएम से सांठ-गांठ थे, जिन नेताओं का सह था एसडीएम को तो एसडीएम के खिलाफ अभी तक तो कोई कार्रवाई नहीं हुई है, लेकिन एसडीएम ठीक से ड्यूटी भी नहीं कर पा रहे हैं। उनको डर है, भय है, कब टंग जाएंगे, कब पकड़ा जाएंगे।

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले पर चर्चित आईपीएस अमिताभ कुमार दास का कहना है कि घर के परिजनों ने ऐलान किया है कि वो 9 जुलाई से आमरण अनशन पर बैठेंगे और उन्होंने पांच मांगों की सूची दी है, तो बाकी मांगे तो खैर ऐसे ही है कि सुरक्षा दीजिए और पारदर्शिता रखिए। मुख्य मांग है कि 8 जुलाई तक जितने भी नामजद अभियुक्त हैं, शाहपुर थाना कांड संख्या 178/26 में जो नामजद अभियुक्त हैं जैसे जगदीशपुर में जगदीशपुर के एसडीपीओ थे राजेश शर्मा, शाहपुर के एसएचओ राजेश मालाकार। इन सब की गिरफ्तारी हो। मुझे नहीं लगता है कि किसी की गिरफ्तारी होगी। अभी तो राजेश शर्मा की मद्य निषेध में तैनाती हो गई है। तो यह भी बात है कि अगर वो बैठ जाएंगी आमरण अनशन पर तब तो फिर वहां नेताओं का जुटान होने लगेगा और फिर बड़ी मतलब एक अजीब स्थिति आ जाएगी, सरकार के लिए और सरकार पर दबाव बढ़ता जाएगा। वही वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश शर्मा जो है वो 2007 में मुजफ्फरपुर में थाना प्रभारी था। उस समय में उनके ऊपर आरोप लगा था मनीष वर्मा और उनके दो दोस्त का फर्जी

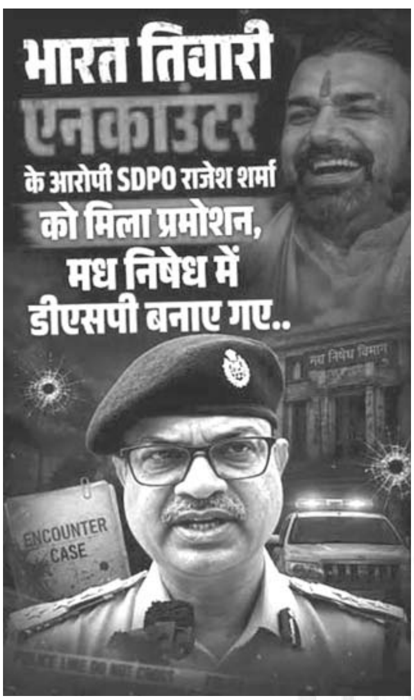

एनकाउंटर करने का। मानवाधिकार यह माना भी स्वीकार भी किया कि इन लोगों ने गलत किया। उन लोगों ने जुर्माना भी भरा। पांच-पांच लाख रुपया भी परिवार को दिया। आप उस समय में इनको अगर सस्पेंड कर देते, उनके ऊपर कार्रवाई कर देते तो आज वो डीएसपी नहीं रहता। उल्टा उनका प्रमोशन हुआ और वो आदमी जगदीशपुर एसडीपीओ बन कर उन्हीं के नेतृत्व में तिवारी जी का हत्या हुआ है और पैसा कमाने में बैठा हुआ है। दारू बेचवाने में बैठा हुआ है, होम डिलेवरी करवाने में थाना बैठा हुआ है। रात को दो बजे गाड़ी कहां खाली करना है। एक गाड़ी का डेढ़-डेढ़ लाख रुपया, सवा लाख रुपया लेता है। गाड़ी खाली कराने का 800 पेटी का, अगर गाड़ी है तो सवा लाख रुपया। 1200 पेटी का गाड़ी है तो डेढ़ लाख रुपया लेता। गाड़ी खाली कराने का। हमको पता है तो मुख्यमंत्री को क्यों नहीं पता है? डीजीपी साहब को क्यों नहीं पता है? तिवारी जी का फेक एनकाउंटर हुआ है।

अंत में खबर लिखने तक भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर में नामजद पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी नहीं हो पायी है। जांच चल रहे हैं, राष्ट्रपति भवन से दबाव बन रहा है, मुख्य सचिव को तलब किया जा रहा है किन्तु न्याय में देरी बनी हुई है जिससे भरत के परिजन चिंतित हैं। समाज के बीच अन्याय और भ्रष्टाचार करने वालों पर आवाज उठाने की बीड़ा जो भरत भूषण ने उठाया, उसे सबका सलाम है किंतु न्याय के लिए हथियार उठाना गलत था, किन्तु मरता क्या न करता वाली बात है तो भरत ने भी वही किया। उसके साथ छल हुआ, पुलिस ने उसे मार डाला और सभी न्याय की प्रतीक्षा में हैं और न्याय सही और जल्द से जल्द मिले क्योंकि, आने वाले वक्त में किसी भरत तिवारी को न्याय के लिए कट्टे का सहारा ना लेना पड़े। कलम की ताकत से ही न्याय मिलना शुरू हो जाए।●

पटना हाईकोर्ट को मिले सात जज

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मिनाक्षी मदन रॉय ने हाई कोर्ट के सात जजों को शताब्दी हॉल में शपथ दिलायी। जज रंजन कुमार झा, जज कुमार मनीष और जज राज कुमार को पटना हाई कोर्ट के जज के रूप में नियुक्त किया गया। न्यायाधीश राज कुमार पटना उच्च न्यायालय में दीवानी और फौजदारी मामलों के विशेषज्ञ हैं। इसके साथ ही अधिवक्ता राणा विक्रम सिंह, अधिवक्ता विकाश कुमार, अधिवक्ता गिरजेश कुमार और अधिवक्ता आलोक कुमार को पटना उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश की शपथ दिलाई गई। इनके जज की नियुक्ति की अधिसूचना भारत सरकार के कानून और न्याय

पटना के अंशुल राज पटना हाई कोर्ट में बने जज

न्यायमूर्ति अंशुल राज को जनवरी में पटना उच्च न्यायालय में नियुक्त किया गया है। आईएएस बनने का अवसर न मिलने पर उन्होंने वकालत की। उनकी पत्नी ने इंटरव्यू में बताया कि अब वह महिलाओं के मुद्दों को प्राथमिकता देंगे। उनके पिता योगेश चंद्र वर्मा पटना उच्च न्यायालय में एक जाने-माने वकील हैं। उनकी माता सुशीला सहाय इतिहास विभाग में विभागाध्यक्ष रह चुकी हैं। न्यायाधीश अंशुल राज ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सर गणेश दत्त पाटलिपुत्र हाई स्कूल से शुरू की। बाद में उन्होंने पटना साइंस कॉलेज में अध्ययन किया। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने मगध विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की। उनका लक्ष्य कानून की डिग्री लेने से पहले आईएएस बनना था। उन्होंने यूपीएससी के साक्षात्कार में दो बार भाग लिया, लेकिन वे उत्तीर्ण नहीं हो सके। उन्होंने बिहार बार काउंसिल में पंजीकरण कराने के बाद नई दिल्ली स्थित भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने पटना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नागेंद्र रॉय के मार्गदर्शन में अपने करियर की शुरुआत की। वहां, सर्वोच्च न्यायालय में उन्होंने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नागेंद्र रॉय के मार्गदर्शन में वकालत की तकनीकें सीखीं। वे 2009 में पटना उच्च न्यायालय में वकालत करने के लिए पटना आए थे। यहाँ उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा और अरविंद उज्ज्वल के मार्गदर्शन में वकालत की। वह बचपन से ही बहुत बुद्धिमान, मिलनसार और न्यायप्रिय व्यक्ति रहे।

मंत्रालय द्वारा 10 जून को जारी की जा चुकी है। तीन नियमित जजों की नियुक्ति 15 जून को हुई। और चार अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति दो साल के लिए की जाएगी। इस

अवसर पर उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के सभी वकील, नव नियुक्त न्यायाधीशों के परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहें। अब न्यायाधीशों की संख्या 37 से बढ़ाकर 44 कर दी गई है। न्यायाधीश राजकुमार के पिता प्रेमशंकर सहाय पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे, जो 1976 से 1986 तक कार्यरत रहे। उन्हें उनके ऐतिहासिक निर्णयों के लिए आज भी याद किया जाता है। न्यायमूर्ति राज कुमार अत्यंत विनम्र, सामाजिक और विद्वान हैं। वे सामाजिक कार्यों में भी गहरी रुचि रखते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 216 के तहत भारत के राष्ट्रपति द्वारा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को नियुक्त किया जाता है।●

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

बड़े भाई जस्टिस किशोर कुमार मण्डल (रिटायर्ड जज, पटना हई कोर्ट) का 7 जुलाई 2023 को दु:खद देहांत हो गया था। वे 67 वर्ष के थे। वे स्व न्यायमूर्ति राजेश्वर प्रसाद मण्डल, पूर्व जस्टिस, पटना हाई कोर्ट के छोटे पुत्र थे और जमींदार मुरहो एस्टेट स्व भुवनेश्वरी प्रसाद मण्डल, पूर्व एमएलसी 1924, बिहार उड़ीसा विधान परिषद व अध्यक्ष, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, भागलपुर, 1932 से 1948, के पौत्र व बाबू रासबिहारी लाल मण्डल के प्रपौत्र थे। पटना हाईकोर्ट का जस्टिस (सेवानिवृत्त) किशोर कुमार मण्डल के स्मृति में फुल कोर्ट रेफरेंस। सोमवार 10 जुलाई 2023 को दिवंगत जस्टिस मण्डल के सम्मान में माननीय पटना हाईकोर्ट बन्द रखा गया। सम्पूर्ण हाई कोर्ट के सम्मिलित बैठक में पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस कृष्णन विनोद चन्द्रन ने सबसे पहले दिवंगत जस्टिस मण्डल को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) किशोर कुमार मंडल' का जन्म 22 जनवरी, 1956 को श्रीमती भाग्यमणि मंडल और न्यायमूर्ति राजेश्वर प्रसाद मंडल के चौथे और सबसे छोटे बेटे के रूप में बिहार के मधेपुरा जिले में पूर्व मुरहो एस्टेट के प्रतिष्ठित मंडल परिवार में हुआ था। जस्टिस मंडल स्वर्गीय भुवनेश्वरी प्रसाद मंडल के पोते थे, जो 1924 में बिहार उड़ीसा विधान परिषद के सदस्य थे और बाद में 1932 से 1948 में अपनी मृत्यु तक भागलपुर जिला बोर्ड के अध्यक्ष रहे। जस्टिस मंडल एक महान बाबू रासबिहारी लाल मंडल के परपोते थे। समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक सदस्य और एआईसीसी सदस्य थे और उन्होंने दिसंबर 1910 में अखिल भारतीय गोप जातीय महासभा का गठन भी किया था। मण्डल परिवार के अन्य सुविख्यात सदस्यों में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बीपी मंडल थे और स्वर्गीय सुरेश चंद्र यादव, पूर्व विधायक और स्वर्गीय रमेश चंद्र यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता न्यायमूर्ति मंडल के चाचा थे। मधेपुरा के प्रख्यात चिकित्सक डॉ अरुण कुमार मंडल, ई सुधीर मंडल और शेखर मंडल, (दोनों संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्यरत) जस्टिस मंडल के बड़े भाई हैं। न्यायमूर्ति मंडल ने वर्ष 1980 में पटना उच्च न्यायालय में बार में शामिल होकर अपना कानूनी करियर शुरू किया। उन्हें जल्द ही कई सरकारी पैनलों में नियुक्त किया गया और उन्होंने सरकार की ओर से उन्हें दिए गए अधिकांश कार्यों में अनुकूल आदेश और निर्णय प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत की। बाद में उन्हें सरकारी वकील (जीपी) के रूप में नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति मंडल को दिसंबर, 2004 में वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया था। उन्हें भारतीय रेलवे के लिए वरिष्ठ वकील के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। वर्ष 2004 में उन्हें निर्विरोध रूप से पटना हाई कोर्ट बार एसोसिएशन का उपाध्यक्ष चुना गया। पटना उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के बाद, उन्होंने 10.07.2007 को पद की शपथ ली। और 7 जुलाई 2009 को इसकी पुष्टि की गई। न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान

न्यायमूर्ति मंडल कई प्रशासनिक समितियों से जुड़े रहे। वह बिहार न्यायिक अकादमी के कार्यकारी अध्यक्ष भी थे। वे 21 जनवरी, 2018 को पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद से सेवानिवृत्त हुए। राज्य सरकार ने उन्हें राज्य अपीलीय प्राधिकार, पटना के अध्यक्ष (न्यायिक) के रूप में नियुक्त किया, जिस पर वे 21 फरवरी, 2018 को शामिल हुए। न्यायमूर्ति मंडल को 20.6.2023 को कुछ बुखार हो गया था। उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सुधार न होने पर उन्हें 1 जुलाई, 2023 को एयर एम्बुलेंस द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलीरी साइंसेज, नई दिल्ली ले जाना पड़ा। उनकी स्थिति में वहाँ भी सुधार नहीं हो सका और 7 जुलाई, 2023 को सुबह 7.40 बजे अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती मीनू मंडल, दो बेटियां रितु मंडल और रुचि मंडल और एक बेटा हर्ष मंडल हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शान्ति दें। ●

पत्रकार संघ की बैठक में पत्रकार कोष बनाने का निर्णय

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

मसौढ़ी पत्रकार संघ की बैठक में अध्यक्ष पत्रकार पंकज कुमार ने पत्रकारों के कल्याण और संगठन के विस्तार के लिए कई फैसले लिए। इस मीटिंग में राजेश कुमार सोनू, अरुण कुमार, शशि तुलस्यान, अरविंद कुमार और अजय कुमार बब्लू रहे। प्रत्येक पत्रकार ने 11 पुण्यतिथि पर दिवंगत पत्रकार अविनाश कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकार अविनाश कुमार की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। यूनियन की इस बैठक में पत्रकारों के कल्याण कोष बनाने का निर्णय लिया गया ताकि आपातकालीन स्थिति में जरूरतमंद पत्रकारों की मदद की जा सके। राशि संयुक्त खाते में जमा की जाएगी जिससे भविष्य में पत्रकारों की मदद की जा सके। यूनियन के फैसले में तो नए पत्रकारों को जोरा जाएगा जो यूनियन का नियमावली है। ●

झुके पोल और अर्धनिर्मित पुल
सरकारी उदासीनता के शिकार

● **मनोज कुमार गोस्वामी**

बिहार बदल रहा है, विकास के आयाम लिख रहा है, सड़के बन रही है, पुल बन रहे हैं! ये हकीकत है कि प्रदेश समेत राजधानी की तस्वीर को अगर देखे तो बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा। यह हकीकत पुराने बिहार और राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों के मुंह पर तमाचा मारते विकास की ओर अग्रसर है, किन्तु विकास के बयार में कई ऐसे भी क्षेत्र हैं जहां विकास ही समस्या बनकर खड़ी हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अथक प्रयास का नतीजा है कि हम एक राज्य से दूसरे राज्य और एक शहर से दूसरे शहर कम समयों में सुगमता से पहुंच रहे हैं पर सड़कों और पुलों के निर्माण जिस प्रकार से हो रहे हैं, उसकी गति काफी धीमी है। नतीजा यह है कि क्षेत्र अवरूद्ध हो रहे हैं, अतिक्रमण फैल रहा है और सड़कें जर्जर हो रही है। सबसे दिलचस्प है कि इनपर किसी भी सरकारी बाबू का ध्यान नहीं है। हम अपने लेख के माध्यम से सरकारी बाबू का ध्यान थोड़ा आकृष्ट कराना चाहेंगे। चले आइए राजधानी पटना से महज 30 किलोमीटर की दूरी पर मसौढ़ी अनुमंडल में। यहां प्रवेश के साथ ही गंभीर अतिक्रमण वर्षों से देखने को मिलता आया है। अतिक्रमण से यातायात घंटों-घंटो बाधित रहता था और आज भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलता है। गौरतलब है कि सोने पर सुहागा वाली बात निर्माणाधीन पुल कर दे रहे हैं। ज्ञात हो कि वर्ष 2023 से पुल बनना शुरू हुआ और आज इनके तीन वर्ष हो चुके, फिर भी निर्माण अधूरा ही है। यह पुल और सड़के जो आगे पटना से पालीगंज को जोड़ती है, दुर्भाग्य है कि अब तक पूरी न हो सकी। इसके साथ ही संकरी सड़क के बीचो-बीच बनी पुल ने अपना आकार घेर रखा है और उसी से सटे बीजली का पोल कल तक जो अपने स्थान पर सीधा खड़ा था, अब टेढ़ा होकर गिरने की घड़ी गिन रहा है। हालात ऐसे हैं कि आये दिन यहां दुर्घटनाएं इसी बिजली के पोल के कारण होती रहती है पर सरकारी बाबू को तनिक भी चिंता नहीं इस बात की, वह तो बस इंतजार कर रहे किसी बड़े दुर्घटना की। जब बड़ी दुर्घटना होगी तो जनता हल्ला हो करेगी और इसकी आवाज सरकार तक पहुंचेगी। फिर सरकारी बाबूओं पर गाज गिरेगी, फटकार लगेंगे तब जाकर यह गिरता पोल सीधा हो जायेगा और सड़के तथा पुल धड़ाधड़ बनकर इसपर चलने के लिए तैयार हो जायेगा। बहरहाल, वर्तमान हालात पर गौर फरमाये तो यहां के व्यवसायी इस समस्या से कराह रहे हैं और इनकी सुनने वाला कोई नहीं। सरकारी बाबू जरा इस तस्वीर को देखिए और तब कहिए की क्या इसका सुधार तुरंत जरूरी नहीं हैं? क्या बड़े दुर्घटना का होना जरूरी है? जान-माल की क्षति जरूरी है? अगर नहीं तो मसौढ़ी बाजार के इस बिजली के पोल की समस्या और पुल निर्माण को गंभीरता से समझकर अतिशीघ्र इसका समाधान निकाले।●

सुडीहा गांव का नक्शा का फ्रेम सड़-गल गया, जिम्मेदार कौन?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि 'खतियान और नक्शा आकाश निगल गया या पाताल?' भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बिहार की भूमि अभिलेख व्यवस्था पर तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि यदि राज्य के 9334 गाँवों के खतियान और अनेक गाँवों के मूल नक्शे गायब हो गए हैं, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों के साथ गंभीर खिलवाड़ है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आखिर खतियान और नक्शे आकाश निगल गया या पाताल? वर्षों से सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों पर थी, उनकी जवाबदेही आखिर कौन तय करेगा?

डॉ. पटेल ने कहा कि फतुहा प्रखंड के सुडीहा गाँव का नक्शा उपलब्ध नहीं होने की शिकायत मिलने पर उन्होंने स्वयं गुलजारबाग सर्वे कार्यालय जाकर जानकारी ली। वहां के अधिकारियों ने बताया कि अंग्रेज के समय नक्शों का स्टील फ्रेम में सुरक्षित रखकर समय-समय पर ग्रीस लगाया जाता था, जिससे वे वर्षों तक सुरक्षित रहते थे। लेकिन बाद के वर्षों में यह

व्यवस्था बंद हो गई। परिणाम यह हुआ कि फ्रेमों में जंग लग गया और अनेक मूल नक्शे नष्ट हो गए। अधिकारियों के अनुसार लगभग 60-62 गाँवों के नक्शे पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने पूछा कि अब इन गाँवों का नक्शा कैसे तैयार होगा, तो जवाब मिला-'हेलीकॉप्टर से बनेगा।' डॉ. पटेल ने कहा कि यह उत्तर किसी गंभीर प्रशासनिक अधिकारी का नहीं, बल्कि जनता की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा प्रतीत होता है। जिन दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपये की जमीन का स्वामित्व तय होता है, उनके नष्ट होने पर यदि प्रशासन संवेदनशील नहीं होगा, तो आम नागरिक न्याय के लिए कहाँ जाएगा? डॉ. पटेल ने आरोप लगाया कि आम लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि खतियानों और अभिलेखों की सुरक्षा में घोर लापरवाही बरती गई है। यदि महत्वपूर्ण अभिलेख गायब हो जाएँ, तो भविष्य में विवादों और भ्रष्टाचार की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लगभग 30-35 वर्ष पहले पूरे बिहार में पुनः भूमि सर्वे कर नए नक्शे तैयार किए गए थे, लेकिन आज भी अनेक स्थानों पर वे अंतिम रूप नहीं ले सके या विभिन्न कारणों से निरस्त हो गए। इससे आम लोगों को जमीन की खरीद-बिक्री, दाखिल-खारिज, सीमांकन और न्यायालयी मामलों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने सरकार से मांग की कि गायब खतियानों और नष्ट हुए नक्शों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, सभी भूमि अभिलेखों का शीघ्र डिजिटलीकरण किया जाए, दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो तथा जिन गाँवों के नक्शे नष्ट हो चुके हैं, उनके पुनर्निर्माण की समयबद्ध योजना घोषित की जाए। उन्होंने कहा कि भूमि अभिलेख किसी राज्य की प्रशासनिक रीढ़ होते हैं। यदि वही सुरक्षित नहीं हैं, तो सुशासन के दावे केवल भाषणों तक सीमित रह जाते हैं।●

न्याय सिर्फ अमीरों के लिए नहीं, आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना ही असली अदालत : सीजेआई

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

प्रधान न्यायाधीस ने कहा लोकतंत्र में न्यायपालिका अंतिम उम्मीद होती है। इसलिए जनता का भरोसा बनाए रखना सबसे जरूरी है। सामाजिक कार्यकर्ता करिश्मा पटेल ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) द्वारा व्यक्त उस विचार का स्वागत किया है, जिसमें कहा गया है कि न्याय तभी सार्थक है जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह सोंच भारतीय संविधान की मूल भावना तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है। करिश्मा पटेल ने कहा कि किसी भी न्याय व्यवस्था की सफलता केवल बड़े मामलों के निपटारे से नहीं आंकी जा सकती, बल्कि इस बात से तय होती है कि गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं, दलित, पिछड़े और समाज के कमजोर वर्गों को कितनी आसानी और समयबद्ध तरीके से न्याय मिल रहा है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति न्याय से वंचित रह जाता है, तो न्याय व्यवस्था का वास्तविक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता और न्याय का अधिकार प्रदान करता है। इसलिए न्याय भी बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। अदालतों का दायित्व केवल कानून की व्याख्या और

प्रक्रियाओं का पालन करना नहीं है, बल्कि आम जनता के विश्वास को मजबूत बनाए रखना भी है। जब लोगों को सस्ता, सुलभ और समय पर न्याय मिलेगा, तभी लोकतंत्र की जड़ें और अधिक मजबूत होंगी। करिश्मा पटेल ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और आम नागरिकों के अधिकारों की अंतिम संरक्षक भी है। ऐसे में न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने की दिशा में निरंतर सुधार और प्रयास आवश्यक हैं। तकनीक के उपयोग, लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे तथा गरीबों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने जैसे कदम न्याय को अधिक प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि सीजेआई का यह संदेश केवल न्यायपालिका के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और शासन व्यवस्था के लिए भी प्रेरणादायक है। यह विचार हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की वास्तविक सफलता तभी है, जब देश का सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति भी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए न्याय प्राप्त कर सके। यही संविधान निर्माताओं की भावना और सामाजिक न्याय का वास्तविक स्वरूप है।●

अपराध और भ्रष्टाचार पर मौन क्यों?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद स्पष्ट शब्दों में कहा था कि 'भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है और इसके खिलाफ पूरे देश को एकजुट होकर लड़ना होगा।' यह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि सुशासन और जवाबदेही का राष्ट्रीय संकल्प था। इसी संकल्प के बल पर देश की जनता ने बार-बार भाजपा को अपना समर्थन दिया। आज प्रश्न यह है कि क्या बिहार में भाजपा का संगठन उस संकल्प को धरातल पर उतारने में सफल हो रहा है? बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार की घटनाएं लगातार चर्चा का विषय बनती रही हैं। आम नागरिक सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही की अपेक्षा रखता है। ऐसे माहौल में संगठन की भूमिका केवल चुनावी तैयारी तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनहित के मुद्दों पर भी सक्रिय दिखनी चाहिए।

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आज बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर विषयों पर व्यापक जनजागरण और संगठनात्मक अभियान की आवश्यकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि

लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान भी इन विषयों पर अपेक्षित गंभीर चर्चा दिखाई नहीं देती। यदि संगठन जनता के बीच इन मुद्दों को मजबूती से उठाए, तो शासन-प्रशासन पर भी सकारात्मक दबाव बनेगा और जनता का विश्वास और मजबूत होगा ।बिहार के वरिष्ठ नेता नितीन नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने से कार्यकर्ताओं और आम लोगों में नई उम्मीद जगी है। लोगों को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा। अपेक्षा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वे संगठन को केवल चुनावी मशीनरी तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि अपराध, भ्रष्टाचार और जनहित के प्रश्नों पर भी राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन का स्वर देंगे। साथ ही प्रदेश, जिला और प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों को यह जिम्मेदारी देंगे कि वे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं और पात्र लोगों को उनका लाभ दिलाने का अभियान चलाएं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संगठनात्मक बैठकों का उद्देश्य केवल नारे लगाना, माल्यार्पण करना, स्वागत भाषण देना और फोटो खिंचवाना भर न रह जाए। यदि बैठकों में जनता की समस्याओं, भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष, अपराध नियंत्रण, गरीबों के अधिकार और केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर चर्चा नहीं होगी, तो संगठन की जनसरोकार वाली पहचान कमजोर पड़ सकती है। भाजपा का मूल चरित्र राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनभागीदारी का रहा है। इसलिए संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह जनता के बीच जाए, उनकी समस्याएं सुने, भ्रष्टाचार और अपराध के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाए तथा सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करे। यही प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प का वास्तविक सम्मान होगा और यही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति भी बनेगी।●

मंत्री दिलीप जायसवाल से मिलना आसान नहीं!

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता होती है और जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं को सुनने के लिए चुने जाते हैं। यदि जनता और कार्यकर्ताओं को अपने ही मंत्री से मिलने के लिए घंटों भटकना पड़े, तो यह व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई की सुबह बिहार के भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल के सरकारी आवास पर बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे थे। इनमें केवल आम नागरिक ही नहीं, बल्कि भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी शामिल थे। लोगों की अपेक्षा थी कि मंत्री उनकी बात सुनेंगे, लेकिन उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री आवास के बाहर मौजूद कर्मचारियों द्वारा लोगों को अलग-अलग निर्देश दिए जा रहे थे। पहले कहा गया कि भूमि विवाद से संबंधित लोग यहाँ नहीं मिलेंगे, फिर सूचना मिली कि मंत्री भाजपा कार्यालय में मिलेंगे। लोग दौड़ते, हांफते हुए वहां पहुंचे, लेकिन वहां भी लंबी प्रतीक्षा के बावजूद मुलाकात नहीं हो सकी।

डॉ. पटेल ने कहा कि सुबह से दोपहर तक बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, बुजुर्ग और दूर-दराज जिलों से आए लोग इंतजार करते रहे। उनके अनुसार कार्यालय परिसर में बैठने और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी समुचित प्रबंध नहीं था, जिससे लोगों को काफी असुविधा हुई। उनका कहना है कि कई लोग सीतामढ़ी, बक्सर, नालंदा, मुजफ्फरपुर, जमुई, गया और जहानाबाद जैसे जिलों से आए थे और घंटों इंतजार के बाद उन्हें बताया गया कि अगली मुलाकात अगले बुधवार को होगी। उन्होंने कहा कि यदि जनता को अपनी बात रखने के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ें और अंततः निराश होकर लौटना पड़े, तो इससे सरकार और संगठन दोनों की छवि प्रभावित होती है। जनता यह उम्मीद करती है कि उसके प्रतिनिधि सहज, सुलभ और संवेदनशील होंगे। डॉ. पटेल ने आग्रह किया कि मंत्रियों के जनता दरबार और मुलाकात की व्यवस्था पारदर्शी एवं व्यवस्थित होनी चाहिए। लोगों के लिए समय की स्पष्ट जानकारी, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि दूर-दराज से आने वाले नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का सम्मान केवल भाषणों से नहीं, बल्कि व्यवहार से दिखाई देता है। जनप्रतिनिधियों की उपलब्धता और संवेदनशीलता ही जनता के विश्वास को मजबूत करती है। यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो लोगों में असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है।●

नाम सुनकर अपराधियों के कांप जाते थे हाड़

उन्हें आग बुझाने की मिली है जिम्मेदारी

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि किसी भी राज्य की सबसे बड़ी पूंजी उसकी ईमानदार, निर्भीकता और अनुशासनप्रिय, प्रशासनिक व्यवस्था होती है। ऐसे अधिकारियों की पहचान उनकी कुर्सी से नहीं, बल्कि उनके फैसलों और कार्यशैली से होती है। बिहार की वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शोभा अहोतकर का नाम उन्हीं अधिकारियों में लिया जाता है, जिनके नाम से अपराधियों के हौसले पस्त हो जाते थे और पुलिस महकमे में अनुशासन की मिसाल कायम होती थी। उन्होंने कहा कि शोभा अहोतकर को 'हंटर वाली आईपीएस अधिकारी' के नाम से पहचान मिली। उनकी कार्यशैली स्पष्ट थी, कर्तव्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं और कानून से ऊपर कोई नहीं। यही कारण था कि उन्होंने प्रभावशाली लोगों के विरुद्ध भी कार्रवाई करने से कभी परहेज नहीं किया। जब उन्होंने 15 सांसदों और विधायकों तक के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल कराई, तब पूरे प्रशासनिक तंत्र में उनकी निष्पक्षता और साहस की चर्चा हुई। उन्होंने विभिन्न जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में अपराध नियंत्रण और प्रशासनिक अनुशासन

की अलग पहचान बनाई।

डॉ. पटेल ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी सख्त और अनुभवी अधिकारी की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो सका। यदि कोई अधिकारी अपराधियों में भय और आम जनता में विश्वास पैदा करने की क्षमता रखता हो, तो उसकी विशेषज्ञता का लाभ राज्य को लंबे समय तक मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, जब बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठते हैं, अनुभवी अधिकारियों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को केवल औपचारिक सेवानिवृत्ति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जनहित को प्राथमिकता देते हुए ऐसे अधिकारियों के अनुभव का उपयोग करने के विकल्पों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। डॉ. पटेल ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से आग्रह किया कि यदि संवैधानिक एवं सेवा नियमों के अनुरूप संभव हो, तो शोभा अहोतकर को दो वर्ष का सेवा विस्तार देकर बिहार का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त करने पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता केवल पद भरने की नहीं, बल्कि ऐसी नेतृत्व क्षमता की है जो अपराधियों में कानून का भय और जनता में सुरक्षा का विश्वास पैदा कर सके। बिहार को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव से ऊपर उठकर निष्पक्षता, अनुशासन और कठोर कानून-पालन की परंपरा को मजबूत करे। डॉ. पटेल ने अंत में कहा कि इतिहास उन्हीं अधिकारियों को याद रखता है, जो सत्ता की सुविधा नहीं बल्कि कानून की प्रतिष्ठा के लिए काम करते हैं। शोभा अहोतकर जैसी अधिकारियों का अनुभव बिहार के लिए एक धरोहर है?●

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भव्य योग शिविर का आयोजन

● **श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्री गोवर्धन कृष्ण रुक्मिणी दिव्य धाम, राजा बिगहा में भव्य योग शिविर एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुषों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन अरविन्द सिंह यादव आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बालकृष्ण (धनरूआ) के संस्थापक श्री अरविन्द कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित एवं फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन एवं संतुलित जीवन का आधार है। नियमित योग करने से अनेक शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों से बचाव संभव है तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। आयोजित योग सत्र में प्रतिभागियों को

विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधि यों का अभ्यास कराया गया। उपस्थित लोगों ने योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्य प्रो० सरयुग प्रसाद, संजय कुमार, डॉ. नागेश्वर कुमार, रणधीर कुमार, नागेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, अंटू प्रसाद, रंजय कुमार, राजेश कुमार, रजनीश कुमार, सूरज कुमार, शिवम कुमार, शुभम कुमार, राजनंदन प्रसाद, शिवनंदन प्रसाद, जयनंदन प्रसाद, सुदर्शन प्रसाद, अर्जुन, सूरज, आदित्य रंजन, गुड्डू,मौसम, दर्शन,आयुष, राजा, पिन्टू राजीव रंजन, चन्दन, संतोष, अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी ने कार्यक्रम की विधि-व्यवस्था, प्रतिभागियों के मार्गदर्शन एवं आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन 'करें योग, रहें निरोग' के संदेश एवं स्वस्थ जीवन के संकल्प के साथ हुआ।●

राजेंद्र नगर नेत्र अस्पताल में आधुनिक लेसिक सर्जरी

अब चश्मे से होगी छुट्टी

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा नेत्री करिश्मा पटेल ने कहा कि बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल है कि राजधानी पटना स्थित राजेंद्र नगर नेत्र अस्पताल में अत्याधुनिक स्माइल प्रो (SMILE Pro) लेसिक सर्जरी की सुविधा जल्द शुरू होने जा रही है। यह तकनीक उन लाखों लोगों के लिए नई उम्मीद लेकर आएगी, जो वर्षों से चश्मा या कॉन्टैक्ट लेंस पहनने को मजबूर हैं। आधुनिक लेजर तकनीक के माध्यम से मरीजों की दृष्टि को इस प्रकार सुधारा जाएगा कि उन्हें चश्मे की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो सकती है। अस्पताल प्रशासन ने इस तकनीक के लिए आवश्यक आधुनिक मशीनों की स्थापना का प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग को भेज दिया है। मशीन लगने के बाद बिहार के लोगों को इस सुविधा के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

☞ **क्या है स्माइल प्रो लेसिक सर्जरी? :-** स्माइल प्रो (Small Incision Lenticule Eñtraction) दुनिया की सबसे आधुनिक लेजर आधारित नेत्र सर्जरी तकनीकों में से एक है। इसमें कॉर्निया पर बड़ा फ्लैप बनाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। लेजर की सहायता से कॉर्निया के भीतर एक पतली परत निकालकर आंखों का नंबर ठीक किया जाता है। इससे सर्जरी अधिक सुरक्षित, कम दर्द वाली और शीघ्र रिकवरी वाली मानी जाती है।

☞ **सर्जरी के प्रमुख लाभ :-** इस आधुनिक तकनीक के कई महत्वपूर्ण लाभ हैं। सर्जरी के दौरान दर्द बहुत कम होता है और मरीज कुछ ही घंटों में सामान्य गतिविधियां शुरू कर सकता है। अधिकांश लोगों की दृष्टि सर्जरी के तुरंत बाद या अगले दिन काफी बेहतर हो जाती है। फ्लैप न बनने के कारण संक्रमण और अन्य जटिलताओं का खतरा भी अपेक्षाकृत कम रहता है। इसके अलावा आंखों के सूखने की समस्या भी पारंपरिक लेसिक की तुलना में कम देखने को मिलती है।

☞ **किन लोगों के लिए उपयुक्त है यह सर्जरी? :-** यह सर्जरी मुख्य रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जिनकी आयु सामान्यतः 18 वर्ष से अधिक हो, पिछले एक वर्ष से आंखों का नंबर स्थिर हो तथा आंखों का कॉर्निया स्वस्थ और पर्याप्त मोटाई वाला हो। जिन लोगों को निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) या कुछ मामलों में दृष्टिदोष (एस्टिग्मैटिज्म) है, वे विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह के बाद इस सर्जरी का लाभ उठा सकते हैं।

☞ **किन लोगों को नहीं करानी चाहिए सर्जरी? :-** गर्भवती महिलाओं, अनियंत्रित मधुमेह, गंभीर ड्राई आई, कॉर्निया की बीमारी, मोतियाबिंद या ग्लूकोमा जैसी गंभीर आंखों की बीमारियों से पीड़ित मरीजों को पहले विशेषज्ञ चिकित्सक से विस्तृत जांच करानी चाहिए। जांच के बाद ही डॉक्टर यह तय करते हैं कि मरीज लेसिक सर्जरी के लिए उपयुक्त है या नहीं।

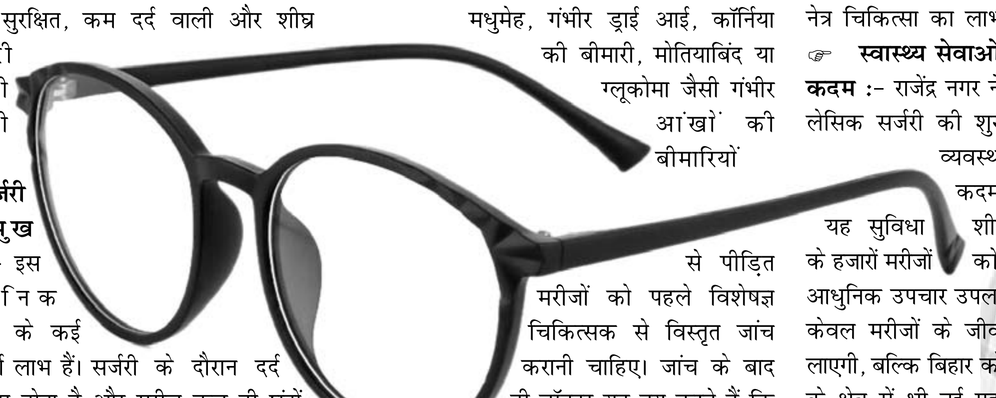

☞ **सर्जरी से पहले होगी विस्तृत जांच :-** सर्जरी से पहले मरीज की आंखों की कई आधुनिक जांच की जाती हैं। इनमें कॉर्निया की मोटाई, आंखों का नंबर, रेटिना की स्थिति, आंसुओं की गुणवत्ता तथा आंखों के संपूर्ण स्वास्थ्य का मूल्यांकन शामिल होता है। इन जांचों के आधार पर ही अंतिम निर्णय लिया जाता है कि सर्जरी सुरक्षित रहेगी या नहीं। बिहार के मरीजों को मिलेगा बड़ा लाभ अब तक अत्याधुनिक लेसिक सर्जरी के लिए बिहार के अनेक मरीजों को दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद या अन्य बड़े शहरों में जाना पड़ता था। राजेंद्र नगर नेत्र अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने के बाद प्रदेश के मरीजों को अपने राज्य में ही विश्वस्तरीय उपचार मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे आर्थिक बोझ भी कम होगा और अधिक से अधिक लोग आधुनिक नेत्र चिकित्सा का लाभ उठा सकेंगे।

☞ **स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम :-** राजेंद्र नगर नेत्र अस्पताल में स्माइल प्रो लेसिक सर्जरी की शुरुआत बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई ऊंचाई देने वाला कदम माना जा रहा है। यदि यह सुविधा शीघ्र शुरू होती है, तो राज्य के हजारों मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और आधुनिक उपचार उपलब्ध होगा। यह पहल न केवल मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाएगी, बल्कि बिहार को अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में भी नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।●

प्रधान सचिव दीपक कुमार सिंह ने दी सुनीधी को बधाई

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह/ रजनीकांत झा

जिले के रोह प्रखण्ड के सम्हरीगढ़ गाँव की सुनीधी को DY.SP बनकर गाँव प्रखण्ड जिला एवं राज्य का नाम रौशन किया। इनके सफलता पर मामा राज्यपाल के प्रधान सचिव दीपक कुमार सिंह, मामी वन विभाग की ACS हरजोत कौर ने दी सफलता की बधाई साथ ही इनके चाचा पूर्व I.A.S. कमीशनर चितरंजन सिंह ने दी ढ़ेरो सारी शुभकामनाएँ और कहा इनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरे समाज के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। पिता स्व0 सनातन सिंह एवं माता रंजु देवी ने पुत्री की सफलता पर इस पद पर अपने आपको काबिज किया। इनके माता-पिता दोनो पंचायत समिति सदस्य रहकर लबें समय तक जनसेवा कर चुकी है। सुनीधी मगध विश्वविद्यालय की P.G टॉपर रही। वर्तमान में पटना विश्वविद्यालय से च्भ्क् कर रही है। पिता नहीं रहने के कारण भी अपने हौसले बुलंद रखे। ग्रामीण परिवेश से निकलकर सुबे के उच्च पुलिस प्रशासनिक पद तक पहुँचने की यह कहानी क्षेत्र की अन्य छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी प्रेरणा बन गई है। उनकी इस उपलब्धि

पर जिले के जन प्रतिनिधियों शिक्षाविदो और स्थानीय लोगों ने घर पहुँचकर बधाई दी और उनका उज्जवल भविष्य की कामना की।

इधर इनके साथ समाज के अन्य लोगो का चयन 70वीं BPSC में हुआ। निहारिका वत्स चन्द्रवंशी (SDM), पिता पूर्व यातायात प्रभारी, कामेश्वर प्रसाद, निलेश चन्द्र (SDM), शशांक कुमार चन्द्रवंशी (जेल अधीक्षक), सोनाली चन्द्रा जेल अधीक्षक, अनमोल आरिशु (BES), योगेन्द्र नारायण चन्द्रवंशी (STAC), कुमारी मेघा सिंह (STAC), रिया राज चन्द्रवंशी (आसिस्टेंट रजिस्टार, को ऑपरेटिव सोसायटी), सुनील कुमार चन्द्रवंशी (SC/ST ऑफिसर), शशिकान्त चन्द्रा (SC/ST ऑफिसर), शशिकान्त सिंह (RO), संतोष कुमार (RO), राकेश कुमार सिंह (RDO), में इन सभी लोगों को शानदार सफलता पर समाज को गर्व है।

समाज के उत्कृष्ट सफलता पर बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार, राज्य सभा सांसद डॉ० भीम सिंह, पूर्व सांसद चन्द्रेश्वर चन्द्रवंशी, बिहार सरकार के मंत्री डॉ० प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी, MLA नागेन्द्र चन्द्रवंशी, DIG अशोक कुमार प्रसाद अभियान, S.P अनुपम कुमार, Dy.Sp घोसी अनुमंडल, कृति कमल पूर्व I.G., अरविन्द कुमार पूर्व I.G, विनोद कुमार के परिवार ने भी सफलता पर बधाई दी। साथ ही भाजपा OBC मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चन्द्रवंशी, RMW नवादा के प्राचार्य डॉ० विनोद कुमार, KLS नवादा के प्राचार्य शैलज कुमार, उच्च माध्यमिक विद्यालय ठेरा के प्राचार्य अमित कुमार एवं चाचा +2 शिक्षक चन्दन सिंह ने इनकी शानदार सफलता पर उज्जवल भविष्य की कामना की है।●

लक्ष्य के साथ ईमानदार प्रयास दिलाती है सफलता

● मनीष कमलिया

लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदार प्रयास एवं कठिन परिश्रम से आप सफलता के उच्च शिखर तक पहुंच सकते हैं। जिंदगी में सीखने की भूख जिस किसी के भीतर है,वे आज नहीं तो कल सफलता की मंजिल को जरूर पा लेंगे। उक्त बातें वारिसलीगंज के कोचगांव पंचायत की झौर गांव निवासी छोटे से किराना दुकान संचालक दयानंद लाल का पुत्र अनंत लाल ने कही। दो सप्ताह पहले प्रकाशित बीपीएससी 70 वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। परीक्षा में झौर गांव के अनंत लाल ने 159 रैक लाकर एसडीएम पद के लिए चयनित हुए है। मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे अनंत ने अपने दूसरे प्रयास में यह सफलता पाई है। अनंत की एकेडमी शिक्षा वारिसलीगंज के बीके साहू इंटर विद्यालय तथा एसएन सिन्हा कालेज से हुई है। पटना में अपने रुममेट सर्वेश कुमार के साथ रहकर सफलता की कहानी लिखी है। अनंत कहते है कि मेरी सफलता में सर्वेश का बड़ा योगदान रहा है। फिलहाल

अनंत यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी में जुटे है। सफलता की सूचना से परिवार समेत वारिसलीगंज क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा जा रहा है।

दूसरी ओर वारिसलीगंज उत्तर बाजार के दुर्गा स्थान निवासी किराना दुकानदार मुरारी प्रसाद का पुत्र आयुष राज ने कड़ी मेहनत के बल पर बीपीएससी 70 की परीक्षा में 844 वी रैक लाकर रेवेन्यू आफिसर के पद पर चयनित हुए है। बताया गया कि आयुष 2024 में यूपीएससी की परीक्षा में इंटरब्यू दिया था, लेकिन फाइनल सेलेक्शन नहीं हुई थी। आयुष के चयन से बाजारवासियों में व्यापक खुशी देखी जा रही है। अपने दोनो लाल की सफलता पर वारिसलीगंज के बुद्धिजीवी, पत्रकारो एवं जनप्रतिनिधि गौरवांवित महसूस कर रहे है। शिक्षाविद डा गोविंद जी तिवारी, मुखिया राजकुमार सिंह, पूर्व विधायक अरुणा देवी, बर्तमान बिधायिका कुमारी अनीता,समेत स्थानीय पत्रकार अशोक कुमार, उमाशंकर पाठक, सुजीत कुमार, मनीष कमलिया,मिथिलेश कुमार,शानू सिंह, सुबोध कुमार आदि ने दोनो सफल अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामना दिया है। बीपीएससी परीक्षा परिणाम बाद झौर समेत वारिसलीगंज उत्तर बाजार में खुशीनुमा माहौल में मिठाई बांटी गई। वही वारिसलीगंज के युवाओ ने गुलाल उड़ा एवं पटाखे फोड़कर एक साथ होली एवं दीपावली मनाया।●

एस.एन. सिन्हा कॉलेज के संस्थापक की प्रतिमा का भव्य अनावरण

● **मिथिलेश कुमार**

नवादा जिले के वारिसलीगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित मगध विश्व विद्यालय की एक मात्र अंगिभूत इकाई एस.एन. सिन्हा कॉलेज परिसर में संस्थापक, स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व विधायक श्यामसुंदर सिंह तथा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सत्येन्द्र नारायण सिन्हा की प्रतिमाओं का समारोहपूर्वक अनावरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में बिहार सरकार के उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री संजय सिंह टाइगर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि मगध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिलीप कुमार केसरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मंत्री संजय सिंह टाइगर ने कहा कि समाज को बदलने की क्षमता जिन लोगों में होती है, इतिहास उन्हीं को याद रखता है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी जो व्यक्ति समाज के लिए रास्ता निकालता है, वही आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विकास तभी संभव है जब जनता की सक्रिय सहभागिता हो। जिन महान विभूतियों ने समाज और शिक्षा के क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान दिया, उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करना हम सभी का कर्तव्य है।

मंत्री ने कहा कि कॉलेज परिसर में स्थापित दोनों प्रतिमाएं विद्यार्थियों और समाज को शिक्षा, सेवा और सामाजिक दायित्व के प्रति प्रेरित करती रहेंगी। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने शायराना अंदाज में कहा, "कल जहां कोई और था, आज वहां कोई और है, वह भी एक दौर था, अब भी एक दौर है।" कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने कॉलेज में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई शुरू कराने की मांग भी रखी। इस पर मंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा के विस्तार के लिए गंभीर है और आवश्यक पहल की जाएगी।

☞ **कुलपति ने संस्थापकों के योगदान को बताया अनुकरणीय** :- मगध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिलीप कुमार केसरी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सत्येन्द्र नारायण सिन्हा ने वर्ष 1962 में शिक्षा मंत्री रहते हुए मगध विश्वविद्यालय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हीं से प्रेरणा लेकर स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व विधायक श्यामसुंदर सिंह ने वारिसलीगंज सहित आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा का दीप जलाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि जिस समय जिले के अधिकांश क्षेत्रों में डिग्री कॉलेज नहीं थे, उस समय एस.एन. सिन्हा कॉलेज की स्थापना दूरदर्शी सोच का परिचायक थी। पीजी की पढ़ाई शुरू करने की मांग पर कुलपति ने जानकारी दी कि संबंधित प्रस्ताव उच्च शिक्षा विभाग को भेजा जा चुका है और सकारात्मक निर्णय की उम्मीद है।

☞ **प्राचार्य ने रखी शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग** :- कॉलेज के प्राचार्य डॉ. (प्रो०) रामचंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि कॉलेज में दोनों महान विभूतियों की प्रतिमाओं की स्थापना उनका लंबे समय से सपना था, जो आज साकार हुआ है। उन्होंने कॉलेज में शिक्षकों की भारी कमी का मुद्दा उठाते हुए बताया कि पहले कॉलेज में 17

एस.एन. सिन्हा कॉलेज को जमीन देने वाले कन्हाई लाल साहू की उपेक्षा पर उठे सवाल

वारिसलीगंज स्थित मगध विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित अंगीभूत संस्थान सत्येंद्र नारायण सिन्हा (एस.एन.) सिन्हा कॉलेज परिसर में कल महापुरुषों के सम्मान में प्रतिमा अनावरण सह स्मारिका विमोचन समारोह बेहद धूमधाम से संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि बिहार सरकार के उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री श्री संजय सिंह (टाइगर), विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक श्रीमती अनीता देवी और मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी की उपस्थिति में कॉलेज के नामकरण का आधार रहे पूर्व मुख्यमंत्री 'छोटे साहब' स्वर्गीय सत्येंद्र नारायण सिन्हा और कॉलेज की स्थापना करने वाले स्वतंत्रता सेनानी व पूर्व विधायक स्वर्गीय श्याम सुंदर सिंह की आदमकद प्रतिमाओं का अनावरण किया गया। इस गौरवमयी क्षण के बीच कॉलेज परिसर और सोशल मीडिया पर एक गंभीर चर्चा और असंतोष ने भी जन्म ले लिया है। समारोह के खत्म होते ही स्थानीय शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और कन्हाई लाल साहू के प्रशंसकों ने कॉलेज प्रशासन की मंशा पर सवाल दागने शुरू कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि जिस दानवीर परिवार की जमीन पर यह पूरा कॉलेज खड़ा है,

प्रतिमा अनावरण सूची से उनका नाम गायब रखना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

❖ **आखिर क्यों नहीं लगी कन्हाई लाल साहू की प्रतिमा? :-** कॉलेज प्रशासन और स्थानीय राजनीतिक जानकारों से मिली जानकारी के अनुसार, इस उपेक्षा के पीछे मुख्य रूप से दो कारण सामने आ रहे हैं :-

☞ कॉलेज के आधिकारिक रिकॉर्ड और स्थापना दस्तावेजों में स्वर्गीय श्याम सुंदर सिंह को मुख्य 'संस्थापक और सूत्रधार' (Founder) माना गया है, क्योंकि उन्होंने कॉलेज खोलने की पूरी कानूनी प्रक्रिया, कागजी कार्रवाई और भाग-दौड़ का नेतृत्व किया था। वहीं, तत्कालीन समय के नियमों के तहत संस्थान का नाम पूर्व मुख्यमंत्री सत्येंद्र नारायण सिन्हा के नाम पर रखा गया। इस तकनीकी व्यवस्था के कारण कॉलेज प्रबंधन का ध्यान केवल इन दो मुख्य चेहरों की प्रतिमाएं लगाने पर केंद्रित रहा।

☞ स्थानीय लोगों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने भूमिदाताओं को उपेक्षित किया गया,कन्हाई लाल साहू का परिवार हमेशा से निस्वार्थ दान में विश्वास रखता आया है, इसलिए उनकी तरफ से कभी किसी विशेष सम्मान या प्रतिमा के लिए कोई दावा नहीं किया गया। इसी खामोशी का फायदा उठाकर कॉलेज प्रशासन कन्हाई लाल साहू जी के इस ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित करना ही भूल गया।

समारोह के बाद वारिसलीगंज के कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और छात्र नेताओं ने कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. रामचंद्र प्रसाद सिंह को ज्ञापन सौंपने की बात कही है। समाज के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि 'यह सच है कि श्याम सुंदर सिंह जी ने इस कॉलेज को स्थापित करने के लिए भगीरथ प्रयास किए थे और सत्येंद्र बाबू का नाम इस कॉलेज का गौरव है... लेकिन जिस कन्हाई लाल साहू ने अपनी बेशकीमती एकड़ जमीन शिक्षा के मंदिर के लिए दान कर दी, उनकी प्रतिमा के बिना यह परिसर अधूरा है।' स्थानीय लोगों ने मांग की है कि कॉलेज प्रशासन अपनी इस बड़ी भूल को जल्द से जल्द सुधारे और परिसर के भीतर एक प्रमुख स्थान पर स्वर्गीय कन्हाई लाल साहू जी की भी भव्य प्रतिमा स्थापित की जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां महान भूमिदाता की उदारता से अवगत हो सकें।

शिक्षक थे, जिनमें से पांच शिक्षकों को नए डिग्री कॉलेजों का प्राचार्य बना दिया गया है। उन्होंने कुलपति से मांग की कि जब तक नए शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होती, तब तक यहां से किसी शिक्षक की प्रतिनियुक्ति नहीं की जाए।

☞ **जनप्रतिनिधियों ने भी रखीं महत्वपूर्ण मांगें :-** कार्यक्रम में विधायक अनिता देवी, पूर्व विधायक अरुणा देवी, पूर्व विधायक प्रदीप कुमार, जिला पार्षद गीता देवी, प्रखंड प्रमुख रवि देवी, संस्थापक सदस्य के पौत्र डॉ. कुमुद शर्मा तथा संरक्षक गंगा प्रसाद झा सहित कई गणमान्य लोगों ने कॉलेज में शिक्षकों की कमी दूर करने और पीजी की पढ़ाई शुरू कराने की मांग दोहराई। इस अवसर पर कुलपति, मंत्री तथा अन्य अतिथियों को कॉलेज परिवार की ओर से शॉल, बुके और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पूर्व

प्राचार्य डॉ. राम उदित प्रसाद सिंह, प्रो. सत्यनारायण सिंह, प्रो. जयराम शर्मा, प्रो. शंभु शरण सिंह सहित कई शिक्षकों एवं कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया।

☞ **संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों और कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन :-** समारोह के दौरान बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक एवं कर्मचारी महासंघ ने उच्च शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए वेतन, पेंशन और अन्य लंबित मांगों को पूरा करने की अपील की। महासंघ ने कहा कि राज्य के लगभग 70 प्रतिशत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा संबद्ध डिग्री कॉलेजों के माध्यम से मिलती है, लेकिन वहां कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों की उपेक्षा की जा रही है। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, सचिव बांके बिहारी सिंह, संजय कुमार पांडेय और गोपेश कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। वहीं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के प्रतिनिधियों ने भी मंत्री और कुलपति को आवेदन देकर जिले के महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा एस.एन. सिन्हा कॉलेज में वोकेशनल कोर्स शुरू कराने की मांग की।

☞ **'बेहया' पुस्तक का हुआ विमोचन :-** कार्यक्रम का एक और विशेष आकर्षण नवादा जिले के खैरा खुर्द निवासी युवा कवि प्रवेश कुमार सिन्हा द्वारा लिखित पुस्तक "बेहया" का विमोचन रहा। उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर और मगध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिलीप कुमार केसरी ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रो. आलोक कुमार ने पुस्तक के बारे में बताया कि "बेहया" केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि समाज के उपेक्षित, साधारण और संघर्षशील लोगों के जीवन को

प्रतीकात्मक रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास है। पुस्तक में प्रकृति, संवेदनशीलता और मानवीय जीवन के अनेक पहलुओं को प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया है।

☞ **बड़ी संख्या में जुटे शिक्षक, छात्र और गणमान्य लोग :-** कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार मंगलम, कॉलेज के शिक्षक, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में क्षेत्र के बुद्धिजीवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में प्रो. रामाशीष प्रसाद सिंह ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। यह समारोह केवल प्रतिमा अनावरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षा, सामाजिक दायित्व, उच्च शिक्षा के विस्तार और क्षेत्र के शैक्षणिक विकास को लेकर गंभीर विमर्श का मंच भी बना। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि कॉलेज में जल्द ही पीजी एवं नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू होंगे, जिससे स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

☞ **कार्यक्रम की सूचना नहीं मिलने पर स्थानीय पत्रकारों ने जताया रोष :-** कार्यक्रम की रुपरेखा कई दिनों पूर्व तय होने के बाबजूद आयोजकों के द्वारा गिने चुने पत्रकारों को जानकारी देने पर कई पत्रकारों ने रोष जताया है। इंडियन जर्नीलिस्ट एसोशिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश कुमार ने एस एन सिन्हा कॉलेज में मूर्ति अनावरण को लेकर आयोजित हुए कार्यक्रम में कई पत्रकारों को सूचना नही देने पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा की महाविधालय प्रशासन के द्वारा पत्रकारों से भेदभाव करना कतई उचित नही है। पत्रकारों को ऐसे कार्यक्रमों की सूचना समान रूप से विज्ञप्ति जारी कर सभी स्थानीय पत्रकारों को सूचना देनी चाहिए। उन्होंने कहा की ऐसी स्थिति में भविष्य में महाविधालय प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों से दुरी बढ़ाने और भेदभाव की शिकायत प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो में करने की बात कही है।●

''केवल सच''
राष्ट्रीय मासिक
पत्रिका के 21वें
स्थापना वर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-
डॉ. दिनेश प्रसाद सिन्हा
प्राचार्य
एस.एम.एस.जी. कॉलेज , शेरघाटी

''केवल सच''
राष्ट्रीय मासिक
पत्रिका के 21वें
स्थापना वर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-
उषा कुमारी
अंचल अधिकारी, शेरघाटी

शिक्षा, संस्कार और नवाचार की गौरवशाली यात्रा

किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान केवल उसके भवनों या परीक्षा परिणामों से नहीं होती, बल्कि उस दृष्टि से होती है जिसके आधार पर वह आने वाली पीढ़ियों का निर्माण करता है। इसी उद्देश्य को समझने के लिए पत्रिका प्रतिनिधि **रजनीशकांत झा** ने जीवनदीप पब्लिक स्कूल, नवादा का दौरा किया और विद्यालय के कार्यकारी निदेशक, शैक्षणिक प्रमुख एवं प्राचार्य से विस्तृत बातचीत की :-

❖ **हम केवल विद्यार्थी नहीं, भविष्य के उत्तरदायी नागरिक तैयार कर रहे हैं : कार्यकारी निदेशक डॉ. एकलव्य भगत :-** संवाद की शुरुआत विद्यालय के कार्यकारी निदेशक डॉ. एकलव्य भगत से हुई। उन्होंने कहा कि जीवनदीप पब्लिक स्कूल की स्थापना का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले चरित्रवान, संस्कारित और आत्मनिर्भर नागरिक तैयार करना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1993 में स्थापित तथा 1997 से सीबीएसई से संबद्ध यह विद्यालय लगभग चार दशकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और चरित्र निर्माण की सुदृढ़ परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उनके अनुसार विद्यालय का प्रत्येक निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों के समग्र विकास को केंद्र में रखकर लिया जाता है। डॉ. भगत ने कहा कि विद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मान प्राप्त हुए हैं। बिहार के माननीय राज्यपाल सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा मिले सम्मान विद्यालय की कार्यसंस्कृति और गुणवत्ता का प्रमाण हैं। भविष्य की योजनाओं पर उन्होंने कहा, 'हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षा, अनुसंधान आधारित अधिगम, नेतृत्व विकास और मूल्यपरक शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। हमारा विश्वास है कि ज्ञान और संस्कार का समन्वय ही विकसित भारत की वास्तविक आधारशिला है।'

❖ **आज की शिक्षा को जीवन और करियर, दोनों के लिए तैयार होना चाहिए : शैक्षणिक प्रमुख अजीत कुमार सिन्हा :-** विद्यालय के शैक्षणिक प्रमुख श्री अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि आधुनिक शिक्षा केवल विषय ज्ञान तक सीमित नहीं रह सकती। उन्होंने बताया कि विद्यालय में नियमित विषयों के साथ करियर काउंसलिंग, जीवन-कौशल, व्यक्तित्व विकास, स्पोकन इंग्लिश तथा सामुदायिक सहभागिता को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है, ताकि विद्यार्थी उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और जीवन की वास्तविक चुनौतियों के लिए समान रूप से तैयार हो सकें। उन्होंने आगे कहा कि विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स, साहित्य, संगीत, योग, खेलकूद, वाद-विवाद और नेतृत्व विकास जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। सामाजिक उत्तरदायित्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने विद्यालय की मानवीय पहल 'अर्पण : सम्मान के साथ सहयोग',

पर्यावरण संरक्षण अभियान, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता जागरूकता तथा सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उनके अनुसार इन गतिविधि यों से विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, सेवा-भाव और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित होती है।

❖ **हमारा प्रयास है कि हर विद्यार्थी विद्यालय से एक श्रेष्ठ व्यक्तित्व बनकर निकले : प्राचार्य रवि भूषण सिंह :-** संवाद के अंतिम चरण में विद्यालय के प्राचार्य श्री रवि भूषण सिंह ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और दैनिक कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि विद्यालय की समग्र शिक्षा प्रणाली आधुनिक, गतिविधि-आधारित और मूल्यपरक शिक्षण पर आधारित है। अत्याधुनिक विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ, समृद्ध पुस्तकालय, विशाल खेल परिसर, आवासीय सुविधा तथा आधुनिक ऑडिटोरियम विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय की पहचान केवल शत-प्रतिशत सीबीएसई परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त हजारों विद्यार्थी आज चिकित्सक, अभियंता, प्रशासनिक अधिकारी, रक्षा सेवाओं के अधिकारी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अधिवक्ता, शिक्षाविद् तथा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं। श्री सिंह ने कहा कि प्रतिदिन की प्रार्थना सभा, योग, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला एवं रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करती हैं। उनका मानना है कि विद्यालय की सफलता का वास्तविक पैमाना केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि ऐसे विद्यार्थी हैं जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध हों। श्केवल सचश की टीम ने विद्यालय परिसर का अवलोकन करने और तीनों वरिष्ठ पदाधिकारियों से विस्तृत चर्चा के बाद यह अनुभव किया कि जीवनदीप पब्लिक स्कूल आधुनिक शिक्षा, भारतीय संस्कार, अनुशासन, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के संतुलित समन्वय के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। यही समन्वित दृष्टिकोण इस संस्थान को नवादा ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।●

सेवा से जीतें जनता का विश्वास : उपराष्ट्रपति

● मो० सईद

बिहार विधानसभा सचिवालय, लोकसभा सचिवालय की संस्था 'प्राइड' और बिपार्ड (गया) के संयुक्त तत्वावधान में बिहार विधानसभा के माननीय सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का बिपार्ड परिसर में विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने किया। उद्घाटन समारोह में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। स्वागत भाषण में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गया की धार्मिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि ज्ञान, करुणा और आत्मचिंतन की प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र की परंपरा अत्यंत प्राचीन है और हमारे शास्त्र संवाद, सुनने तथा सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रबोधन कार्यक्रम से जनप्रतिनिधियों की कार्यक्षमता और सदन की प्रभावशीलता में वृद्धि होगी।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा कि चुनाव केवल मतों से जीते जाते हैं, लेकिन जनता का विश्वास सेवा, संवेदनशीलता और समर्पण से ही हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार का विकास इस दिशा में होना चाहिए कि राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन न करना पड़े। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे ऐसा वातावरण तैयार करें जिससे बिहार रोजगार का केंद्र बने और बाहर के लोग यहां अवसर तलाशने आएं। उन्होंने गया की आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि समाज सेवा और उत्तरदायित्व की नई प्रेरणा देती है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और नई तकनीकों के दौर में जनप्रतिनिधियों को भी बदलते समय के अनुरूप स्वयं को प्रशिक्षित करना होगा, ताकि शासन और प्रशासन की नई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस आयोजन को संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि विधायकों को सदन की कार्यवाही में नियमित भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्रों के विकास के लिए हर वर्ष ठोस और व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने विधायिका और कार्यपालिका के समन्वय पर बल देते हुए संविधान के अनुच्छेद 104 एवं 193 में समयानुकूल संशोधन पर विचार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रथम संशोधन को अंगीकार करने का ऐतिहासिक गौरव बिहार को प्राप्त है। कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने सभी उपराष्ट्रपति एवं राज्यपाल को मुख्यमंत्री एवं बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र और हरित गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उद्घाटन सत्र के बाद अतिथियों ने बिपार्ड परिसर में वृक्षारोपण किया तथा समूह छायाचित्र में भाग लिया। इसके बाद आयोजित तकनीकी सत्रों में लोकसभा सचिवालय की संस्था 'प्राइड' के विशेषज्ञों ने संसदीय प्रक्रिया, नियम, सदस्यों के कर्तव्य, आचार संहिता, प्रश्नकाल, कार्यपालिका की जवाबदेही तथा आधुनिक तकनीक और नेवा के उपयोग जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, विधान परिषद अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह, उप मुख्य सचेतक मंजीत कुमार सिंह और सदस्य अजय कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने धन्यवाद ज्ञापन किया।●

बाबा कश्यप मुनि की मुर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

● प्रो० रामजीवन साहु

आषाढ़ कृष्ण पक्ष विक्रम संवत 2083 तदनुसार एक जुलाई 2026 को जमुई जिला अंतर्गत सदर सिकन्दरा प्रखंड के श्री राधा-कृष्ण ठाकुरबारी, बाजार मार्ग स्थित मंदिर में श्री श्री 108 बाबा कश्यप मुनि की मूर्ति की हुई प्राणप्रतिष्ठा. मूर्ति के निर्माण और मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा यह सम्पूर्ण आयोजन विशुद्ध प्रसन्न मुद्रा में केशरवानी वैश्य समाज द्वारा किया गया. मंदिर निर्माण और प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम ने यह प्रमाणित कर दिया की हम सभी केशरवानी एक हैं और सदा एक रहेंगे. हम सबों पर बाबा काश्यप नाथजी की इसी तरह सदा कृपा बनी रहेगी.

महर्षि कश्यप मुनि एक वैदिक ऋषि हैं. ये सनातन धर्म के सप्तर्षियों में से एक इनका भी नाम है, साथ ही ये भगवान ब्रम्हा के मानस पुत्र महर्षि मरीचि के पुत्र हैं. इनकी माताश्री का नाम कला हैं. विष्णु पुराण के अनुसार महर्षि कश्यप मुनि के 17 पत्नियाँ थीं. इन्हीं 17 पत्नियों से पृथ्वी पर सभी प्रकार की सृष्टियां हुई हैं.

इनकी पत्नियों के बारे में :-

1. अदिति-ये देवताओं की माता हैं.
2. दिति-ये दैत्यों की माता हैं. इन्हीं के पुत्र हैं

हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु थे.

3. दनु- इनसे दानव की उत्पत्ति हुई.
4. विनिता-इनसे गरुड़ और अरुण पक्षी की उत्पत्ति हुई.
5. कदू-नागों की उत्पत्ति.
6. सुरसा-विषैले जन्तुओं.
7. सुरभि-पशुओं की उत्पत्ति.
8. इला-पेड़-पौधों की उत्पत्ति.
9. मुनि-अप्सराओं की उत्पत्ति.
10. क्रोधवशा-हिंसक जीवों की उत्पत्ति.
11. ताम्रा-गिद्ध एवं बाज की उत्पत्ति.
12 अरिष्य-गंधर्वों की उत्पत्ति.
13. खसा-राक्षसों की उत्पत्ति.
14. तिमि-मछलियों की उत्पत्ति.
15. पतंगी-पक्षियों की उत्पत्ति.
16. धामिनि-कीट-पतंगों की उत्पत्ति.
17. काष्ठा-खुर वाले पशु की उत्पत्ति.

सम्पूर्ण ब्रम्हांड की रचना में महर्षि कश्यप मुनि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

इस पावन अवसर पर पूरे बिहार प्रांत के भद्र महिलाएं - पुरुष जन एवं भारत के भविष्य बालक और बालिकाएं उपस्थित हुए. उनमें प्रमुख हैँ केशरवानी वैश्य पंचायत समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अर्जुन प्रसाद केशरी (लाली बाबू) ,बिहार प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष सह संरक्षक शंभू केशरी ,जमुई भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रो० दुर्गा प्रसाद केशरी, प्रो० रागनि देवी ,प्राचार्य प्रो० अनिता केशरी ,राजाराम केशरी, भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अंकित केशरी, भागलपुर के कृष्णाजी और उनकी अध र्गिनी, प्रदीप केशरी, जमुई मेम्बर्स आफ कामर्स के सचिव नितेश कुमार केशरी और जमुई जिला रक्तदान समिति के अध्यक्ष श्रीकांत केशरी. ●

डीआईजी डॉ. कुमार आशीष की बड़ी कार्यवाही

● नीलेन्दु कुमार झा

सहरसा जिले के सलखुआ थाना में कथित दलाली और केस प्रभावित करने के मामले में पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। डीआईजी के औचक निरीक्षण के दौरान एक कथित दलाल को गिरफ्तार किए जाने के बाद थाना के 10 अनुसंधान पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस महानिदेशक, बिहार के निर्देश पर थानों में कथित दलालों की गतिविधियों की जांच चल रही थी। इसी क्रम में 2 जुलाई को डीआईजी ने सलखुआ थाना का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान मिली सूचना के आधार पर सतीश कुमार नामक व्यक्ति को संदेह के आधार पर रोका गया। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान उसके बैग से एक लैपटॉप, मोबाइल फोन, बैंक से जुड़े दस्तावेज और सलखुआ थाना के करीब 10 मामलों की केस फाइलें बरामद हुई।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि वह कुछ अनुसंधान पदाधिकारियों के संपर्क में रहकर मामलों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी के निर्देश पर सिमरी बख्तियारपुर के एसडीपीओ मुकेश ठाकुर के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया। जांच में जिन 10 अनुसंधान पदाधिकारियों के मामलों की फाइलें कथित दलाल के पास मिलीं, उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर सहरसा पुलिस लाइन भेज दिया गया। सभी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी है। यह पता लगाया जा रहा है कि कथित दलाली और केस प्रभावित करने के इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल थे। ये तो जांच के उपरांत ही पता चल पायेगा स इस कार्यवाही से सभी थाना मे दहशत का माहौल बना है। ●

डीआईजी का संकल्प : नशा मुक्त होकर रहेगा कोशी क्षेत्र

● संजीव कुमार झा/नीलेन्दु कुमार झा

कोशी प्रमंडल में नशे का कारोबार, विशेषकर स्मैक, गांजा, प्रतिबंधित कफ सिरप और अवैध शराब का सेवन एक गंभीर समस्या बन चुका है। शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में 25 वर्ष से कम उम्र के युवाओं और स्कूली बच्चों की नशे की गिरफ्त में आने की खबरें तो और भी चिंताजनक हैं। कोशी प्रमंडल के सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिलों में नशे के बढ़ते प्रभाव पर अंकुश लगाने के लिए डीआईजी डॉ. कुमार आशीष ने इसी वर्ष फरवरी में 'नशा मुक्त कोशी अभियान' शुरू किया है, जिसकी कमान सब इंस्पेक्टर बेजेंद्र सिंह को सौंपी गई है। बता दें कि पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2026 से लेकर 3 जुलाई 2026 तक पुलिस ने कोशी क्षेत्र में नशा कारोबारियों पर लगातार कार्रवाई करते हुए कुल 49,208.08 लीटर अवैध शराब, 2125.02 लीटर प्रतिबंधित कफ सिरप, 3974.077 किलोग्राम गांजा और 4122.222 ग्राम स्मैक जब्त कर चुकी है।

पुलिस द्वारा चलाए जाने वाले इन विशेष अभियानों में भारी मात्रा में नशीले पदार्थों और शराब की जब्त इसी सच की ओर इशारा करते हैं कि कोशी प्रमंडल नशे के मकड़जाल में बुरी तरह फंस चुका है। इससे इस खतरे की भयावहता का भी स्पष्ट पता चलता है। यहां तक कि पुलिस द्वारा चलाए जाने वाले महा-अभियानों में सामने आ रहे आंकड़े स्थिति की गंभीरता को तो दर्शाते ही हैं, इस समस्या की भयावहता को भी अलग से रेखांकित करते हैं। इन अभियानों के तहत जहां भारी मात्रा में स्मैक, गांजा और कोडीन युक्त कफ सिरप जब्त किए जा रहे हैं, वहीं शराबबंदी के बावजूद, देशी और विदेशी शराब की बड़ी खेप पकड़ी जाती हैं। अभियान के तहत शराब बनाने वाली कई अवैध भट्टियों को ध्वस्त किया गया है। पुलिस ने बड़ी संख्या में नशा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। तस्करी में इस्तेमाल होने वाले दर्जनों वाहन जब्त किए गए हैं।

'केवल सच' से विशेष बातचीत में डीआईजी डॉ. कुमार आशीष भी मानते हैं कि बिहार में शराबबंदी के बाद सूखे नशे का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। शहरों और गांवों में बड़ी संख्या में युवा इसकी चपेट में आ रहे हैं, जिससे सामाजिक और पारिवारिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इसी दुष्प्रभाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यह व्यापक कदम उठाया है। उनका कहना है कि इस समस्या को दूर करने के लिए

अभियान के तहत एक विशेष हेल्पलाइन सेंटर स्थापित किया गया है, आम नागरिक नशे से संबंधित जानकारी सीधे पुलिस तक पहुंचा सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर 9060384865 जारी किया गया है, जो सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिलों के लिए सक्रिय है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति अपने क्षेत्र में चल रहे नशे के अवैध कारोबार, संदिग्ध गतिविधियों या युवाओं को फंसाने वाले गिरोहों की सूचना इस नंबर पर दे सकता है। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है, ताकि लोग बिना किसी डर के सहयोग कर सकें। पुलिस प्रशासन आम जनता से नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने और सूचना देने की अपील करती है। यहां तक कि नशे की लत से जूझ रहे लोगों के लिए प्रमंडल में कई नशा मुक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां काउन्सलिंग, योग और चिकित्सा के माध्यम से युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने का प्रयास किया जाता है।

डीआईजी डॉ. कुमार आशीष जोर देकर कहते हैं कि 'नशा मुक्त कोशी अभियान' केवल छापेमारी और गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जागरूकता कार्यक्रम, सामुदायिक सहभागिता और नियमित निगरानी के माध्यम से भी व्यापक स्तर पर काम किया जाएगा। स्कूलों, कॉलेजों और पंचायत स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाने की योजना है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे नशे के खिलाफ इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी निभाएं, क्योंकि सामूहिक प्रयासों से ही कोशी क्षेत्र के तीनों जिलों को नशा मुक्त बनाना संभव होगा। लेकिन, यहां एक कड़वा सच यह भी है कि 'नशा मुक्त कोशी अभियान' जैसे अभियानों को लेकर पुलिस की भूमिका अक्सर कठघरे में रहती है। दबी जुबान में ऐसा कहा-सुना जाता है कि पुलिस की कथित मिलीभगत या उदासीनता इस तरह के अभियानों को कमजोर कर रही है। दरअसल, स्थानीय स्तर पर कुछ भ्रष्ट पुलिसकर्मियों और तस्करों के बीच सांठगांठ की खबरें सामने आती रहती हैं। तस्करों को सुरक्षा मिलने के कारण नशे का अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। कोशी क्षेत्र (सहरसा, सुपौल, मधेपुरा) में नशीली दवाओं (कफ सिरप, स्मैक आदि) और अवैध शराब की तस्करी की सूचनाओं पर त्वरित और सख्त कार्रवाई न होना, नशा माफियाओं के हौसले बुलंद करता है। पुलिस पर आए दिन यह भी आरोप लगता है कि अक्सर छोटे-मोटे नशेड़ियों को पकड़कर ही खानापूर्ति कर ली जाती है, लेकिन मुख्य आपूर्तिकर्ताओं और सिंडिकेट (माफिया) तक नहीं पहुंच पाती। आमलोगों का मानना है कि शराब और नशा माफियाओं से सांठगांठ के कारण भारी मात्रा में अवैध माल की जब्ती की जगह, रिश्वत लेकर मामलों को रफा-दफा करने की घटनाएं अभियान को पलीता लगा देती हैं।

लेकिन, जहां तक बात डीआईजी डॉ. कुमार आशीष की बात है, तो कोसी क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ही इनकी नियुक्ति की गई है। 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉ. कुमार आशीष अपने सख्त, लेकिन न्यायपूर्ण पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि नए भारतीय न्याय संहिता के तहत देश में सबसे पहले अपराधियों को सजा दिलाने का रिकॉर्ड भी इन्हीं के नाम दर्ज है। इसके अलावा मानव तस्करी और बाल अपराधों के खिलाफ चलाए गए 'नया सवेरा' जैसे अभियानों में भी इन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया है जिसके लिए इन्हें कई स्तरों पर सराहना भी मिली है। हत्या, लूट, डकैती और अन्य संगीन अपराधों की रोकथाम के लिए ये समय-समय पर सघन अभियान चलाते रहे हैं। इनकी कार्यशैली का एक अहम पहलू यह भी है कि वे पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही पर विशेष जोर देते हैं। लापरवाह पुलिस कर्मियों के खिलाफ वेतन रोकने जैसी कड़ी कार्रवाई करना और बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल पुरस्कृत करना इनकी पहचान रही है। इनका कार्यकाल अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग सुधार के लिहाज से काफी सफल रहता है। ऐसे में इस अभियान को पूरी तरह से सफल बनाने के लिए डीआईजी डॉ. आशीष कुमार को कुछ कमजोर कड़ियों के पेंच को समय रहते कसना होगा। अगर वह ऐसा कर पाने में सफल रहते हैं, तो फिर 'नशा मुक्त कोशी अभियान' का उनका सपना अवश्य साकार होकर रहेगा। ●

अपराधियों और घुसपैठियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस

● अब्दुल कैय्युम

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 07 जुलाई को अररिया जिले के फारबिसगंज प्रखंड अंतर्गत हरिपुर पंचायत सरकार भवन परिसर में आयोजित सहयोग शिविर में भाग लिए। इस अवसर पर आयोजित सहयोग शिविर में सीएम ने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य आमजन के कष्टों का त्वरित और पारदर्शी समाधान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं का निवारण कर रही है ताकि हर नागरिक को समय पर न्याय मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब तक 4 लाख 53 हजार 62 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 4 लाख 25 हजार 660 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। अररिया जिले में 7,130 आवेदनों में से 6,845 निष्पादन हो चुका है और 285 आवेदन लंबित हैं। हरिपुर पंचायत में प्राप्त 259 आवेदनों में से 245 का निष्पादन हो चुका है और 14 अवेदन लंबित हैं। बिहार में जो आवेदन प्राप्त हुये हैं उसमें से पहला नोटिस 12 हजार 869 को जबकि दूसरा नोटिस 340 को तथा तीसरा नोटिस 13 संबंधित पदाधिकारियों को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की जवाबदेही और तेज कार्यशैली का प्रमाण है। हमने व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने का निर्णय लिया है। जनता को कष्ट होगा, तो सरकार को भी कष्ट होगा। जनता की समस्या का समाधान होना चाहिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के स्तर पर प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को पटना में जिन समस्याओं का निदान सहयोग शिविर के माध्यम से नहीं हो सका है या आवेदक को लगता है कि गलत आदेश जारी किया गया है, उसका समाधान किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने विकसित भारत का सपना देखा और पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी ने समृद्ध बिहार का सपना देखा है। केन्द्र सरकार ने बिहार के विकास के लिये मिलनेवाली राशि को 16वें वित्त आयोग में 20 हजार करोड़ रूपये से बढ़ाकर 50 हजार रूपये कर दिया है। सरकार गरीब एवं कमजोर वर्गों के कल्याण के लिये लगातार काम कर रही है। विधवा, दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन 400 से बढ़ाकर 1100 रूपये कर दी गई है। राज्य के सभी परिवारों को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। जिन घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगेंगे और 125 यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन होगा, वहां अतिरिक्त बिजली के बदले सरकार सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में राशि भेजेगी। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को पंचायत विकास दिवस आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पंचायत स्तर पर किसानों, महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों, बुजुर्गों एवं गरीबों से जुड़े मुद्दों की समीक्षा कर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टेट हाई-वे पर टोल टैक्स को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिये। निजी वाहनों पर किसी प्रकार का टोल टैक्स नहीं लगेगा। केवल व्यवसायिक वाहनों से ही टैक्स लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। 15 जुलाई तक राज्य के शेष सभी 213 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज की व्यवस्था पूरी कर दी जायेगी। सभी 534 प्रखंडों में मॉडल स्कूल स्थापित किये जायेंगे। साथ ही प्रखंडों में खुलनेवाले मॉडल स्कूलों एवं ग्रामीण हाई स्कूलों में भी कोचिंग की व्यवस्था की जायेगी ताकि विद्यार्थियो को पढ़ाई के लिये बड़े शहरों या पटना नहीं जाना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध और घुसपैठ के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी। सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा सुदृढ़ करने के लिए 735 किलोमीटर सीमा पर 194 बी०ओ०पी० स्थापित किए गये हैं। उन्होंने कहा कि फारबिसगंज एयरपोर्ट के लिए भूमि उपलब्ध करा दी गई है और अगले वित्तीय वर्ष में निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का प्रयास होगा। अररिया में मेडिकल कॉलेज के लिए भी भूमि उपलब्ध है जल्द ही इसका शिलान्यास किया जायेगा। इसके

अतिरिक्त फोरलेन सड़क, सिलीगुड़ी-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे, कोसी-मेची लिंक परियोजना, बैरगाछी-सिकटी सड़क, टैक्सगंज-सुकेला बाईपास तथा सुभाष चौक आर०ओ०बी० जैसे परियोजनाओं पर तेजी से कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत 1 करोड़ 81 लाख महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है तथा जिन लाभार्थियों के खातों में राशि अभी तक नहीं पहुंची है, उन्हें इसी महीने भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर बिहार के गरीबों को न्याय दिलाने और समृद्ध बिहार के निर्माण का प्रभावी माध्यम बन रहा है। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प और पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के दिखाए गए विकास के मार्ग पर चलते हुए बिहार को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आज झमाझम बारिश के बीच में आप सभी उपस्थित हैं इसके लिये धन्यवाद देता हूँ और कामना करता हूँ कि किसानों की समृद्धि हो और बिहार का सतत विकास हो।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अभियान बसेरा-2, आयुष्मान वय वंदन कार्ड, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना, मुख्यमंत्री अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग अंतर्गत मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को सांकेतिक चेक स्वीकृति पत्र आदि प्रदान किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नेताओं एवं जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री सह अररिया जिले के प्रभारी मंत्री डॉ० रामचंद्र प्रसाद, सांसद श्री प्रदीप कुमार सिंह, विधायक श्री विजय कुमार मंडल, विधायक श्री मनोज विश्वास, विधायक मो० मुर्शीद आलम, अररिया जिला परिषद अध्यक्ष श्री आफताब अजीम, फारबिसगंज नगर परिषद के मुख्य पार्षद श्रीमती वीणा देवी, 20 सूत्री के उपाध्यक्ष श्री आशीष पटेल, 20 सूत्री के उपाध्यक्ष सह भाजपा जिलाध्यक्ष श्री आदित्य नारायण झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव सह अररिया जिले के प्रभारी सचिव मो० सोहैल, पूर्णिया प्रमंडल के आयुक्त श्री दिनेश कुमार, पूर्णिया प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री विवेकानंद, जिलाधिकारी श्री विनोद दूहन, पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र कुमार, जदयू जिलाध्यक्ष श्री पवन मिश्रा, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री विष्णु ऋषिदेव, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष श्री अरुण सिंह, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री विभाष चंद्र मेहता, अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।●

जिला स्तर पर बड़े पैमाने पर कर्मियों का स्थानांतरण

● **अब्दुल कैय्युम**

जिला पदाधिकारी, अररिया श्री विनोद दूहन की उपस्थिति में एनआईसी के रेंडमाइजेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराई गई। संपूर्ण प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। कार्यहित एवं प्रशासनिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मनरेगा अंतर्गत एक ही प्रखंड में तीन वर्ष से अधिक समय से पदस्थापित कर्मियों का स्थानांतरण किया गया। इसके तहत 6 कनीय अभियंता (जेई), 8 कम्प्यूटर ऑपरेटर/कार्यपालक सहायक, 5 लेखापाल, 27 पंचायत तकनीकी सहायक (पीटीए) तथा 152 पंचायत रोजगार सेवकों (पीआरएस) का एनआईसी के रेंडमाइजेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से विभिन्न प्रखंडों में स्थानांतरण किया गया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 8 ग्रामीण आवास पर्यवेक्षकों, 4 कार्यपालक सहायकों एवं 8 ग्रामीण आवास सहायकों का भी प्रखंडों में स्थानांतरण किया गया। साथ ही ग्रामीण आवास सहायकों को नव पदस्थापित प्रखंडों की पंचायतों का आवंटन भी कर दिया गया। सरकार के विशेष सचिव, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार, पटना के निर्देशानुसार पशुपालन विभाग के जिला एवं प्रखंड स्तर पर कार्यरत 10 डाटा एंट्री ऑपरेटरों का भी एनआईसी के रेंडमाइजेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से पारदर्शी तरीके से स्थानांतरण किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यहित एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से समाहरणालय एवं समाहरणालय से संबद्ध 18 कार्यपालक सहायकों को जिला एवं अनुमंडल स्तरीय कार्यालयों, लोक

शिकायत कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों में प्रतिनियुक्त करते हुए 1 जुलाई 2026 को नव पदस्थापित कार्यालय में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। वहीं जिला पंचायत राज कार्यालय, अररिया अंतर्गत संविदा के आधार पर ग्राम पंचायतों में कार्यरत 49 लेखपाल सह आईटी सहायकों एवं 200 कार्यपालक सहायकों का भी एनआईसी के रेंडमाइजेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्थानांतरण कर उन्हें नव पदस्थापित प्रखंडों का आवंटन किया गया।

जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी स्थानांतरित कर्मी 30 जून 2026 तक अपने वर्तमान कार्यालय का प्रभार हस्तांतरित कर दें तथा 1 जुलाई 2026 के पूर्वाह्न में अपने नव पदस्थापित कार्यालय में अनिवार्य रूप से योगदान दें। पशुपालन विभाग के डाटा एंट्री ऑपरेटरों को 2 जुलाई 2026 तक योगदान देने का निर्देश दिया गया है। साथ ही संबंधित नियंत्री पदाधिकारियों एवं कार्यालय प्रधानों को 30 जून 2026 तक स्थानांतरित कर्मियों को विरमित करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। यदि निर्धारित अवधि तक विरमित नहीं किया जाता है तो संबंधित कर्मी 1 जुलाई 2026 से स्वतः विरमित माने जाएंगे। सभी स्थानांतरित कर्मियों को माह जुलाई 2026 का मानदेय नव पदस्थापित कार्यालय से प्राप्त अनुपस्थिति विवरणी के आधार पर भुगतान किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने कहा कि स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं प्रशासनिक दक्षता को ध्यान में रखते हुए संपन्न कराई गई है, जिससे विभिन्न विभागों में कार्यों का प्रभावी एवं संतुलित निष्पादन सुनिश्चित हो सके।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी जिला पदाधिकारी द्वारा एनआईसी के रेंडमाइजेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से समाहरणालय एवं विभिन्न विभागों में पदस्थापित 214 कर्मियों का स्थानांतरण एवं पदस्थापन की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई थी।●

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की प्रगति की उप विकास आयुक्त ने की समीक्षा

● अब्दुल कैय्युम

उप विकास आयुक्त अररिया श्रीमती रोजी कुमारी की अध्यक्षता में 02 जुलाई को लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला समन्वयक, सभी प्रखंड समन्वयक एवं कार्यपालक सहायकों ने भाग लिया। बैठक में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (IHHL) निर्माण के लंबित प्रोत्साहन राशि (Incentive Payment), वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट (WPU) के निर्माण कार्य, प्राप्त शिकायतों के निष्पादन (Grievance Redressal), क्षेत्रीय निरीक्षण (Field Inspection), घर-घर कचरा संग्रहण (Door to Door Collection) तथा कचरा संग्रहण वाहनों की कार्यशीलता (Vehicle Functionality) की प्रखंडवार समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि व्यक्तिगत शौचालय निर्माण से संबंधित सभी लंबित प्रोत्साहन राशि का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र सुनिश्चित किया जाए। वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट के

निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उन्हें पूर्ण किया जाए तथा प्रत्येक प्रखंड में नियमित रूप से क्षेत्रीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था अभियान का महत्वपूर्ण घटक है। सभी प्रखंडों में कचरा संग्रहण कार्य नियमित रूप से संचालित हो तथा इसके लिए उपलब्ध वाहनों की कार्यशीलता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। यदि किसी वाहन में तकनीकी खराबी हो तो उसका त्वरित मरम्मत कराकर सेवा बहाल की जाए। उप विकास आयुक्त ने प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर विशेष बल देते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान अभियान की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में अभियान की प्रगति की नियमित निगरानी, प्रभावी क्रियान्वयन तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। ●

सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास हेतु वीवीपी-2 की बैठक

● अब्दुल कैय्युम

जिला पदाधिकारी, अररिया, श्री विनोद दूहन की अध्यक्षता में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 (Vibrant Villages Programme-II) के प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अररिया जिले के चयनित 12 सीमावर्ती गांवों में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि अररिया जिले में वीवीपी-2 के तहत कुल 53 योजनाएं स्वीकृत हैं। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन पंचायतों में खेल मैदान का निर्माण पूरा हो चुका है, उन्हें सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) को उपलब्ध कराया जाए, तथा एसएसबी के जवान की प्रतिनियुक्ति कर स्थानीय बच्चों को नियमित खेल प्रशिक्षण दे ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को विद्यालयों से

समन्वय स्थापित कर बच्चों की नियमित भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सीमावर्ती गांवों में नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने पर बल देते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा नशे की बजाय खेल की गतिविधियों में लगनी चाहिए। उन्होंने जिला योजना पदाधिकारी को सौर ऊर्जा से जुड़ी योजनाओं को भी वीवीपी के अंतर्गत शामिल करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करी की रोकथाम के साथ-साथ लोगों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन को बढ़ावा देने, सभी सीमावर्ती पंचायतों में दुग्ध सहकारी केंद्र स्थापित कराने तथा पशुपालन एवं कौशल विकास से संबंधित योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, समादेष्टा सीमा सुरक्षा बल, सिविल सर्जन, जिला योजना पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। वहीं नरपतगंज, फारबिसगंज, कुर्साकांटा एवं सिकटी के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। ●

भूमि विवाद में अधेड़ मजदूर की हत्या

● अब्दुल कैय्युम

अररिया जिला के पलासी ब्लॉक में पलासी-सोहंदर मुख्य मार्ग पर डाला गांव के पास एक 60 वर्षीय अधेड़ का शव मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मृतक की पहचान पलासी प्रखंड मुख्यालय स्थित डूमरिया टोला वार्ड पांच निवासी जकीर के रूप में हुई। जकीर डूमरिया टोला निवासी स्व. अलीम उद्दीन का बेटा था। वह पलासी चौक पर मजदूरी- कुली का काम करता था। मंगलवार रात से ही वह गायब था। बुधवार की सुबह डाला के पास उनका शव मिला। मृतक मो जकीर के शरीर पर जख्म के कई निशान मिले हैं। दावा किया है कि मारपीट कर उन्हें शराब पिलाने के बाद धारदार हथियार से कई जगह जख्मी कर उनकी हत्या की गयी है। परिजनों ने भूमि विवाद मामले को लेकर हत्या की बात कही है । मृतक के छोटे भाई मो नौशाद ने बताया कि मंगलवार रात आठ बजे तक उनका भाई पलासी चौक पर थे। फिर घर आकर खाना खाये। इसके बाद फिर निकल गये। रातभर हमलोग जकीर की खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला। बुधवार की सुबह उनका शव बरामद हुआ। नौशाद ने बताया कि विरोधियों से उनलोगों का भूमि विवाद चल रहा था। कई बार धमकी दे चुका था। घर में भी आग लगा चुका है। कहा कि हमलोगों के पास रसीद व म्यूटेशन है। लेकिन वह खतियान दिखाकर कहता है कि जमीन खाली कर दी। जानकारी पलासी थाना को भी है। उन्होंने दावा किया है कि किसी दूसरी जगह हत्या कर डाला और गांव के पास शव को फेंक दिया गया है। इधर पलासी के थानेदार मिथिलेश कुमार ने बताया कि सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि मृतक के पुत्र महबूब आलम के लिखित आवेदन पर पलासी थाना में 11 लोगो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। साथ ही साथ पुलिस नामजदों के खिलाफ छापेमारी अभियान शुरू कर दिया हैं। वही मृतक के परिजनों का रोरो कर बुरा हाल हैं। इधर हत्यारे की गिरफ्तारी को लेकर परिजन दर दर भटकरहे हैं।●

जिलाधिकारी ने बाढ़ एवं कटाव क्षेत्रों का किया निरीक्षण

● अब्दुल कैय्युम

जिलाधिकारी अररिया विनोद दूहन ने गुरुवार 02 जुलाई को जिले के विभिन्न बाढ़ एवं कटाव प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कटाव निरोधक कार्यों, तटबंधों, संभावित बाढ़ प्रभावित स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह निरीक्षण कुर्साकांटा प्रखंड के बकरा नदी किनारे अवस्थित तीरा परड़िया ग्राम से हुई, जहां जिलाधिकारी ने कटाव निरोधक कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने कुआड़ी-सिकटी पथ पर बकरा नदी स्थित पुल के समीप संभावित बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण कर समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने कुर्साकांटा प्रखंड मुख्यालय से नूना नदी के किनारे स्थित पररिया जमींदारी बांध एवं घोड़ा चौक ग्राम में चल रहे कटाव निरोधक कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर इसे पूर्ण करने का निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया। इसके बाद उन्होंने पलासी प्रखंड के बकरा नदी किनारे स्थित बच्चाखाड़ी/औलाबाड़ी तथा पहुंचकर कटाव

निरोधक कार्यों का स्थल निरीक्षण किया तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने पलासी स्थित उच्च विद्यालय डाला परिसर में संचालित राजकीय डिग्री महाविद्यालय का निरीक्षण कर उपलब्ध शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने जोकीहाट प्रखंड अंतर्गत कनकई नदी के किनारे स्थित मजकुरी जहाँनपुर तटबंध का निरीक्षण कर तटबंध की सुरक्षा व्यवस्था एवं बाढ़ से बचाव की तैयारियों की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने सिकटी प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय, बाल विकास परियोजना कार्यालय सहित अन्य सरकारी कार्यालयों का भी निरीक्षण कर कार्यालयों के कार्य निष्पादन, अभिलेख संधारण, जनसेवा एवं साफ-सफाई की स्थिति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ एवं कटाव को देखते हुए सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय समय पर पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखी जाए, कटाव निरोधक कार्यों में गुणवत्ता एवं गति सुनिश्चित की जाए तथा आमजन को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। साथ ही बाढ़ आपदा से निपटने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।●

निर्भीकता हमारी पहचान
केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका

सड़क दुर्घटना में युवक की घटनास्थल पर मौत

● अब्दुल कैय्युम

जोकीहाट व अररिया फोर लाइन पर सोमवार की देर शाम बैरगाछी के समीप एक बाइक सवार युवक अज्ञात वाहन के चपेट में आने से उनकी मौत घटना स्थल पर ही हो गया। मृतक युवक की पहचान रजानांद मंडल गांव पकड़ी निवासी 36 कौशल कुमार मंडल 36 वर्ष के रूप में किया गया है। हालांकि मौके पर स्थानीय पुलिस पहुच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम कराकर शव को परिजनों के हवाले कर दिया। इधर मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी सोनी देवी का रो-रो कर बुरा हाल हैं। मृतक के दो संतान है। मृतक की मां मंजू देवी का रो-रो कर कर बुरा हाल हैं। मृतक की मां का रोरो कर बुरा हाल हैं। मृतक को देखने ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। मृतक के रिश्तेदार मजलिसपुर पंचायत के मुखिया प्रभुचन्द विश्वास ने मृतक के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। मृतक युवक अपने पीछे पिता राजा नंद मंडल,माता मंजू देवी,दो संतान एक बेटी व एक बेटा सहित पत्नी सोनी देवी को छोड़ गया है. मंगलवार सुबह शव गांव पहुंचते ही पुरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया.वही मृतक युवक की मां मंजू देवी व पत्नी सोनी देवी का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। जानकारी अनुसार कौशल कुमार मंडल अररिया डीसीएलआर ऑफिस में डेटा ऑपरेटर के रूप में कार्यरत था। सोमवार की देर शाम कार्यालय से वापस घर लौट रहा था। इसी क्रम में बैरगाछी के अज्ञात वाहन के चपेट में आया और दुर्घटना में उनकी मौत घटना स्थल पर ही हो गयी। इधर स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार मल्लिक ने मृतक के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए जांच की मांग की हैं।●

निर्माणाधीन नाले ने बढ़ाई चिंता

● फरीद अहमद

नगर पंचायत पौआखाली के मार्केट रोड पर बुडको द्वारा नाला निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। हालांकि निर्माण कार्य अभी अधूरा है, लेकिन सिमलबाड़ी मोड़ के समीप निर्माणाधीन नाले को बिना ढक्कन लगाए ही खुला छोड़ दिया गया है। इतना ही नहीं, मौके पर किसी प्रकार का सुरक्षा बैरिकेड, चेतावनी बोर्ड या संकेतक भी नहीं लगाया गया है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। वर्तमान में खुले गड्ढे में जलजमाव भी है। दिन के समय राहगीर किसी तरह सावधानी बरतकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में यह स्थान बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कोई राहगीर, बाइक सवार, साइकिल चालक या बच्चा अंधेरे में इस गड्ढे में गिर जाए तो गंभीर हादसा हो सकता है। स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि आखिर निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? क्या किसी बड़ी अनहोनी के बाद ही संबंधित विभाग और जिम्मेदार एजेंसी की नींद खुलेगी? लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना संबंधित एजेंसी और जिम्मेदारी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि निर्माणाधीन नाले को तत्काल सुरक्षित कराया जाए, आवश्यक स्थानों पर ढक्कन लगाए जाएं तथा चेतावनी बोर्ड और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारी समय रहते इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हैं या फिर किसी हादसे का इंतजार किया जाएगा।●

अवैध लॉटरी कारोबार का भंडाफोड़

● फरीद अहमद

ठाकुरगंज पुलिस ने अवैध लॉटरी कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नसीम अख्तर (49 वर्ष), पिता- मुश्ताक आलम, निवासी ठाकुरगंज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से अलग-अलग तिथियों (23, 24, 25, 26, 27, 28 एवं 30) के कुल 1,112 अवैध लॉटरी टिकट बरामद किए गए। इनमें 6 रुपये वाले 244 टिकट, 7 रुपये वाले 70 टिकट तथा 10 रुपये वाले 808 टिकट शामिल हैं। बरामद टिकटों का कुल मूल्य 10,030 रुपये बताया गया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपी के पास से 3 मोबाइल फोन, 1,71,500 रुपये भारतीय मुद्रा, 2,450 नेपाली रुपये, N-777 अंकित एक मुहर, लेन-देन की डायरी तथा अन्य संबंधित दस्तावेज भी जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।●

हाइवे पर ट्रकों का कब्जा

● फरीद अहमद

ठाकुरगंज धर्मकांटा से लेकर गलगलिया तक राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्सों में रोजाना बड़ी संख्या में ट्रकों के लंबे समय तक खड़े रहने से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। कई स्थानों पर हालात ऐसे दिखाई देते हैं जैसे हाइवे को अस्थायी ट्रक पार्किंग में बदल दिया गया हो। सड़क किनारे और कई जगह मुख्य मार्ग के बेहद करीब खड़े भारी वाहनों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। लोगों के अनुसार, कई बार ट्रक घंटों तक एक के पीछे एक खड़े रहते हैं। इससे सड़क की उपयोगी चौड़ाई कम हो जाती है और बाइक, कार, बस समेत अन्य छोटे-बड़े वाहनों को गुजरने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। व्यस्त समय में जाम जैसी स्थिति भी बन जाती है। रात्रि के समय यह समस्या और गंभीर हो जाती है। सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के कारण पीछे से आने वाले चालकों को

समय पर वाहन दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। वहीं ओवरटेक के दौरान आमने-सामने की टक्कर का भी खतरा बना रहता है। इसके अलावा एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही भी प्रभावित हो सकती है। लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर इस तरह ट्रकों का लंबे समय तक खड़ा रहना यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा, दोनों के लिए चिंता का विषय है। लोगों ने जिला प्रशासन, परिवहन विभाग से मांग की है कि हाइवे पर अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ नियमित जांच अभियान चलाया जाए। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में किसी बड़े सड़क हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।●

खनन विभाग ने खनिज लदे डंपर को किया जब्त

● फरीद अहमद

पौआखाली थाना क्षेत्र में थाना के समीप खनिज लदे एक डंपर को आवश्यक दस्तावेजों में कमी पाए जाने पर खनन विभाग ने जब्त कर लिया। कार्रवाई पौआखाली थानाध्यक्ष शंख राज कर्ण के डंपर पकड़े के बाद की सूचना के बाद की गई। खान निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि डंपर चालक के पास खनिज परिवहन का चालान तो था, लेकिन अंतरराज्यीय परिवहन के लिए अनिवार्य ट्रांजिट पास उपलब्ध नहीं था। उन्होंने बताया कि जब भी एक राज्य से दूसरे राज्य में खनिज का परिवहन किया जाता है, तब चालान के साथ ट्रांजिट पास होना भी आवश्यक है। दस्तावेजों की जांच के बाद नियमों के उल्लंघन के आधार पर डंपर को जब्त कर पौआखाली थाना के सुपूर्द कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई। वही यह भी देखने को मिला कि उक्त डंपर के पीछे नंबर प्लेट तक नहीं

लगाया गया है इससे साफ तौर पर जाहिर हो रहा है कि परिवहन नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, पश्चिम बंगाल से बिहार आने वाले कुछ खनिज वाहनों में ट्रांजिट पास को लेकर अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही थीं। माना जा रहा है कि इस कार्रवाई के बाद ऐसे मामलों पर प्रशासन की निगरानी और सख्त हो सकती है।●

बिहार पंचायत चुनाव
बदल जायेगा आरक्षण का पूरा खेल!

● रवि रंजन मिश्र

बिहार में पंचायत चुनाव 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग चुनावी प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में जुटा है। संभावना जताई जा रही है कि इस वर्ष सितंबर के अंतिम सप्ताह से लेकर अक्टूबर के पहले सप्ताह के बीच पंचायत चुनाव कराए जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार चुनाव 8 से 9 चरणों में आयोजित किए जा सकते हैं। चुनाव की तैयारियों के तहत आयोग ने सबसे पहले पंचायतों के सीमांकन और जनसंख्या के आधार पर आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके लिए प्रपत्र-1 तैयार किया गया, जिसमें वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाया गया है। आयोग ने इस कार्य को पूरा करने के लिए 15 जून तक की समय सीमा निर्धारित की थी।

☞ **जिला गजट का प्रकाशन पूरा :-** राज्य के विभिन्न जिलों में 20 जून तक जिला गजट का प्रकाशन कर दिया गया। इसके बाद 23 जून तक संबंधित जिलों ने इसकी प्रतियां राज्य निर्वाचन आयोग को उपलब्ध करा दीं। अब आयोग पंचायत स्तर पर आरक्षण सूची और रोस्टर तैयार करने की प्रक्रिया में जुट गया है। पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे संभावित उम्मीदवारों की नजरें अब आरक्षण सूची पर टिकी हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि उनके पंचायत, वार्ड या जिला परिषद क्षेत्र में इस बार किस वर्ग के लिए सीट आरक्षित होगी और कौन-कौन चुनाव मैदान में उतर सकेंगे।

☞ **जून के अंत तक जारी हो सकती है आरक्षण सूची :-** राज्य निर्वाचन आयोग से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, जिला गजट प्राप्त होने के बाद पंचायतवार आरक्षण रोस्टर तैयार किया जा रहा है। उम्मीद है कि जून के अंतिम सप्ताह तक सभी पंचायतों की आरक्षण सूची जारी कर दी जाएगी। आरक्षण की प्रक्रिया पूरी तरह जनसंख्या के आंकड़ों पर आधारित होती है। इसी कारण आयोग ने पहले जनसंख्या से संबंधित आंकड़ों का सत्यापन कराया और अब उसी आधार पर आरक्षण का निर्धारण किया जा रहा है।

☞ **10 साल बाद बदलेगा आरक्षण चक्र :-** इस बार पंचायत चुनाव की सबसे बड़ी खासियत आरक्षण रोस्टर में बदलाव को माना जा रहा है। पिछले दो पंचायत चुनावों में अधिकांश क्षेत्रों में एक ही आरक्षण व्यवस्था लागू थी। वर्ष 2016 और 2021 के चुनावों में समान आरक्षण रोस्टर लागू किया गया था। पंचायती राज नियमों के अनुसार हर दो चुनाव यानी लगभग 10 वर्ष के बाद आरक्षण चक्र में व्यापक बदलाव किया जाता है। इसका मतलब है कि जो सीटें पहले अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग या महिला वर्ग के लिए आरक्षित थीं, वे इस बार सामान्य श्रेणी में आ सकती हैं। वहीं सामान्य सीटें किसी आरक्षित वर्ग के खाते में जा सकती हैं। यदि किसी प्रखंड में 10 पंचायत हैं तो उनमें से कई पंचायतों की आरक्षित श्रेणी बदल जाएगी। इससे चुनावी समीकरण भी पूरी तरह बदलने की संभावना है।

☞ **महिलाओं के आरक्षण में भी होगा बदलाव :-** बिहार पंचायत चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण पहले की तरह मिलता रहेगा। हालांकि महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों का निर्धारण भी रोटेशन के आधार पर किया जाएगा। उदाहरण के तौर पर यदि पिछली बार किसी पंचायत में मुखिया पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित था, तो इस बार वह सीट पुरुष सामान्य, पिछड़ा वर्ग या अन्य किसी श्रेणी की महिला के लिए आरक्षित हो सकती है। इससे कई नए चेहरे चुनावी मैदान में उतरने का अवसर पाएंगे।

☞ **छह पदों के लिए होगा चुनाव :-** पिछले चुनावों की तरह इस बार भी पंचायत चुनाव छह पदों के लिए कराए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) का उपयोग किया जाएगा। इन पदों में वार्ड सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, ग्राम कचहरी के पंच और सरपंच शामिल हैं। सभी पदों के लिए आरक्षण व्यवस्था लागू होगी और अधिकांश क्षेत्रों में रोटेशन के कारण बदलाव देखने को मिलेगा।

कुल मिलाकर बिहार पंचायत चुनाव 2026 में आरक्षण के नए रोस्टर और सीटों के बदलाव से राजनीतिक और सामाजिक समीकरण बदलते नजर आ सकते हैं। उम्मीदवारों के साथ-साथ मतदाताओं की निगाहें अब राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी होने वाली अंतिम आरक्षण सूची पर टिकी हुई हैं। ●

"केवल सच" राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका के 21वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

अरशद मदनी

अंचलाधिकारी, आमस

भारत-नेपाल सीमा पर यूक्रेन की महिला गिरफ्तार

● रवि रंजन मिश्र

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम के सहयोग से यूक्रेन की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार किया है। महिला पर बिना किसी वैध यात्रा और आव्रजन दस्तावेज के भारत में रहने तथा हरपुर बॉर्डर के रास्ते अवैध रूप से भारत-नेपाल सीमा पार कर नेपाल जाने का प्रयास करने का आरोप है।

☞ **सैनिक रोड के पास से पकड़ी गई :-** प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सीमा क्षेत्र में एक विदेशी महिला की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सैनिक रोड के समीप विशेष जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान महिला को रोककर उसके यात्रा और पहचान संबंधी दस्तावेजों की मांग की गई, लेकिन वह कोई वैध पासपोर्ट, वीजा अथवा अन्य आवश्यक आव्रजन दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में आरोप है कि महिला हरपुर सीमा के रास्ते भारत से

नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास कर रही थी।

☞ **गहन पूछताछ जारी :-** गिरफ्तारी के बाद महिला से गहन पूछताछ की जा रही है और पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह भारत में कब और किस माध्यम से पहुंची, किन-किन स्थानों पर रही और उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उसके पीछे किसी संगठित गिरोह या मानव तस्करी नेटवर्क की भूमिका तो नहीं है।

☞ **सीमा पर बढ़ाई गई निगरानी :-** सीमा सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि भारत-नेपाल सीमा पर लगातार निगरानी बढ़ाई गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विदेशी नागरिकों के आवागमन से संबंधित सभी मामलों में आव्रजन नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। किसी भी व्यक्ति को बिना वैध दस्तावेज के सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गिरफ्तार महिला के विरुद्ध संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और अन्य केंद्रीय एजेंसियां संयुक्त रूप से मामले के हर पहलू से जांच कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि जांच पूरी होने के बाद इस प्रकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। इस कार्रवाई को भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।●

अनुशासनहीन पुलिसकर्मियों पर हो रही लगातार कार्रवाई

● रवि रंजन मिश्र

चंपारण रेंज के DIG हरकिशोर राय एक बार फिर अनुशासन और जवाबदेही को लेकर अपने सख्त रुख के कारण चर्चा में हैं। पुलिस महकमे में कानून और विभागीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले अधिकारी के रूप में उनकी पहचान लगातार मजबूत हुई है। इसी कड़ी में भरत तिवारी एनकाउंटर प्रकरण में विवादों में आए निलंबित कॉन्स्टेबल आशीष तिवारी के खिलाफ भी उन्होंने कड़ा रुख अपनाया है। सूत्रों के अनुसार, DIG हरकिशोर राय ने आशीष तिवारी के खिलाफ लंबित विभागीय मामलों, उनके सेवा रिकॉर्ड और हालिया विवादों का आकलन करने के बाद पुलिस मुख्यालय को उन्हें सेवा से बर्खास्त किए जाने की सिफारिश भेजी

है। आशीष तिवारी पहले से ही दो गंभीर विभागीय मामलों में जांच का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2023 में उन पर एक महिला पुलिस अधिकारी पर चाकू से हमला करने का आरोप लगा था, जबकि वर्ष 2024 में पिपरा थाना में तैनाती के दौरान पुलिस अधिकारियों पर गोली चलाने के मामले में उनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। हाल ही में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में दिए गए विवादित बयान के बाद मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि आशीष तिवारी का भरत तिवारी से कोई पारिवारिक संबंध नहीं है। पुलिस महकमे के जानकारों का मानना है कि DIG हरकिशोर राय की कार्यशैली यह संदेश देती है कि अनुशासनहीनता या सेवा नियमों के उल्लंघन के मामलों में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी। अब इस मामले में अंतिम निर्णय पुलिस मुख्यालय द्वारा लिया जाना है।●

पांच लाख की फिरौती के लिए दो चचेरे भाइयों का अपहरण

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चंपारण के बेतिया शहर से दो चचेरे भाइयों के अपहरण और फिरौती मांगने का मामला सामने आया है. हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के महज चार घंटे के भीतर दोनों युवकों को सकुशल बरामद कर लिया. मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अपहरण में इस्तेमाल बाइक और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं. पुलिस के अनुसार, अपहरण के बाद परिजनों से पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी. पुलिस के मुताबिक 18 जून को नगर के द्वार देवी चौक स्थित एक कपड़ा दुकान के समीप से बाइक सवार चार-पांच लोगों ने श्रीनगर थाना क्षेत्र के पूजहा पटजिरवा निवासी अर्जुन कुमार और नीतेश कुमार को कथित रूप से अगवा कर लिया. दोनों युवक आपस में चचेरे भाई हैं. घटना के बाद परिजनों के पास फिरौती की मांग पहुंची, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा. अर्जुन कुमार के भाई मंटू कुमार की शिकायत पर नगर थाना में मामला दर्ज किया गया. दो युवकों के एक साथ अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया. पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया. एसपी के निर्देश पर सदर-वन एसडीपीओ अजीत कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई. टीम में नगर थाना, मनुआपुल थाना और जिला आसूचना इकाई के पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया.

तकनीकी और मैन्युअल जांच के आधार पर पुलिस ने मनुआपुल थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दोनों युवकों को सकुशल बरामद कर लिया. पुलिस ने कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार लोगों की पहचान मनुआपुल थाना क्षेत्र के छावनी निवासी सिद्धार्थ प्रियदर्शी, मोनू कुमार, चंदन कुमार और बिट्टू राज के रूप में हुई है. पुलिस ने उनके कब्जे से अपहृत युवकों की एक बाइक, घटना में इस्तेमाल दो बाइक और छह मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं. एसपी डॉ. शौर्य सुमन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि नीतेश कुमार से कथित रूप से उगाही करने के उद्देश्य से इस वारदात को अंजाम दिया गया. हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच जारी है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. एसपी ने कहा कि अपहरण जैसे गंभीर मामले का त्वरित खुलासा कर दोनों युवकों को सुरक्षित बरामद करने वाली पुलिस टीम को पुरस्कृत किया जाएगा. इस अभियान में एसडीपीओ अजीत कुमार, नगर थानाध्यक्ष धीरज कुमार समेत कई पुलिस अधिकारी और जवान शामिल रहे. ●

ललिता देवी ने किया माँ की ममता को तार-तार

● रवि रंजन मिश्र

दिनांक-23/06/26 को पूर्वाह्न लगभग 10:05 बजे दूरभाष के माध्यम से सुचना मिला कि चनपटिया थाना अंतर्गत बरोहिया नहर में एक बच्ची का शव नहर में तैर रहा है जिसको स्थानीय लोगो द्वारा निकालकर सुचना दिया गया। थाना द्वारा मृत अज्ञात बच्ची को GMCH बेतिया पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। अज्ञात मृत बच्ची का नाम अंशु कुमारी उम्र 04 वर्ष पे० रामबाबू यादव सा० भंगहा थाना कुमारबाग जिला प० चम्पारण बेतिया बताया गया। पुन: समय 15:52 बजे सुचना मिली कि दो और बच्चा का शव बरोहिया नहर के पास स्थानीय लोगो द्वारा निकालकर रखा गया था। घटनास्थल पर प्रियांशु कुमारी उम्र 04 माह एवं नितेश कुमार उम्र 03 वर्ष दोनों पे० रामबाबू यादव सा० भंगहा थाना कुमारबाग जिला प० चम्पारण बेतिया के शव को कब्जे में करके पोस्टमार्टम हेतु GMCH बेतिया भेजा गया द्यप्रारंभिक पूछ ख्ताछ के क्रम में ललिता देवी के द्वारा बताया गया कि उनके पति के द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है। पति रामबाबू से पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर यह बात पता चला कि उनकी पत्नी भोर में ही तीनों बच्चों के साथ घर से निकल गई जब यह सोए हुए थे । ललिता देवी से कड़ाई से पूछने पर पता चला कि लगभग 3:00 बजे भोर में तीनों बच्चों को लेकर नहर के रास्ते मायके को निकल गई। हरपुर पहुंचकर तीनो बच्चो को नहर में फेंक दिया एवं खुद भी कूद गई। सभी बच्चों की मृत्यु इनके द्वारा नहर में फेक देने (डूब जाने) के कारण हुआ । इस सन्दर्भ में चनपटिया थाना कांड स० - 231/ 26 दि० 23/06/26 धारा 103 (1) BNS दर्ज किया द्य इस कांड में राम बाबु कि पत्नी ललिता देवी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।●

योजना है तो असर भी दिखना चाहिए

● अनामिका कुमारी (स्वतंत्र पत्रकार)

घर के दरवाजे पर लगा एक सरकारी नल अक्सर विकास की तस्वीर माना जाता है। लेकिन अगर उस नल से महीनों तक एक बूंद पानी भी न निकले, तो वह सुविधा का प्रतीक नहीं, बल्कि अधूरे वादे की याद बन जाता है। भारत में हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुँचाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर योजनाएं लागू की गई। करोड़ों रुपये खर्च हुए, लाखों किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई और करोड़ों घरों तक नल कनेक्शन पहुँचाने का दावा किया गया। इसके बावजूद बिहार के कई ग्रामीण इलाकों में महिलाएं आज भी सिर पर बाल्टी लेकर हैंडपंपों की कतार में खड़ी दिखाई देती हैं। यह समस्या केवल पानी की कमी की नहीं है, बल्कि उस विकास की है जो कागजों पर तेजी से आगे बढ़ा, लेकिन जमीन पर कई जगह अब भी अधूरा है।

इसका एक छोटा सा उदाहरण सीतामढ़ी जिले के रामनगरा गांव का वार्ड संख्या 12 है। जहां की रहने वाली 38 वर्षीय विमला देवी बताती हैं कि उनके वार्ड के सभी घरों तक अब तक नल-जल योजना नहीं पहुंच सकी है। वह कहती हैं, 'जब योजना शुरू हुई थी, तब लगा था कि अब पानी ढोने की परेशानी खत्म हो जाएगी। लेकिन आज भी कई घर ऐसे हैं जहाँ नल नहीं लगा है। हमें पहले की तरह हैंडपंप से ही पानी लाना पड़ता है।' उनके अनुसार सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को होती है क्योंकि घर के लिए पानी लाने की जिम्मेदारी अब भी मुख्य रूप से उन्हीं के हिस्से आती है। गर्मी हो या बरसात, दिन की शुरुआत पानी की तलाश से ही होती है। गांव के ही वार्ड संख्या 11 की 61 वर्षीय रामरती देवी की परेशानी कुछ अलग है। उनके घर में नल तो लगा है, लेकिन उसमें पानी कभी नहीं आया। वह बताती हैं, 'करीब तीन महीने पहले हमारे वार्ड में नल लगाए गए। लगभग सभी घरों में कनेक्शन भी हो गया, लेकिन आज तक एक दिन भी पानी नहीं आया। इसलिए आज भी हम आसपास के हैंडपंपों से पानी भरते हैं।' उनके लिए सबसे बड़ी निराशा यह है कि सरकार की योजना उनके दरवाजे तक तो पहुँची, लेकिन उसका वास्तविक लाभ नहीं पहुँचा। वार्ड संख्या 10 की 65 वर्षीय रामपरी देवी बताती हैं कि उनके वार्ड में कुल 35 घर हैं, लेकिन केवल 16 घरों में ही नल लगाए गए हैं। बाकी परिवार अब भी योजना के इंतजार में हैं। वह कहती हैं, 'जिन घरों में नल लगा है, वहां जाकर पानी भरना पड़ता है। पानी थोड़ी देर के लिए आता है, इसलिए काफी भीड़ लग जाती है। कई बार हमारी बारी आने से पहले ही सप्लाई बंद हो जाती है, फिर मजबूरी में हैंडपंप का सहारा लेना पड़ता है।' वह बताती हैं कि इलाके के कई हैंडपंपों का पानी आर्सेनिक युक्त होने की आशंका रहती है। ऐसे पानी के इस्तेमाल से बच्चों के बार-बार बीमार पड़ने का डर बना रहता है। सुरक्षित पेयजल का अधिकार तब तक अधूरा है, जब तक लोगों को स्वच्छ और नियमित पानी उपलब्ध न हो। यह संकट केवल घरेलू कामकाज तक सीमित नहीं है। इसका असर किशोरियों के स्वास्थ्य और सम्मान पर भी पड़ता है। गांव की 17 वर्षीय किंजल बताती है, 'माहवारी के दौरान दूर से पानी लाना बहुत मुश्किल हो जाता है। कई बार दर्द की वजह से समय पर पानी नहीं ला पाते। अगर घर में हर समय पानी मिले तो बहुत राहत होगी।' स्वच्छता, स्वास्थ्य और मासिक धर्म प्रबंधन की चर्चा तब तक अधूरी है, जब तक घरों में पर्याप्त पानी उपलब्ध न हो।

बिहार सरकार ने वर्ष 2016 में सात निश्चय कार्यक्रम के तहत 'हर घर नल का जल' योजना शुरू की थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यशील नल कनेक्शन उपलब्ध कराना था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जून 2026 तक बिहार के अधिकांश ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन पहुँचाने का दावा किया गया है और राज्य की कवरेज लगभग 97 प्रतिशत के आसपास बताई जाती है। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 81.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के पास कार्यशील नल कनेक्शन होने की जानकारी दी गई है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि केवल कनेक्शन देना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी जब हर घर में नियमित, पर्याप्त और सुरक्षित पानी भी पहुँचे। सीतामढ़ी का रामनगरा गांव इस अंतर को साफ दिखता है। सरकारी रिकॉर्ड में यदि किसी घर तक पाइप और नल पहुँच गया है तो उसे योजना से आच्छादित मान लिया जाता है। लेकिन यदि उसमें पानी नहीं आता, यदि आधे घर अब भी योजना से बाहर हैं या यदि लोग आज भी हैंडपंपों पर निर्भर हैं, तो आँकड़ों की सफलता लोगों के जीवन में दिखाई नहीं देती। यही कारण है कि सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर अब भी कई गांवों में महसूस किया जा सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जल संकट का सबसे अधिक असर महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है। पानी लाने में रोज का समय और श्रम उनकी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता है। सुरक्षित पानी उपलब्ध न होने से दस्त, त्वचा रोग और जल जनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में नल-जल योजना केवल एक आधारभूत सुविधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता और सम्मानजनक जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अधिकार है। आज जरूरत केवल नए नल लगाने की नहीं, बल्कि पहले से स्थापित योजनाओं को पूरी क्षमता से चालू रखने की है। जिन वार्डों में अब तक कनेक्शन नहीं पहुँचे हैं, वहाँ प्राथमिकता के आधार पर काम पूरा किया जाए। जहाँ नल लगे हैं लेकिन पानी नहीं आ रहा, वहाँ समयबद्ध मरम्मत और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर नियमित निगरानी, पानी की गुणवत्ता की जांच और समुदाय की भागीदारी बढ़ाई जाए। क्योंकि किसी भी योजना की असली सफलता सरकारी फाइलों में दर्ज प्रतिशत से नहीं, बल्कि उस दिन से मापी जाएगी जब सीतामढ़ी की विमला देवी, रामरती देवी, रामपरी देवी और किंजल जैसी महिलाओं और किशोरियों को पानी के लिए हर सुबह संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।●

भरत तिवारी मामले में निष्पक्ष जांच की मांग

● गुड्डू कुमार सिंह

भाकपा-माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य बुधवार को भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड स्थित बिलौटी गांव पहुंचे, जहां उन्होंने भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद आरा स्थित पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार पर कई मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। प्रेस वार्ता में दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि आज बिहार और पूरे देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून के राज और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार न्यायिक प्रक्रिया के बजाय एनकाउंटर, बुलडोजर कार्रवाई और दमनात्मक नीतियों को शासन का मॉडल बना रही है, जो लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विधानसभा से लेकर सड़क तक इस नीति का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगी।

बिलौटी गांव के दौरे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भरत तिवारी की बहन ने आरोप लगाया है कि मामले में दोषियों को बचाने तथा जांच को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने मांग की कि प्रभावशाली लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जांच पूरी होने तक संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार लोगों को तत्काल निलंबित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी अपराध या घटना को जातीय दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। चाहे भरत तिवारी का मामला हो, राजगीर के दलित युवक की घटना हो या किसी अन्य समुदाय का पीड़ित, सभी को समान न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने मॉब लिंचिंग और मंदिर में प्रवेश को लेकर हुई हिंसक घटनाओं को सभ्य समाज के लिए चिंता का विषय बताया।

दीपंकर भट्टाचार्य ने महंगाई, बेरोजगारी, मनरेगा, नए श्रम कानून और लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि देश का युवा रोजगार और बेहतर शिक्षा की मांग कर रहा है, लेकिन उसे बेरोजगारी और परीक्षा घोटालों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर आंदोलन कर रहे छात्र संगठनों का समर्थन करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने राम मंदिर निर्माण के नाम पर कथित चंदा और भूमि घोटालों के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग की। उनका कहना था कि करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए।

भाकपा-माले महासचिव ने घोषणा की कि आने वाले दिनों में 'दाम बांधो, काम दो', 'बुलडोजर राज खत्म करो', 'कानून का राज स्थापित करो' और 'लोकतंत्र बचाओ' जैसे मुद्दों को लेकर व्यापक जनआंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने बिहार की जनता से 4 जुलाई को मॉब लिंचिंग, कथित फर्जी मुठभेड़ों, बुलडोजर कार्रवाई, पुलिस दमन, बेरोजगारी और महंगाई के विरोध में आयोजित राज्यव्यापी विरोध दिवस में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील भी की।●

3500 रूपये रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में भोजपुर जिले के गड़हनी अंचल कार्यालय में तैनात एक राजस्व कर्मचारी को 3,500 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार कर्मी की पहचान जितेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो अंचल कार्यालय गड़हनी, जिला भोजपुर में कार्यरत हैं। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना की मुख्यालय टीम ने निगरानी थाना कांड संख्या-074/26 के तहत यह कार्रवाई मंगलवार को की। ब्यूरो से मिली जानकारी के अनुसार, 22 जून 2026 को दर्ज प्राथमिकी में एड़ौरा गांव

निवासी रामदेव राम ने शिकायत की थी कि राजस्व कर्मचारी द्वारा उनके जमीन संबंधी कार्य के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही है।

शिकायत मिलने के बाद निगरानी ब्यूरो ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें आरोप सही पाया गया। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक गौतम कृष्ण के नेतृत्व में गठित धावादल ने मंगलवार को गड़हनी अंचल कार्यालय परिसर से जितेंद्र कुमार को 3,500 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें पूछताछ के लिए निगरानी कार्यालय, पटना ले जाया गया, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।●

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के गड़हनी बाजार में इन दिनों कथित 'अपाची गैंग' का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक सप्ताह के भीतर मोबाइल झपटमारी और चोरी की कई घटनाओं ने बाजार के कारोबारियों, स्थानीय निवासियों और राहगीरों की चिंता बढ़ा दी है। लगातार हो रही वारदातों के कारण लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अपराधी अपाची बाइक पर सवार होकर बाजार और आसपास के इलाकों में घूमते हैं। मौका मिलते ही वे पैदल चल रहे लोगों या बाइक सवारों की जेब से मोबाइल झपट लेते हैं और तेज रफ्तार से फरार हो जाते हैं। वारदात इतनी तेजी से होती है कि पीड़ित कुछ समझ पाते, उससे पहले ही अपराधी आंखों से ओझल हो जाते हैं। जानकारी के मुताबिक, हाल के दिनों में गड़हनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के कर्मी सोनू कुमार, गड़हनी निवासी प्रकाश केशरी और शुभम कुमार समेत कई लोग इस गिरोह का शिकार बन चुके हैं। पीड़ितों का कहना है कि दिनदहाड़े हो रही इन घटनाओं से आम लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। लगातार हो रही झपटमारी की घटनाओं के बावजूद अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से स्थानीय लोगों में पुलिस की कार्यशैली को लेकर नाराजगी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस गिरोह पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो बाजार में अपराध की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से गड़हनी बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों में नियमित गश्ती बढ़ाने, संदिग्ध बाइक सवारों की सघन जांच करने तथा झपटमार गिरोह की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है, ताकि लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम हो सके।●

चाचा-भतीजे पर ताबड़तोड़ फायरिंग

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र में बुधवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े खूनी वारदात को अंजाम देकर सनसनी फैला दी। सिविल कोर्ट से गवाही देकर घर लौट रहे चाचा-भतीजे पर बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

☞ **अपहरण मामले में गवाही देकर लौट रहे थे दोनों :-** प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों चाचा-भतीजे बुधवार को आरा सिविल कोर्ट में अपहरण के एक मामले में गवाही देने पहुंचे थे। कोर्ट की प्रक्रिया पूरी करने के बाद वे पचौना बाजार होते हुए अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

☞ **मृतक और घायल की पहचान :-** मृतक की पहचान कोइलवर थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर गांव निवासी सहदेव राय के 40 वर्षीय पुत्र सूरज राय के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक सुदर्शन राय के 22 वर्षीय पुत्र दीपक राय हैं, जिन्हें पैर में गोली लगी है। उनका इलाज आरा सदर अस्पताल में चल रहा है।

☞ **घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस :-** घटना की सूचना मिलते ही कोइलवर थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा तथा मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी।

☞ **क्या बोले थानाध्यक्ष :-** कोइलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि बदमाशों द्वारा दो लोगों को गोली मारे जाने की सूचना मिली थी। घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि दूसरे के पैर में गोली लगी है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

☞ **जांच में जुटी पुलिस :-** पुलिस घटना के पीछे की वजह, आपसी विवाद और गवाही से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।●

उत्पाद विभाग के दो एएसआई समेत छः गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले में पिछले करीब 10 महीने से लापता युवक सनोज कुमार के मामले में पटना हाईकोर्ट की सख्ती के बाद बड़ा प्रशासनिक एक्शन देखने को मिला है। भोजपुर पुलिस ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के दो एएसआई, होमगार्ड के तीन जवान और एक निजी चालक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपितों में सारण जिले के अमनौर थाना क्षेत्र के पकड़ी डीह निवासी एएसआई वीरेंद्र कुमार सिंह, रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी एएसआई राजकुमार, बिहिया थाना क्षेत्र के पकड़ी निवासी राजू सिंह, समरदह निवासी धर्मेंद्र पासवान, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धमार निवासी उमेश यादव (तीनों होमगार्ड जवान) तथा उदवंतनगर थाना क्षेत्र के असनी गांव निवासी निजी चालक विकास सिंह शामिल हैं। पूछताछ के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। भोजपुर के पुलिस अधीक्षक राज ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि जांच के दौरान उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के कर्मियों के पास से लापता युवक सनोज कुमार का एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। हालांकि, उसका दूसरा मोबाइल अभी तक बरामद नहीं हो सका है। एसपी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

गायब युवक
सनोज कुमार
गंज निवासी, बिहिया

☞ **क्या है पूरा मामला? :-** जानकारी के अनुसार, 13 जुलाई 2025 को भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के धरहरा गांव में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की टीम शराब के खिलाफ छापेमारी करने पहुंची थी। इसी दौरान गंज निवासी सनोज कुमार (पिता-गौरी शंकर राम) को टीम अपने साथ लेकर गई। इसके बाद से वह रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया और आज तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। घटना के अगले दिन, 14 जुलाई 2025 को सनोज कुमार के पिता गौरी शंकर राम ने बिहिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दूसरी ओर, उत्पाद विभाग का दावा था कि सनोज कुमार उनकी कस्टडी से भाग गया था। हालांकि, इस कथित फरारी को लेकर विभाग की ओर से कोई अलग प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई, जिससे पूरे मामले पर सवाल उठते रहे।

☞ **हाईकोर्ट की सख्ती के बाद कार्रवाई :-** मामले की सुनवाई के दौरान पटना हाईकोर्ट ने जांच की प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई थी। इसके बाद जांच में तेजी लाई गई और भोजपुर पुलिस ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। लापता युवक का दूसरा मोबाइल बरामद करने और उसके साथ क्या हुआ, इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है।●

उप प्रमुख पति का शव बरामद

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नारायणपुर-चवरिया गांव के बधार से सोमवार को गड़हनी प्रखंड की उप प्रमुख के पति का शव बरामद किया गया। मृतक 45 वर्षीय संजीत कुमार उर्फ टनटन, गड़हनी थाना क्षेत्र के बगवा गांव निवासी कपिल देव सिंह के पुत्र थे। उनकी पत्नी पुष्पा देवी गड़हनी प्रखंड की उप प्रमुख हैं। मृतक के मुंह से झाग निकलता पाया गया है। सड़क किनारे उनकी बाइक लावारिस हालत में बरामद की गई है। जेब से मोबाइल भी मिला है।

☞ **रविवार दोपहर निकले थे घर से :-** एफएसएल टीम घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित कर रही है। पुलिस तकनीकी रूप से भी मामले की जांच कर रही है। पीरो एसडीपीओ केके सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की गहराई से तफ्तीश कर रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बगवा गांव निवासी संजीत कुमार उर्फ टनटन रविवार की दोपहर घर से बाइक लेकर निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे। रात करीब नौ बजे स्वजन से बातचीत के दौरान उन्होंने किसी शादी समारोह में होने की बात कही थी। देर रात तक घर नहीं लौटने पर स्वजन ने खोजबीन शुरू की, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

मृतकः संजीत कुमार उर्फ टनटन (45 वर्ष)
गड़हनी उप प्रमुख के पति

☞ **सड़क से थोड़ी दूर खेत में पड़ा था शव :-** खोजबीन के दौरान नारायणपुर-चवरिया मार्ग के किनारे उनकी बाइक लावारिस हालत में बरामद की गई। सोमवार को सड़क से करीब 50 मीटर अंदर बधार से उनका शव बरामद किया गया। शव मिलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्वजन, ग्रामीण और सगे-संबंधियों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। बाद में जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम को बुलाया गया।●

सड़क हादसे में सास-दामाद की दर्दनाक मौत

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। नासरीगंज-सकड्डी स्टेट हाईवे पर नसरपुर गांव के समीप बालू लदे एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार सास और दामाद को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों नवजात पोते को देखने के लिए जा रहे थे।

☞ **ट्रक के नीचे फंसकर दूर तक घिसटते रहे दोनों :-** प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सास और दामाद ट्रक के नीचे फंस गए और काफी दूर तक घिसटते चले गए। हादसे का दृश्य इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोगों की रूह कांप उठी। स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

☞ **परिवार में मचा कोहराम :-** घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में चीख-पुकार मच गई। जिस घर में नवजात के जन्म की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहां इस दर्दनाक हादसे की खबर पहुंचते ही मातम छा गया। पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

☞ **आक्रोशित ग्रामीणों ने किया हाईवे जाम :-** हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने दोनों शवों को सड़क पर रखकर नासरीगंज-सकड्डी स्टेट हाईवे जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने ट्रक चालक की तत्काल गिरफ्तारी, कड़ी कानूनी कार्रवाई तथा मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

☞ **पुलिस ने ट्रक जब्त किया, चालक की तलाश जारी :-** सूचना मिलते ही संदेश थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने हादसे में शामिल बालू लदे ट्रक को जब्त कर लिया है, जबकि चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।●

सड़क हादसे में जान गंवाने वाले दंपति से मिले पूर्व विधायक

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के गड़हनी प्रखंड अंतर्गत बहरी गांव में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले दंपति के परिजनों से पूर्व विधायक शिव प्रकाश रंजन ने मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया और सरकार से परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा उचित मुआवजा देने की मांग की। पूर्व विधायक ने कहा कि यह घटना अत्यंत हृदयविदारक है और इस दुख की घड़ी में वे पूरी तरह पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हादसा प्रशासन की लापरवाही का परिणाम है। उनके अनुसार, जिस सड़क पर दुर्घटना हुई वह सिंगल लेन सड़क है, जहां भारी वाहनों का परिचालन नियमों के विरुद्ध है। इसके बावजूद संबंधित थाना की मिलीभगत से इस मार्ग पर लगातार भारी वाहनों का आवागमन हो रहा है। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी (SDM) से फोन पर बात कर इस मार्ग पर तत्काल भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने की मांग की।

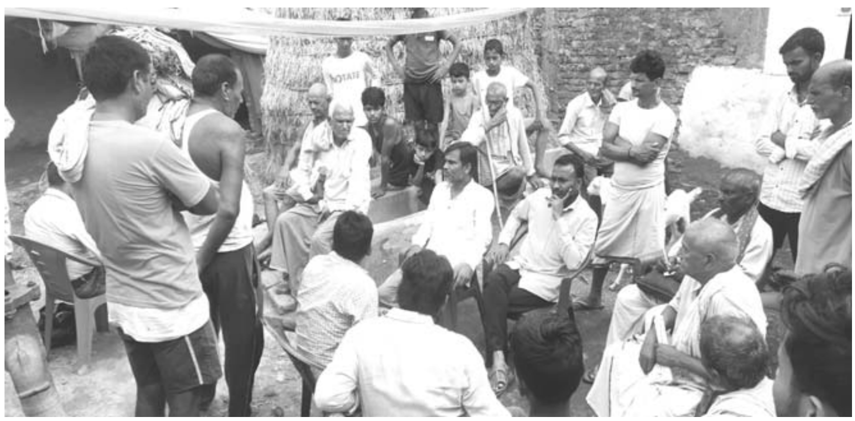

शिव प्रकाश रंजन ने कहा कि मृतक अर्जुन पाल (28 वर्ष) और उनकी पत्नी रानी पाल (27 वर्ष) ही परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार पर आर्थिक और सामाजिक संकट गहरा गया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए और उचित आर्थिक मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीड़ित परिवार को आठ लाख रुपये का ऐसा चेक दिया गया, जिसे भुनाया ही नहीं जा सकता। उनका कहना था कि इस प्रकार का चेक देकर प्रशासन ने मामले को शांत करने और पीड़ित परिवार की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक परिवार को न्याय और उचित मुआवजा नहीं मिलेगा, तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी। गौरतलब है कि 30 जून 2026 की सुबह बालबांध सूर्य मंदिर के समीप हुए भीषण सड़क हादसे में बहरी गांव निवासी अर्जुन पाल और उनकी पत्नी रानी पाल की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई थी। इस दौरान भाकपा-माले प्रखंड सचिव राम छपित राम, माले नेता रामायण यादव, आइसा के राज्य सचिव शबीर कुमार, भाकपा-माले जिला कमिटी सदस्य आनंद कुमार, छात्र नेता मुकेश पाल सहित कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।●

दॉवा से निकली सितारा, अब बनेंगी समाज का सहारा : सुषुमलता

● बिन्ध्याचल सिंह

'जज्बा व स्व-अध्ययन'' ये दोनो शब्द, सुनने में साधारण है परन्तु इन दोनो शब्दो को परिभाषित करना ''पत्थर पर दुब जमानें'' जैसा है। परन्तु इन शब्दो को परिभाषित कर बौना साबित करने वाली बेटी सुश्री मनीषा पटेल 70वी बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा उर्तीण कर साबित कर दी। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि लव-कुश समीकरण से आनेवाली मनीषा पटेल भोजपुर जिला के जगदीशपुर अनुमंण्डल सह प्रखण्ड के दॉवा पंचायत के दॉवा गॉव के मध्यमवर्गीय परिवार की एकलौती पुत्री है। जिन्होंनेबिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा उर्तीण की है। उपरोक्त में उद्धत शब्द ''जज्बा व स्व-अध्ययन का तात्पर्य यह है कि सुश्री मनीषा पटेल प्राथमिक शिक्षा से लेकर बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा उर्तीण होने तक होम ट्रयूशन नही की है, इसकी जानकारी सुश्री पटेल के पिताजी श्री रामजी चौधरी ने केवल सच प्रतिनिधि को अपने आवास पर दी। श्री चौधरी जी पंडित बिन्देश्वरी दूबे महाविद्यालय कटेयॉ रोड बिहिया में प्राचार्य के पद पर कार्यरत है। संयुक्त परिवार

में पली-बढी सूश्री मनीषा पटेल का जन्म 08-09-2000 को दावॉ में हुआ है। प्राथमिक शिक्षा विवेकानन्द पब्लिक स्कूल 'दावॉ' बिहिया से सी बी एस ई बोर्ड 10 सीजीपीए से मैट्रिक की परीक्षा पास की। इंटरमिडिएट विज्ञान संकाय जवाहर नवोदय विद्यालय चौरसिया, कैमूर से 92 प्रतिशत जिला टॉपर की, इसी पढाई के बल से ''जी'' मेन्स की परीक्षा पास कर नीट अगरतल्ला/त्रिपुरा से 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ब्रांच टॉपर में गोल्ड मेंडल प्राप्त किया।वही से बेरकी इंजीनियरिग लिमिटेड, पूना महाराष्ट्र से 18 महीना नौकरी भी की है। इसके बाद प्रशासनिक सेवा की तैयारी की, जिसका प्रतिफल आज मिला है एस डी एम का पद। संक्षेप में-बताते चले कि श्री रामजी चौधरी का परिवार एक संयुक्त परिवार है जहॉ आपसी प्रेम, भाईचारा व ग्रामीण चौपाल का नजारा देखने को मिलता है। जानकारी के अनुसार उनके भाई श्री मन्जी चौधरी राजनितिक पार्टी ''जद'' ''यू'' के कई प्रतिष्ठित पद को सुशोभित कर चुके है, लेकिन वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी में विधनसभा संयोजक है। वही उनकी धर्मपत्नी श्रीमति सुषुमलता मुखिया जनप्रतिनिधि के रूप में विगत दस वर्षो से दॉवा पंचायत की जनता का सेवा करती आ रही है। दॉवा पंचायत का विकास का जिक्र जितना भी किया जाय कम है यही मुख्य कारण है कि बिहार के इतिहास में दस बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने वाले व सुशासन बाबू जैसे शब्द से नवाजे गये बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्री नितिश कुमार ने अपने कार्यकाल में दो बार बाबु कुॅवर सिंह की धरती जगदीशपुर में दस्तक दिये थे।●

'हम' के जिलाध्यक्ष की कर्तव्यनिष्ठता

● बिन्ध्याचल सिंह

प्रतिभा के धनी, परमार्थी सोच एवं अपने व्यक्तित्व की एक अलग पहचान रखने वाले मॉ डुॅमरेजनी की पावन धरती डुमरॉव में पले-बढे श्री रिषि कुमार राय 38 बसंत का आनन्द ले चुके है। जिसकी जानकारी इंजिनियर सुरेन्द्र सिंह ग्राम-इन्दौर प्र्रखण्ड-इटाढी ने केवल सच प्रतिनिधि को दी। इंजिनियर सुरेन्द्र सिंह हिन्दुतान आवाम मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष के रूपमें आम जनता की सेवा कर रहे है। जबकि हिन्दुतान आवाम मोर्चा के जिला प्रभारी के रूप में श्री अभिषेक नारायण पाण्डेय विगत एक साल से आम जनता की सेवा करते आ रहे है। नवनिर्वाचित हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री रिषि कुमार राय से लगभग 45 मिनट की बातचीत से केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी प्राप्त हुई कि श्री रिषि कुमार राय,राजनितिक जीवन के 16 बसंत का आनन्द ले चुके श्री राय जी राजनितिक जीवन का पहला कदम वर्ष-2010 में परमार्थी सोच के साथ रखे, जिसमें उनका पहला कार्य गरीबो को भरपेट भोजन व तन पर कपडा का व्यवस्था करना था जो वर्ष-2010 से वर्तमान तक चलता आ रहा है, और चलता रहेगा। जैसा की सूत्रो से केवल सच को जानकारी मिलती रहती है। रोटी व कपडा के वितरण के कार्य का सफलता देख श्री राय जी वर्ष-2015 में रोटी क्लब की स्थापना किये। रोटी की व्यवस्था श्री राय जी अपनी व्यक्तिगत मद से करते है जबकि कपडे की व्यवस्था के लिये उन अमीरो के घर में दस्तक देते है जहॉ अपनी थोडी पुरानी कपडे कही बेवजह फेंक देते है। या अपनी घर में रखे रहते है,उन्ही सब कपडो को मॉग कर आम गरीबो जरूरतमंद लोगो के बीच वितरित करते आ रहे है। रोटी व कपडे की वितरण जिले के डुमरॉव व बक्सर रेलवे स्टेशन पर विशेष रूप से की जाती है। श्री राय जी 2012 में आर एस एस एवं 2015 में बजरंग दल में शामिल हुये। वही विश्व हिन्दु परिषद् के प्रखण्ड अध्यक्ष वर्ष-2016 में नियुक्त किये गये। जबकि वर्ष-2024 में चुनाव प्रभारी भी रहे चुके है।घ श्री रिषि कुमार राय की बढती जनमानस व कर्तब्यनिष्ठता को हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा के सुप्रीमो ने एक बहुत बडी जिम्मेवारी की फैसला लिया और अंतत: 05 जुन 2026 को जिले की कमान सौप दी। जिनकी निर्वाह श्री राय जी खबर लिखे जाने तक बखुबी से निभा रहे है। ●

पानी को पानी-पानी करता सरकार की महत्वकांक्षी योजना

हर घर-नल का जल

● बिन्ध्याचल सिंह

बिहार सरकार ने अपने बिहारवासियो को पीने की पानी की दिक्कत न हो इसके लिये सरकार ने महत्वकांक्षी योजना ''हर घर-नल का जल'' चलाई। इस योजना की क्रियान्वयन पंचायती राज विभाग व लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा की गई थी। इन दोनो विभागो के माध्यम से पुरे बिहार के प्रत्येक पंचायत के सभी वार्डो में हर घर-नल का जल योजना संचालित की गई है। जिला प्रशासन के द्वारा दिनांक 08 जून 2026 को जिले में हर घर-नल का जल से सम्बन्धित जानकारी मिली। जिसमें जिले के कई पदाधिकारीयो के द्वारा निरीक्षण किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार केसठ, कठार खुर्द वार्ड नम्बर-17 राजपुर, पत्खौलिया, नियाजीपुर, प्रताप सागर, रामपुर इत्यादि था। जब प्राप्त जानकारी के आलोक में केवल सच ने ब्रहम्मपुर प्रखण्ड के कई पंचायतो का निरीक्षण, हर घर-नल का जल योजना से सम्बन्धित किये तो पाया गया कि जल की टंकी जमीन पर घायल अवस्था में पडी है। कई पंचायतो में हर घर-नल का जल एक शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। ग्रामिणो के कथानानुसार इस योजना के माध्यम से हमलोगो को पानी भी नसीब नही हुई है। वही इटाढी प्रखण्ड के इन्दौर पंचायत के वार्ड नम्बर-04 और वार्ड नम्बर-06 की हालत भी कुछ ऐसी ही है। जिले मे हर घर--नल का जल की बात की जाय तो औसतन जिले के कुल वार्ड में संचालित हर घर--नल का जल 50 प्रतिशत योजना सुचारू रूप से संचालित हो रही है, बाकि शोभा की वस्तु बनी हुई है। जिस वार्ड में हर घर- नल का जल योजना सचालित हो रही है। वहाँ पानी की बर्बादी भी अधिक हो रही है। जिससे उस वार्ड में रहने वाले आम जनता की लापरवाही का प्रमाण भी है क्योकि लोगो की सोच है कि ये तो सरकारी पानी है। जिससे बर्बाद होते लोग देखते ही रहते है। कोई भी जिम्मेवार नागरिक पानी का नल बन्द नही करता है। जिससे सडक पर पानी बेवजह बर्बाद होती रहती है जिसका प्रमाण ब्रहम्मपुर प्रखण्ड अन्तर्गत पुछारी गॉव में अधिकतर देखने को मिलता है। जल बर्बादी का दुसरा नाम अगर हर घर - नल का जल कहा जाय तो औतिच्य नही होगा। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि बक्सर जिला में कुल जल बर्बादी का एक बहुत बडा भाग केवल समाहरणाय परिसर में स्थित ग्रामिण विकास अभिकरण और पुलिस अधीक्षक कार्यालय के छत से प्रत्येक कार्य दिवस के दिन होता रहता है। जिसका कोई भी जिम्मेवार न तो पदाधिकारी है और न ही कोई कर्मचारी।●

अतिक्रमण की दबंगई के कारण तडका नाला हुआ संकीर्ण

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर शहर में बहनेवाली नालाओ में तडका नाला सबसे बड़ी नाला है, जिसका उद्गम बिन्दु कोईपुरवा के छोटी-छोटी नालीयो से हुआ है जो नगर परिषद बक्रार के पश्चिम ओर से होण्ड पहवा के नीचे से गुजरती हुई गंगा नदी में मिलती है। जिसकी लम्बाई लगभग 400-500 सौ मीटर है जबकि चौडाई लगभग 50-60 फीट है उपयुक्त बात की जानकारी केवल सच प्रतिनिधि को समाजसेवीयों ने दी । तडका नाला की सफाई, केवल कार्यालय के फाईल तक ही सीमित रहते आ रहा है। इतना ही तडका नाला पर कई व्यवसायी व गृह स्वामियो के द्वारा अतिक्रमण किया गया है जिसका प्रमाण होण्डा पहवा के समीप आप अपनी नंगी आँखो से देख सकते है। वैसे तडका नाला पर अतिक्रमण करने वाले आम जनता की कोई कसूर नही, क्योकि नगर परिषद की असीम कृपा रहती है। जिसकी जानकारी प्रतिनिधि को एक नगर परिषद् के कर्मचारी ने दी। हालांकि अपना नाम नही छपने की बात कही। शहर की विशेष सफाई के नाम पर सरकारी खजाना को सफाई करने वाले नगर परिषद में कई कर्मचारियो की अहम भुमिका रहती है। नगरवासियो की माने तो तडका नाला पर ईमानदारी से निर्माण व सौदर्याकरण कर नाले के उपर यदि कटरा का निर्माण किया जाये तो नगर परिषद् को आने वाले कल में अच्छी आय का स्त्रोत हो सकता है । परन्तु ऐसा 2027 तक सम्भव नही है क्योकि कुछेक ईमानदार कर्मचारियो, जिनके पास आय से ज्यादा सम्पति भी हो सकती है, जो जॉच का विषय है, के सेवानिवृत होने के बाद ही नगर परिषद् अपनी भविष्य सुधार सकता है। वरना 2027 के पहले ऐसी सोचना बेईमानी होगी। वर्ष 2026 में कम से कम नगर परिषद् अमीन से तडका नाला की लम्बाई व चौडाई का मॉग मौखिक की परन्तु अमीन ने अपनी असमर्थता दिखाई। इसकी जानकारी अगले अंक में दी जायेगी।●

''केवल सच'' राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका के 21वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

डॉ. अमित कुमार

चिकित्सा पदाधिकारी
स्वास्थ्य केंद्र, डोभी

मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट के मेधावी विद्यार्थियों को मिला सम्मान

● गुड्डी साव

चान्हो प्रखंड मुख्यालय परिसर में 4 जुलाई को आयोजित भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान समारोह में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि तथा पूर्व मंत्री बंधु तिर्की विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में चान्हो प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पिछले लगभग 20 वर्षों से मांडर विधानसभा के सभी प्रखंडों में आयोजित यह सम्मान समारोह दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करता आ रहा है। यह केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी की प्रतिभा, मेहनत और सपनों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ अन्य बच्चों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। आज प्रतिस्पर्धा के इस दौर में प्रत्येक विद्यार्थी को अपने लक्ष्य के प्रति सजग, अनुशासित एवं समर्पित रहना होगा। निरंतर प्रयास, मेहनत और सकारात्मक सोच ही सफलता की सबसे बड़ी पुंजी है। मंत्री ने कहा कि डिजिटल युग ने शिक्षा एवं ज्ञान के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। कम उम्र में बच्चों का अनुचित डिजिटल सामग्री तक पहुँचना सामाजिक चिंता का विषय है। ऐसे में अभिभावकों एवं शिक्षकों की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ जाती है कि वे बच्चों का सही मार्गदर्शन करें तथा उनके साथ निरंतर संवाद बनाए रखें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक विद्यार्थी सीमित संसाधनों और मूलभूत सुविधाओं के अभाव के बावजूद अपनी प्रतिभा और अथक मेहनत के बल पर उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान न केवल उन्हें नई ऊर्जा देता है, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उन्होंने सम्मानित सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए उनके अभिभावकों, शिक्षकों एवं आयोजन समिति को भी बधाई दी।

☞ **मैट्रिक परीक्षा के प्रखंड स्तरीय टॉप-3 :-** मैट्रिक परीक्षा में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बिजुपाड़ा की श्रेया कुमारी ने 481 अंक (96.2%) प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसी विद्यालय की खुशी कुमारी ने 467 अंक (93.4%) के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रोजेक्ट गर्ल्स +2 हाई स्कूल, ओपा की आंचल कुमारी ने 465 अंक (93%) प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

☞ **इंटरमीडिएट (वाणिज्य) के टॉप-3 :-** एस.वी.बी.बी. इंटर कॉलेज, चान्हो के आयुष भगत ने 415 अंक (83%) प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। आरती कुमारी ने 414 अंक (82.8%) के साथ द्वितीय तथा नितेश ओझा ने 403 अंक (80.6%) प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।

☞ **इंटरमीडिएट (कला) के टॉप-3 :-** कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), चान्हो की रूपा कुमारी ने 434 अंक (86.8%) प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सेजल कुमारी ने 432 अंक (86.4%) के साथ द्वितीय तथा आरती कुमारी ने 421 अंक (84.2%) प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

☞ **इंटरमीडिएट (विज्ञान) के टॉप-3 :-** प्रोजेक्ट +2 हाई स्कूल, दुगदुगिया मैदान, बेयासी की खुशबू उरांव ने 411 अंक (82.2%) प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। किसान +2 हाई स्कूल, पतरातू की मोकब्बेरा अफरीन ने 392 अंक (78.4%) के साथ द्वितीय तथा नौशीन अर्शी ने 382 अंक (76.4%) प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी मेधावी विद्यार्थियों को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने अपने संबोधन में कहा कि मांडर विधानसभा में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मांडर एवं बेड़ो कॉलेजों के आधारभूत ढाँचे में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। हमारा उद्देश्य क्षेत्र के विद्यार्थियों को ऐसी सभी सुविधाएँ उपलब्ध

कराना है, जिससे वे शहरी विद्यार्थियों के साथ समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। कार्यक्रम में चान्हो प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मो. इस्तियाक, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, मुखिया शिव उरांव, प्रियंका उरांव, जुल्फान अंसारी, सांसद प्रतिनिधि मो. गयास, इरशाद खान, अब्दुल्लाह अंसारी, दिलीप सिंह, अजीत सिंह, दिनेश राम, मो. अमान, जीवन मिंज, आनंद मिंज, जावेद अहमद, झारीता उरांव, कुरबान अंसारी, बबलू गुप्ता सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।●

नवनियुक्त सूचना आयुक्तों के शपथ ग्रहण में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री सोरेन

● गुड्डी साव

रांची स्थित लोक भवन में 1 जुलाई को आयोजित एक गरिमामय समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य के नव-नियुक्त सूचना आयुक्तों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई, जो संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप निर्धारित प्राधिकारी द्वारा संपन्न कराई गई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन विशेष रूप से उपस्थित रहे और पूरे समारोह के साक्षी बने। समारोह में अनुज कुमार सिन्हा, तनुज खत्री, शिवपूजन पाठक एवं अमूल्य नीरज खलखो ने सूचना आयुक्त के रूप में शपथ ग्रहण किया । शपथ ग्रहण के उपरांत मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त आयुक्तों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे पारदर्शिता, जवाबदेही तथा जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, राज्यसभा सांसद महुआ माजी तथा बैद्यनाथ राम सहित राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, प्रशासनिक पदाधिकारी, गणमान्य अतिथि एवं अन्य संबंधित व्यक्ति उपस्थित रहे तथा सभी ने नवनियुक्त आयुक्तों को उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।●

राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सीसीएल को प्रथम पुरस्कार

● गुड्डी साव

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपक्रम, रांची की वार्षिक पुरस्कार योजना 2025-26 के अंतर्गत राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन तथा राजभाषा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के उत्कृष्ट एवं सफल संचालन के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में सीसीएल की अग्रणी भूमिका तथा राजभाषा नीति के प्रभावी एवं सतत क्रियान्वयन के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह पुरस्कार सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट (सीएमपीडीआई), रांची में आयोजित एक गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। समारोह में निदेशक तकनीकी सीआरडी नृपेन्द्र नाथ के कर-कमलों से सीसीएल के महाप्रबंधक राजभाषा अशोक कुमार ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर गृह मंत्रालय के पूर्वी क्षेत्र के

उप-निदेशक राजभाषा विचित्रसेन गुप्त पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में सीसीएल द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना की। समारोह में सीसीएल के उप-प्रबंधक राजभाषा डॉ. दिविक दिवेश भी उपस्थित रहे। सीसीएल की यह उपलब्धि सीएमडी, निलेन्दु कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व तथा निदेशक मानव संसाधन हर्ष नाथ मिश्र के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। कंपनी ने राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, हिन्दी के प्रगतिशील प्रयोग, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के राजभाषा प्रशिक्षण, तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी के विस्तार तथा राजभाषा संबंधी नवाचारों के माध्यम से सार्वजनिक उपक्रमों के बीच राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट एवं अग्रणी पहचान स्थापित की है।●

झारखण्ड में सिंडिकेट की सरकार, जनता परिवर्तन का कर रही है इंतजार : रघुवर दास

● गुड्डी साव

भारतीय जनता पार्टी, रांची महानगर जिला द्वारा 5 जुलाई को भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद् एवं प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के 125वें स्मरण पक्ष के अंतर्गत महानगर जिला कार्यालय में महानगर अध्यक्ष वरुण साहू की अध्यक्षता में भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर डॉ. मुखर्जी के जीवन, संघर्ष और राष्ट्रवादी विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल, ओडिशा एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए समर्पित था। उन्होंने सत्ता नहीं, बल्कि सिद्धांतों की राजनीति की। भारतीय जनता पार्टी आज जिस वैचारिक आधार पर विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संगठन बनी है, उसकी मजबूत नींव डॉ. मुखर्जी ने रखी थी। प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाए और राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाए। उन्होंने झारखंड की वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की जनता आज सरकार से खुश नहीं है। झारखंड में सिंडिकेट की सरकार चल रही है। लूट, हत्या, बलात्कार और संगठित अपराध के गिरोह खुलेआम सक्रिय हैं, जबकि सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। पूरी हेमंत सोरेन सरकार

भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। ऐसी जनविरोधी और भ्रष्ट सरकार को लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता से बाहर करने के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अभी से तैयार रहे। जनता आज भाजपा की ओर आशा और विश्वास भरी निगाहों से देख रही है तथा

राज्य में सुशासन और विकास के लिए परिवर्तन चाहती है। रांची विधायक सी.पी. सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन त्याग, तपस्या और राष्ट्रभक्ति की अद्भुत मिसाल है। एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उनका उद्घोष केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की एकता का संकल्प था। आज देश में राष्ट्रीय एकात्मता को मिली मजबूती उनके संघर्ष और बलिदान का परिणाम है।

रांची की महापौर रौशनी खलखो ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें राष्ट्रसेवा, शिक्षा, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों पर चलते हुए हमें समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा और विकास की भावना को पहुंचाना है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। भाजपा रांची महानगर जिला अध्यक्ष श्री वरुण साहू ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। उनका राष्ट्रवादी चिंतन, संगठन निर्माण की क्षमता और अखंड भारत का संकल्प आज भी भाजपा की कार्यशैली का आधार है। स्मरण पक्ष के माध्यम से महानगर के प्रत्येक मंडल एवं बूथ तक उनके विचारों को पहुंचाने का अभियान चलाया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी उनके योगदान से परिचित हो सके। सम्मेलन में वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, सेवा कार्यों को गति देने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। ●

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपक्रम रांची की बैठक

● गुड्डी साव

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपक्रम रांची की बैठक का आयोजन 2 जुलाई को सीएमपीडीआई के निदेशक तकनीकी/सीआरडी नृपेन्द्र नाथ की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर संजय कडम्बार, सदस्य सचिव नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपक्रम रांची तथा पर्यवेक्षक विचित्रसेन गुप्त, उप निदेशक, पूर्व क्षेत्र, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय सहित रांची शहर स्थित लगभग 28 पीएसयू के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में नाथ ने कहा कि सर्वप्रथम मेकॉन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के जिन विजेताओं को यहां पुरस्कार दिया गया है उन्हें शुभकामनाएं । साथ ही नराकास की वार्षिक पुरस्कार योजना 2025-26 के विजेता कार्यालयों सीसीएल भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और मेकॉन लिमिटेड को हार्दिक बधाई । राजभाषा कार्यान्वयन के जो प्रयास इन कार्यालयों ने किए हैं निश्चित तौर पर अन्य कार्यालय उनसे प्रेरणा लेकर अपने-अपने यहाँ राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति सुनिश्चित कर सकेंगे। आगे उन्होंने यह कहा कि राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के अंतर्गत हमें यह उत्तरदायित्व सौंपा गया है कि हम न केवल अपने-अपने कार्यालयों में हिंदी का अधिकतम प्रयोग सुनिश्चित करें, बल्कि एक समन्वित प्रयास के माध्यम से हिंदी

को प्रशासनिक कार्यों की मुख्य भाषा बनाएं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति ऐसे ही समन्वित कार्यान्वयन का मंच है जहां आपसी विचार विमर्श से राजभाषा कार्यान्वयन को सुचारु बनाया जाता है। इसी बुनियादी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नराकास की बैठकों और विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। राजभाषा तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के आधार पर यह कहा जा सकता है कि हमारे अधिकांश सदस्य कार्यालयों ने राजभाषा के प्रयोग में प्रगति की है। विभिन्न कार्यालयों में कार्यशालाएं, प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा राजभाषा पत्रिका प्रकाशन जैसे अनेक प्रशंसनीय प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन यह भी आवश्यक है कि हम केवल औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि राजभाषा को कार्यालयीन व्यवहार का स्वाभाविक माध्यम बनाएं। इसके लिए तकनीकी सुविधाओं का अधिकतम उपयोग, द्विभाषी सॉफ्टवेयर का उपयोग, कर्मचारियों को निरंतर प्रशिक्षण देना तथा राजभाषा हिंदी को कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना जरूरी है। सभी सदस्य कार्यालय यह सुनिश्चित करें कि नराकास की बैठक में कार्यालय प्रमुख स्वयं उपस्थित हों ताकि राजभाषा कार्यान्वयन की पारदर्शी व प्रभावी समीक्षा की जा सके। विदित हो कि वर्ष 2018 से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), रांची की अध्यक्षता का दायित्व सीएमपीडीआई के पास है । कुल 37 पीएसयू इसके सदस्य हैं।●

पेपर लीक और सीबीएसई परीक्षा मामले में मंत्री ने जतायी चिंता

● गुड्डी साव

मंत्री दीपिका पाण्डेय ने कहा देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामले और इस वर्ष सीबीएसई परीक्षा परिणामों को लेकर उठे सवाल बेहद चिंताजनक हैं। हमारे झारखंड के एक होनहार छात्र ने परिणामों में हुई गंभीर त्रुटियों को उजागर किया।री-वैल्यूएशन के बाद झारखंड की बेटी नेशनल टॉपर बनी हैं। ऐसी घटनाएँ केवल विद्यार्थियों को ही नहीं, बल्कि उनके माता-पिता और हम सभी को चिंता

में डालती हैं। कई बच्चों को मेहनत के अनुरूप अंक नहीं मिले। इस तरह की घटनाएं दोबारा न हो इसके लिए हम अपनी पूरी क्षमता के साथ आवाज उठाते रहेंगे और हर स्तर पर संघर्ष करेंगे मंत्री ने कहा राहुल गांधी जी छात्रों की गूंज पहल के माध्यम से इस लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों के अधिकार सुरक्षित रहें और शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बने। इस वर्ष परीक्षा परिणाम, मूल्यांकन प्रक्रिया और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर जो भी अनियमितताएँ सामने आई हैं, उन्हें हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। हमारा प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में कोई भी छात्र ऐसी परेशानियों का सामना न करे।●

अवैध संबंध में पत्नी ने की पति की हत्या

● **ओम प्रकाश**

रांची के बुण्डू इलाके में जहां पत्नी ने अपने चल रहे अवैध संबंध के कारण रास्ते से पति को हटाने के लिए ऐसी खौफनाक साजिश रची जिसे सुनकर हर कोई सन्न है। महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पहले पति की बेरहमी से हत्या करवाई, फिर पहचान छिपाने के लिए उसका सिर काटकर अलग कर दिया और धड़ को पेट्रोल डालकर जंगल में जला दिया। रांची पुलिस की स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम (SIT) ने इस अंधे कत्ल का पर्दाफाश करते हुए मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

☞ **कलाई पर छपे एक नाम से खुला राज** :- इस मामले की शुरुआत बीती 19 जून को हुई थी, जब बुण्डू थाना क्षेत्र के सुमानडीह गांव के पास महादेवटांड़ के जंगलों में एक अज्ञात पुरुष का अधजला और बिना सिर का शव मिला था। शव की हालत देखकर साफ लग रहा था कि अपराधियों ने पहचान छिपाने के लिए सिर काटा और धड़ को आग लगा दी। पुलिस के लिए मृतक की पहचान करना सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन मृतक के दाहिने हाथ की कलाई पर गुदा हुआ एक टैटू पुलिस के लिए सबसे बड़ा सुराग बन गया। कलाई पर 'Sanjoy Raj/Pal' लिखा हुआ था। जिसके बाद रांची के एसएसपी राकेश रंजन के द्वारा पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण राँची के निर्देशन में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बुण्डू के नेतृत्व में SIT टीम का गठन किया गया। SIT टीम के द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी साक्ष्यों, और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस आखिरकार मृतक के घर तक पहुंच गई। मृतक की पहचान तमाड़ थाना क्षेत्र के मांझी टोला निवासी 27 वर्षीय संजय लोहरा के रूप में हुई।

☞ **दो साल से चल रहा था अफेयर, पति को भनक लगते ही सुपारी देकर मारने का बनाया प्लान** :- जब पुलिस ने मामले की गहराई से जांच की तो कड़ियां जुड़ती चली गई। पुलिस के मुताबिक, मृतक संजय लोहरा की पत्नी सुबोधनी देवी का पिछले दो साल से तमाड़ के धोबी टोला के रहने वाले रमन कुमार सेठ के साथ अवैध प्रेम संबंध चल रहा था। हाल ही में संजय को अपनी पत्नी के इस अफेयर की भनक लग गई थी, जिसके बाद घर में विवाद होने लगा। अपने प्यार के बीच में पति को रोड़ा बनता देख सुबोधनी ने खतरनाक कदम उठाने का फैसला किया। उसने अपने प्रेमी रमन के साथ मिलकर संजय को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया और इसके लिए बकायदा सुपारी भी दी गई।

☞ **शौच का बहाना बनाकर रोका, फिर कार से आए कातिल** :- साजिश के तहत 18 जून को सुबोधनी देवी ने अपने पति संजय लोहरा को बहाना बनाकर बुण्डू बुलाया। उसने कहा कि दोनों को सोनाहातु इलाके में एक शादी समारोह में जाना है। संजय अपनी पत्नी को मोटरसाइकिल पर बिठाकर निकल पड़ा। रास्ते में सोनाहातु थाना क्षेत्र के पास आड़िया सतिया नदी के किनारे सुबोधनी ने शौच का बहाना बनाया और पति को बाइक रोकने के लिए कहा। जैसे ही संजय रुका, सुबोधनी नदी की तरफ चली गई। तभी वहां पहले से घात लगाए बैठे उसका प्रेमी रमन कुमार सेठ अपने दो अन्य साथियों के साथ ऑल्टो कार से पहुंच गया। सबने मिलकर संजय लोहरा को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया और फिर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वे शव को ऑल्टो कार में लादकर बुण्डू के सुमानडीह जंगल ले गए। वहां उन्होंने धारदार हथियार (चापड़) से संजय का सिर धड़ से अलग कर दिया। साक्ष्य मिटाने के लिए धड़ पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी, जबकि सिर को तमाड़ के रानी वन जंगल में जमीन के नीचे गाड़ दिया। पुलिस को भटकाने के लिए संजय की बाइक को तमाड़ के बबईकुढ़ी के पास लावारिस छोड़ दिया गया था।

☞ **जंगल से बरामद हुआ कटा हुआ सिर और हथियार** :- पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी करते हुए मुख्य आरोपी रमन कुमार सेठ और मृतक की पत्नी सुबोधनी देवी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मजिस्ट्रेट और फॉरेंसिक (FSL) टीम की मौजूदगी में रानी वन जंगल की खुदाई करवाकर मृतक संजय का कटा हुआ सिर बरामद कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार (चापड़), वारदात में शामिल ऑल्टो कार, दो मोबाइल फोन और मृतक की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। इस पूरे ब्लाइंड मर्डर को सुलझाने में बुण्डू के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओम प्रकाश, थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो, सब-इंस्पेक्टर रंजीत कुमार महतो, रूपलाल प्रसाद और तकनीकी शाखा की टीम ने मुख्य भूमिका निभाई।●

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता:-**

☞ रमन कुमार सेठ, उम्र करीब 34 वर्ष, पिता विजय सेठ, ग्राम धोबी टोला, थाना तमाड़, जिला राँची।

☞ सुबोधनी देवी उम्र करीब 26 वर्ष, पति संजय लोहरा, ग्राम मांझी टोली थाना तमाड़ जिला राँची।

❖ **बरामद एवं जप्त सामानों का विवरण:-**

☞ मृतक का सर

☞ घटना में प्रयुक्त चापड़

☞ एक ऑल्टो कार

☞ दो मोबाईल

☞ एक मोटरसाईकिल

❖ **छापामरी दल में शामिल पुलिसकर्मी/पदाधिकारी :-**

☞ श्री ओम प्रकाश, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महोदय, बुण्डू राँची।

☞ श्री जयदीप टोप्पो पु०नि० सह थाना प्रभारी बुण्डू।

☞ पु०अ०नि० रंजीत कुमार महतो, बुण्डू थाना, राँची।

☞ पु०अ०नि० रूपलाल प्रसाद, बुण्डू थाना, राँची।

☞ स०अ०नि० बलेन्द्र कुमार, तकनीकी शाखा, राँची।

☞ आ0/1854-बिरेन्द्र सिंह, तकनीकी शाखा, राँची।

☞ आ0/3838-रोहित सिंह मुण्डा, तकनीकी शाखा, राँची।

☞ बुण्डू थाना सशस्त्र बल।

नशे के सौदागरों पर रांची पुलिस का कड़ा प्रहार

● ओम प्रकाश

रांची में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डोरंडा थाना क्षेत्र से चार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर, नकद रुपये और मोबाइल फोन बरामद किया हैं। बता दे कि रांची एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने डोरण्डा थाना क्षेत्र में ताबड़तोड़ छापेमारी कर भारी मात्रा में ब्राउन शुगर के साथ चार शातिर तस्करों को रंगे हाथों दबोच लिया है। पुलिस ने तस्करों के पास से कुल 1444 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया है, जिसका वजन 159.03 ग्राम बताया जा रहा है। गुप्त सूचना में बताया गया कि डोरण्डा थाना अंतर्गत धोबी मोहल्ला खटाल में बड़े पैमाने पर नशाखोरी और नशे का अवैध व्यापार चल रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए रांची के सिटी एसपी परस राणा के निर्देश पर हटिया डीएसपी नीरज कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इस स्पेशल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुसई जतरा मैदान और साकेत नगर हिनू में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने मौके से चारों तस्करों को भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। पुलिस की गिरफ्त में आए चारों तस्करों की पहचान हो चुकी है, जिनमें से दो सगे भाई हैं जो अंतरजिला स्तर पर इस सिंडिकेट को चला रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों में पहला नाम दीपक भुइयां (उम्र 32 वर्ष) का है, जो वर्तमान में फॉरेस्टर कॉलोनी डोरण्डा में रहता है और वह मूल रूप से गिरिडीह जिले के सरिया थाना अंतर्गत केपलो का रहने वाला है। इसके अलावा डोरण्डा के नोपाल हाउस पीएचईडी कॉलोनी के रहने वाले दो सगे भाई नरेश कुमार (उम्र 27 वर्ष) और महेश कुमार (उम्र 30 वर्ष) को भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं चौथा आरोपी संदीप कुमार दांगी (उम्र 37 वर्ष) है, जो वर्तमान में साकेत नगर डोरण्डा में किरायेदार के रूप में रह रहा था, जबकि उसका स्थायी पता चतरा जिले का इटखोरी थाना क्षेत्र है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तस्करों के पास से नशे का सामान ही नहीं, बल्कि कैश भी बरामद किया है। पुलिस ने कुल 1444 पुड़िया ब्राउन शुगर (वजन 159.03 ग्राम) के साथ-साथ तस्करों के पास से ड्रग्स बिक्री के 58,100 रुपये नकद और तस्करी के नेटवर्क में इस्तेमाल होने वाले 3 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। नशे के इस बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने में डोरण्डा थाना और हटिया डीएसपी की टीम ने अहम भूमिका निभाई। इस सफल छापेमारी दल का नेतृत्व हटिया डीएसपी नीरज कुमार कर रहे थे। टीम में उनके साथ डोरण्डा थाना के पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे। राँची पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से राजधानी के ड्रग माफियाओं के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि ब्राउन शुगर की खेप कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हैं। जांच में नशे के सप्लाई नेटवर्क, खरीद-बिक्री के ठिकानों और अन्य संदिग्ध लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।●

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी :-

☞ श्री नीरज कुमार, वरीय पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, रॉंची।
☞ पु०अ०नि० रितेश कुमार महतो, प्रभारी था०प्र० डोरण्डा थाना।
☞ पु०अ०नि० रितेश कुमार पाण्डेय, डोरण्डा थाना।
☞ पु०अ०नि० आजाद अंसारी, डोरण्डा थाना।
☞ पु०अ०नि० मुकेश कुमार, डोरण्डा थाना।
☞ स०अ०नि० सुऐब अहमद खान, डोरण्डा थाना।
☞ स०अ०नि० सुखदेव रजक, डोरण्डा थाना।
☞ हव/375 इन्दवार उरॉव, डोरण्डा थाना।
☞ आ0/1108 मो० अरशद खान, डोरण्डा थाना।
☞ चा0आ0/2178 मो० इरफान, डौरण्डा थाना।

''केवल सच'' राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका के 21वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

डॉ. उदय कुमार

उपाधीक्षक,

अनुमंडल अस्पताल, शेरघाटी

जगन्नाथ रथ यात्रा
तैयारियां पूरी, जायजा लेने खुद पहुंची डीजीपी

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा और रथ मेला को लेकर तैयारियां अपने आखिरी दौर में हैं। झारखण्ड पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी ताकत झोंक दी है। सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद करने के लिए खुद डीजीपी तदाशा मिश्रा जगन्नाथपुर मंदिर पहुंचीं। उन्होंने पूरे रथ यात्रा रूट के साथ-साथ मेला परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये। डीजीपी तदाशा मिश्रा के इस दौरे के दौरान उनके साथ रांची के एसएसपी, सिटी एसपी समेत कई सीनियर पुलिस अफसर और मंदिर समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर सुरक्षा से जुड़े एक-एक बिंदु पर गहराई से चर्चा की।

डीजीपी ने जगन्नाथ मंदिर से लेकर मौसीबाड़ी तक के पूरे रथ यात्रा मार्ग का पैदल चक्कर लगाया और जमीनी हकीकत को देखा। इस दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को संभालने के लिए रूट पर की गई बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरे की समीक्षा की गई। साथ ही मेले के दौरान शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रखने, असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की रूपरेखा तय की गई। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम और अन्य जरूरी आपातकालीन सेवाओं के इंतजामों को भी परखा गया। निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने मंदिर परिसर, प्रवेश और निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, ट्रैफिक डायवर्जन, पार्किंग व्यवस्था, कंट्रोल रूम और संवेदनशील स्थलों का जायजा लिया। उन्होंने रांची पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी लेते हुए कहा कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस आयोजन को पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ संपन्न कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भीड़ प्रबंधन की ऐसी व्यवस्था हो जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो। आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल, क्विक रिस्पॉन्स टीम, फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और मेडिकल टीम को पूरी तरह अलर्ट रखने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने मंदिर समिति के पदाधिकारियों से भी बातचीत कर उनके सुझाव सुने और अधिकारियों से कहा कि जो भी सुझाव सुरक्षा और व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहायक हों, उन्हें तत्काल अमल में लाया जाए।

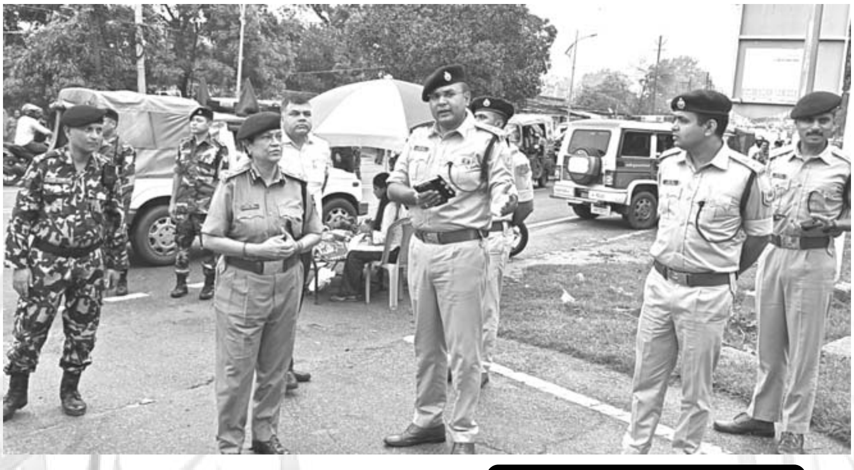

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए डीजीपी ने संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी, ड्रोन सर्विलांस और सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखने और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने को कहा। निरीक्षण के बाद डीजीपी तदाशा मिश्रा ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि आम लोगों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दे कि पुलिस प्रशासन का यह दावा है कि इस बार मेले और रथ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और बेहतर ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। डीजीपी के इस जमीनी निरीक्षण के बाद अब सुरक्षा प्लान को अंतिम रूप देकर लागू किया जा रहा है ताकि श्रद्धालु पूरी तरह सुरक्षित माहौल में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल हो सकें।●

यातायात नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। जून महीने में रिकॉर्ड तोड़ कार्रवाई हुई है। जून में 9.50 करोड़ के चालान निर्गत हुए हैं।

☞ **जून महीने में बन गया रिकार्ड :-** राजधानी रांची में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई की जा रही है। वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (यातायात) के नेतृत्व में राँची शहर के सभी यातायात थाना क्षेत्रों में 1 जून 2026 से 30 जून 2026 तक विशेष यातायात जांच अभियान चलाया गया। एक जून से 30 जून तक चले इस विशेष अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने कुल 1,24,144 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की और लगभग 9.50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

☞ **ट्रैफिक एसपी ने दी जानकारी :-** रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस बेहद सख्त है। ट्रैफिक नियमों के पालन के लिए पहले जागरुकता अभियान चलाया गया था, अब चालान काटा जा रहा है। यह कार्रवाई शहर के लगभग हर प्रमुख चौक-चौराहे और व्यस्त मार्गों पर नियमित निगरानी के साथ की गई है।

☞ **हेलमेट नहीं पहनने वालों का सबसे**

अधिक कटा चालान :- ट्रैफिक पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि सबसे अधिक चालान बिना हेलमेट दोपहिया चालकों के खिलाफ काटे गए। इसमें 58,743 मामले सामने आए हैं। वहीं अवैध पार्किंग कर यातायात बाधित करने पर 50,500 चालान काटे गए। रेड लाइट उल्लंघन (लाल बत्ती पार करने) के 4,612 चालान काटे गए, तेज गति से वाहन चलाने (ओवरस्पीड) के 2,118 चालान काटे गए, अतिरिक्त सवारी बैठाने पर 1,359 चालान, नो-एंट्री का उल्लंघन करने पर 1,312 चालान और गलत दिशा में वाहन चलाने पर 866 चालकों के खिलाफ चालान काटे गए हैं।

☞ **अन्य नियमों के उल्लंघन पर भी कटे चालान :-** ट्रैफिक पुलिस के कार्यालय से मिले आंकड़ों के मुताबिक अभियान के दौरान बिना ड्राइविंग लाइसेंस चलाना, वाहन बीमा न रखना, सीट बेल्ट न पहनना, शराब पीकर वाहन चलाना, प्रेशर हॉर्न का प्रयोग, प्रदूषण प्रमाणपत्र न होना, काली फिल्म और संशोधित साइलेंसर लगाने जैसे कई उल्लंघनों पर भी सख्ती दिखायी गई है। कुल 44 ऑटो चालकों पर कार्रवाई हुई और 22 मामलों में नंबर प्लेट संबंधित परिवर्तन/उल्लंघन पकड़ा गया। 765 मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई और 831 गंभीर मामलों में अभियोजन कर सीधे न्यायालय भेजा गया है।

☞ **सड़क पर अनुशासन जरूरी :-** रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि यह अभियान केवल चालान काटने तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़क पर अनुशासन कायम करने, दुर्घटनाओं को कम करने और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता लाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती रहेगी। राँची यातायात पुलिस ने सभी वाहन मालिकों एवं चालकों से अपील की है कि वे मोटरयान अधिनियम के सभी नियमों का पालन करें, हेलमेट जरूर लगाएं और सीट बेल्ट जरूर पहनें, रेड लाइट का सम्मान करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और अवैध पार्किंग व अन्य नियमों का उल्लंघन न करें। ट्रैफिक एसपी ने कहा कि नियमों का पालन न केवल जुर्माने से बचाने के लिए है, बल्कि इससे सड़क दुर्घटनाओं और जान-माल के नुकसान को भी रोका जा सकता है।●

राज्यपाल संतोष गंगवार ने भरा एन्यूमरेशन फॉर्म

● ओम प्रकाश

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची स्थित लोक भवन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) अभियान के तहत अपना एन्यूमरेशन फॉर्म (Enumeration Form) भरकर उस पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद उन्होंने संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को विधिवत यह प्रपत्र सौंप दिया। इस अवसर पर झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार, रांची के जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री सहित निर्वाचन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने राज्यपाल को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति एवं मतदाता

सूची के अद्यतन कार्यों की जानकारी भी दी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके तथा अपात्र या त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को समय रहते सुधारा जा सके। इस प्रक्रिया के तहत मतदाताओं से निर्धारित प्रारूप में एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की जा रही है। राज्यपाल द्वारा स्वयं इस अभियान में भाग लेकर एन्यूमरेशन फॉर्म भरना नागरिकों के लिए भी एक सकारात्मक संदेश माना जा रहा है। निर्वाचन विभाग ने सभी पात्र मतदाताओं से समय सीमा के भीतर अपने विवरण का सत्यापन कराने तथा संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के माध्यम से आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया है।●

रील बनाने वाले युवक को पुलिस ने कराई परेड

● ओम प्रकाश

सोशल मीडिया पर रातों-रात वायरल होने की चाह अब कई युवाओं को मुश्किल में डाल रही है। राजधानी रांची के चुटिया थाना परिसर में बिना अनुमति रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करना एक युवक को महंगा पड़ गया। वीडियो पुलिस तक पहुंचा तो कार्रवाई हुई और कुछ ही घंटों में दबंग स्टाइल में रील बनाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसकी परेड करा डाली।रील बनाने वाला युवक थाने के सामने बैठकर अपनी गलती की माफी मांगता नजर आया।

☞ **क्या है मामला :-** पुलिस के अनुसार, चुटिया इलाके के रहने वाले साहिल महतो (26 वर्ष) नाम के एक युवक ने हाथ में डंडा लेकर, बैकग्राउंड में पंजाबी गाने की धुन पर एक रील बनाई। वीडियो में वह कथित तौर पर दबंग अंदाज दिखाता नजर आया। इसके बाद उसने रील को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।वीडियो पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचा, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने थाना परिसर जैसी संवेदनशील जगह पर बिना अनुमति वीडियो रिकॉर्डिंग और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने को गंभीरता से लिया। पुलिस के संज्ञान में आने के बाद चुटिया थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर पूनम कुजूर के नेतृत्व में पुलिस ने रिलबाज युवक को ढूंढ निकाला और हिरासत में ले लिया।

☞ **थाने में कराई परेड :-** पुलिस ने युवक को सबक सिखाने के लिए मीडिया के सामने उसी थाना परिसर में उसकी परेड कराई, जहां उसने रील बनाई थी। इसके बाद युवक ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी।पुलिस द्वारा जारी वीडियो में वह कहता है कि उस समय पुलिसकर्मी अपने काम में व्यस्त थे और उसने उसी का फायदा उठाकर थाना परिसर में प्रवेश कर रील बना ली। उसने कहा कि उससे बड़ी गलती हुई है और भविष्य में वह दोबारा ऐसी हरकत नहीं करेगा।

☞ **बॉन्ड भरकर छोड़ा गया :-** रांची के सिटी डीएसपी केवी रमन ने बताया कि थाना परिसर में बिना अनुमति विवादित रील बनाने के मामले में युवक को हिरासत में लिया गया था। चूंकि युवक की यह पहली गलती थी, इसलिए एक लिखित माफीनामा देने के बाद उसे पीआर बॉन्ड (पर्सनल रिकॉग्निजेंस बॉन्ड) पर छोड़ दिया गया।

☞ **रांची पुलिस का संदेश :-** पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी कार्यालयों और विशेषकर संवेदनशील परिसर जैसे थाना क्षेत्रों में बिना अनुमति वीडियो या रील बनाना नियमों के सख्त खिलाफ है, और ऐसा करने वालों पर आगे भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।●

बीएलओ घर आयें तो सहयोग करे : डी.सी.

● ओम प्रकाश

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत रांची जिले में मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) द्वारा घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाने का कार्य जारी है। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि BLO के घर आने पर उन्हें पूरा सहयोग करें और एन्यूमरेशन फॉर्म में सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज कराएं। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन और विश्वसनीय बनाने के लिए फॉर्म में नाम, पिता/पति का नाम, आयु, पूरा पता, मोबाइल नंबर सहित सभी आवश्यक विवरण सावधानीपूर्वक भरना जरूरी है। फॉर्म जमा करने से पहले सभी जानकारियों की एक बार अच्छी तरह जांच भी कर लें, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि न रह जाए। उन्होंने कहा कि गलत, अधूरी या भ्रामक जानकारी देने से भविष्य में मतदान के दौरान परेशानी हो सकती है। इसलिए सभी मतदाता इस प्रक्रिया को गंभीरता से लें और BLO को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। उपायुक्त ने बताया कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रहे तथा जिले की मतदाता सूची पूरी तरह स्वच्छ, सटीक और भरोसेमंद बने। उन्होंने राजनीतिक दलों, जनप्रतिनिधियों और मीडिया से भी मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।●

एसएसपी खुद सुन रहे लोगों की फरियाद

● **ओम प्रकाश**

अब अपनी शिकायत लेकर पुलिस के पास जाने से लोगों को हिचकने की जरूरत नहीं होगी। रांची पुलिस ने आम लोगों को त्वरित न्याय और बेहतर पुलिसिंग का भरोसा दिलाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर एक जुलाई 2026 से रांची जिले के सभी शहरी और ग्रामीण थाना, ओपी और टीओपी में प्रत्येक बुधवार को ''जन शिकायत समाधान कार्यक्रम'' आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का मकसद लोगों की समस्याओं को बिना देरी सुना जाए और जहां संभव हो, उसी दिन उनका समाधान किया जाए। इस कार्यक्रम की जानकारी पहले से ही सोशल मीडिया, प्रेस और प्रबुद्ध नागरिकों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई गई थी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें। इसका असर भी देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायत लेकर थानों तक पहुंचे।

❖ **पहले ही दिन 240 शिकायतें, 134 मामलों का मौके पर समाधान :-** एक जुलाई को आयोजित पहले जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में जिले के अलग-अलग थानों में करीब 240 आवेदन पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने इनमें से 134 मामलों का तुरंत निष्पादन कर दिया, जबकि बाकी मामलों को जांच के लिए रखा गया। इस दौरान सबसे ज्यादा शिकायतें जमीन विवाद और पारिवारिक विवाद से जुड़ी रहीं। इसके अलावा आर्थिक अपराध, साइबर क्राइम, ट्रैफिक, महिला उत्पीड़न और घरेलू विवाद जैसे मामलों की भी सुनवाई हुई।

❖ **दूसरे सप्ताह और बढ़ी लोगों की भागीदारी :-** पहले सप्ताह की सफलता के बाद दूसरे बुधवार यानी 8 जुलाई को लोगों का भरोसा और बढ़ा। इस दिन जिले के विभिन्न थानों में करीब ''380 शिकायतें'' दर्ज हुईं। इनमें से ''160 मामलों का त्वरित समाधान'' कर दिया गया, जबकि गंभीर मामलों में तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। अब राजधानी रांची में हर बुधवार इसी तरह जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, ताकि लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बार-बार थाने के चक्कर न लगाने पड़ें।

❖ **एसएसपी खुद पहुंचे लालपुर थाना, लोगों से सीधे सुनी समस्याएं :-** इस अभियान की सबसे खास बात यह रही कि जिले के बड़े पुलिस अधिकारी खुद थानों में पहुंचे और लोगों की शिकायतें सुनीं। एसएसपी राकेश रंजन लालपुर थाना पहुंचे। उन्होंने फरियादियों से सीधे बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि हर शिकायत पर निष्पक्ष कार्रवाई होगी। कई मामलों में दोनों पक्षों की बात सुनकर मौके पर ही समाधान कराया गया। समाधान होने के बाद लोग संतुष्ट होकर घर लौटे। इस दौरान सिटी डीएसपी केवी रमन और लालपुर थाना प्रभारी रूपेश कुमार भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि लोगों के चेहरे पर संतोष देखना ही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

❖ **बड़े अधिकारियों ने अलग-अलग थानों की संभाली जिम्मेदारी :-** जन शिकायत समाधान कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को अलग-अलग थानों में तैनात किया गया था। सिटी एसपी पारस राणा कोतवाली थाना पहुंचे, जहां उन्होंने एएसपी निखिल राय के साथ लोगों की शिकायतें सुनीं। ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी बुढ़मू थाना पहुंचे और वहां आए मामलों का समाधान कराया। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह अरगोड़ा थाना में मौजूद रहे। नामकुम थाना में पुलिस मुख्यालय प्रथम के डीएसपी अमर पांडेय ने जमीन विवाद की शिकायत मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजकर विवादित काम तत्काल रुकवाया। इसके अलावा हटिया डीएसपी नीरज, सदर डीएसपी संजीव, बेड़ो डीएसपी दीपक कुमार, मुख्यालय टू डीएसपी अजय आर्यन समेत कई अधिकारियों ने अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों की शिकायतें सुनीं। सभी थाना और ओपी प्रभारियों को भी पूरे समय मौजूद रहने का निर्देश दिया गया था।

❖ **किस थाना में कितनी शिकायतें आई :-** विभिन्न थानों में शिकायतों और उनके निष्पादन की स्थिति भी सामने आई :-

☞ सदर थाना में 9 शिकायतें आयी, इनमें 8 का समाधान किया गया और एक में जांच जारी है।

☞ लालपुर थाना में 10 शिकायतें आयी, इनमें 4 का समाधान किया गया जबकि 6 मामलों की

जांच जारी है।

☞ लोअर बाजार थाना में 7 शिकायतें मिलीं, इनमें 5 का निष्पादन हुआ और 2 जांच में हैं।

☞ रातू थाना में 28 आवेदन मिले, 8 मामलों का समाधान हुआ जबकि 20 मामलों की जांच की जा रही है।

☞ दलादली ओपी में 2 आवेदन आये, एक का समाधान हुआ और एक जांच में है।

☞ नगड़ी थाना में कई मामलों का समाधान करते हुए पांच शिकायतों पर कार्रवाई की गई।

☞ डोरंडा थाना में 12 शिकायतें आयी, छः मामलों का समाधान हुआ, पांच जांच में गए और एक मामले में एफआईआर दर्ज हुई।

8. जगन्नाथपुर थाना में 8 शिकायतों में तीन का समाधान हुआ है और पांच जांच में है।

☞ ओरमांझी थाना में सात शिकायतों में पांच का समाधान किया गया, एक एफआईआर दर्ज हुई और एक जांच में है।

☞ अनगड़ा थाना में छह शिकायतें आयी। तीन का समाधान किया गया, एक में निरोधात्मक कार्रवाई हुई और दो मामलों की जांच शुरू हुई।

☞ सिकिदिरी थाना में पांच शिकायतों में तीन का समाधान किया गया, एक में निरोधात्मक कार्रवाई और एक मामले की जांच शुरू हुई।

☞ नामकुम थाना में पांच शिकायतें आयी, तीन का समाधान हुआ और दो मामलों की जांच जारी है।

☞ पिठोरिया थाना में नौ शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें पांच जमीन विवाद और चार पारिवारिक विवाद से जुड़ी थीं।

❖ गंभीर मामलों में तुरंत दर्ज हुई एफआईआर :- जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के दौरान केवल सामान्य विवाद ही नहीं आए, बल्कि कई गंभीर मामले भी सामने आए। इनमें शादी का झांसा देकर यौन शोषण, महिला उत्पीड़न, चोरी और जमीन विवाद जैसे संवेदनशील मामले शामिल थे। एसएसपी के निर्देश पर ऐसे मामलों में बिना देरी किए तत्काल एफआईआर दर्ज की गई और अनुसंधान शुरू कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि सभी लंबित मामलों की भी गंभीरता से जांच कर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

❖ हर बुधवार लोगों के लिए खुला रहेगा थाना :- रांची पुलिस का कहना है कि यह कार्यक्रम अब नियमित रूप से हर बुधवार आयोजित किया जाएगा। राजधानी के सदर, लालपुर, ओरमांझी, जगन्नाथपुर, धुर्वा, डोरंडा, चुटिया, सुखदेवनगर, बरियातू, अरगोड़ा समेत शहर और ग्रामीण क्षेत्र के सभी थाना, ओपी और टीओपी में लोग अपनी शिकायत लेकर पहुंच सकते हैं। पुलिस प्रशासन का मानना है कि इस पहल से पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ेगा, छोटे विवाद समय रहते सुलझेंगे और लोगों को न्याय के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।●

रांची नगर निगम ने होल्डिंग टैक्स के वसूले 48.02 करोड़ रूपये

● **ओम प्रकाश**

वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में रांची नगर निगम ने होल्डिंग टैक्स संग्रहण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। निगम ने 1 अप्रैल से 30 जून 2026 के बीच कुल 48 करोड़ 2 लाख 39 हजार 390 रूपये की संपत्ति कर (होल्डिंग टैक्स) संग्रह किया। यह राशि 88,675 करदाताओं से प्राप्त हुई। नगर निगम के अनुसार, 30 जून तक एकमुश्त होल्डिंग टैक्स जमा करने पर अधिकतम 10 प्रतिशत की विशेष छूट मिलने के कारण बड़ी संख्या में नागरिकों ने समय पर कर का भुगतान किया। कर संग्रहण में डिजिटल भुगतान की भूमिका लगातार बढ़ रही है। पहली तिमाही में 27,267 करदाताओं ने ऑनलाइन के माध्यम से 17 करोड़ 35 लाख 27 हजार 959 रूपये जमा किए। वहीं निगम मुख्यालय एवं डोरंडा अंचल के जन सुविधा केंद्रों के माध्यम से 11,525 करदाताओं ने 5 करोड़ 44 लाख 80 हजार 144 रूपये का

भुगतान किया। अन्य माध्यमों से प्राप्त राशि को मिलाकर कुल संग्रह 48.02 करोड़ रूपये तक पहुंच गया। नगर निगम ने बताया कि होल्डिंग टैक्स से प्राप्त राजस्व का उपयोग शहर में सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत नागरिक सुविधाओं के विकास और सुदृढ़ीकरण में किया जाएगा। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने समय पर होल्डिंग टैक्स जमा करने वाले सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि करदाताओं का सहयोग रांची के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि करदाताओं से प्राप्त प्रत्येक रुपये का उपयोग नागरिक सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने तथा शहर के समग्र विकास के लिए किया जाएगा। नगर निगम ने सभी नागरिकों से समय पर संपत्ति कर जमा कर शहर के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- मेष राशि के जातकों को लंबे समय से रोजी-रोजगार की तलाश में भटक रहे लोगों को मनचाहा अवसर प्राप्त हो सकता है,यह समय परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे लोगों के लिए भी शुभ साबित होगा,घर में परिजनों का पूरा और कार्यक्षेत्र में सीनियर का पूरा सहयोग मिलेगा, मनचाहा प्रमोशन या तबादला मिल सकता है, समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा,प्रियजनों से मुलाकात होगी और परिजनों के साथ सुखद समय व्यतीत होगा, व्यवसाय के सिलसिले में लंबी या छोटी दूरी की यात्रा संभव है, यात्रा सुखद एवं लाभदायक साबित होगी,माह के मध्य में आपको सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा!

वृषभ राशि :- वृष राशि के जातकों को इस महीने की शुरुआत में इष्टमित्र या प्रभावी व्यक्ति की मदद से लंबे समय से अटके काम पूरे हो सकते हैं, इस दौरान आपका पूरा फोकस परिवार की जरूरतों को पूरा करने और संबंधों को सुधारने में रहेगा, नौकरीपेशा लोगों के लिए भी यह समय शुभता और सफलता लिए रहने वाला है, विशेष रूप से मार्केटिंग,कमीशन आदि पर काम करने वाले लोगों के लिए यह अत्यंत शुभ और लाभदायी साबित होगा, यदि आप नौकरी में बदलाव की सोच रहे तो आपको बेहतर अवसर प्राप्त हो सकता है, परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को भी कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, परिवार से जुड़ा अहम फैसला लेते समय माता-पिता का पूरा समर्थन प्राप्त होगा, माह के तीसरे सप्ताह के तीसरे सप्ताह की शुरुआत से आपको भाग्य का थोड़ा कम सहयोग मिलता हुआ नजर आएगा।

मिथुन राशि :- मिथुन राशि के जातकों को पूर्व में किसी योजना में किए गए निवेश से मनाचाहा लाभ होगा, नौकरीपेशा लोगों की आय के अतिरिक्त स्रोत बनेंगे, किसी इष्ट-मित्र या फिर प्रभावी व्यक्ति की मदद से करिअर को आगे बढ़ाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा, बेरोजगार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे,माह के दूसरे सप्ताह में अचानक से कहीं से धन लाभ होगा, भूमि-भवन से जुड़े विवाद का निबटारा होगा,हालांकि इस समय सेहत संबंधी कुछेक दिक्कतें आपकी प्रगति में बाधक बन सकती हैं, किसी पुरानी बीमारी के उभरने के कारण अस्पताल के चक्कर काटने पड़ सकते हैं, विशेष रूप से हड्डी से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं, इस दौरान वाहन सावधानीपूर्वक चलायें!

कर्क राशि :- कर्क राशि के जातकों को इस माह की शुरुआत में आपको धन का प्रबंधन करके चलना होगा,अन्यथा आपका बजट गड़बड़ा सकता है,माह की शुरुआत में की गई फिजूलखर्ची बाद में आपके लिए कर्ज लेने का बड़ा कारण बन सकती है, इस दौरान सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर जेब से अधिक धन खर्च हो सकता है,भूमि-भवन से जुड़े विवाद को बजाय कोर्ट-कचहरी ले जाने के बातचीत से सुलझा लेना उचित रहेगा, अन्यथा आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है,इस दौरान आप अपनी दिनचर्या और खान-पान का विशेष ख्याल रखें, विशेष रूप से यदि कोई पुरानी बीमारी दोबारा उभरती है या फिर मौसमी बीमारी की चपेट में आते हैं तो उसे बिल्कुल नजरंदाज न करें, अन्यथा आपको अधिक शारीरिक कष्ट झेलना पड़ सकता है।

सिंह राशि :- सिंह के जातकों का ये महीना काफी सामान्य रहेगा,माह की शुरुआत में आपको शुभता और सफलता दोनों का साथ मिलेगा, आपके इष्टमित्र और रिश्तेदार आपके प्रत्येक काम में सहयोग करते नजर आएंगे,इस दौरान प्रेम संबंध में भी हंसी-खुशी फल बीतेंगे लेकिन माह के दूसरे सप्ताह में आपको किसी के साथ हास-परिहास करते समय बेहद सावधानी बरतनी है,अन्यथा आपके अपने भी आपसे नाराज होकर साथ छोड़ सकते हैं। इस दौरान आपको किसी भी तरह के विवाद से खुद को दूर रखने का प्रयास करना चाहिए।

कन्या राशि :- कन्या राशि के जातकों को इस महीने व्यवसाय में मनचाहा लाभ होगा बल्कि कारोबार में विस्तार का सपना भी साकार होगा,नौकरीपेशा लोगों को अपने सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग प्राप्त होगा,आय के नए स्रोत बनेंगे, परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है,परिश्रम का पूरा परिणाम प्राप्त होगा,माह के दूसरे सप्ताह में किसी तीर्थ स्थान की यात्रा हो सकती है, इस दौरान आपका अधिकांश समय सामाजिक धार्मिक कार्यों में बीतेगा,परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है।

तुला राशि :- तुला राशि के जातकों के लिए ये माह की शुरुआत में आपको घर और बार दोनों जगह लोगों का सहयोग और समर्थन मिलेगा,कार्यक्षेत्र में सीनियर आपके कामकाज की तारीफ करेंगे, उच्च पद की प्राप्ति या फिर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी मिल सकती है, माह के उत्तरार्ध का थोड़ा सा समय छोड़ दिया जाए तो पूरा मास व्यवसाय की दृष्टि से उत्तम कहा जा सकता है, इस दौरान आपको करिअर और कारोबार में मनचाही प्रगति और लाभ मिलेगा,यदि आप लंबे समय से सुख-सुविधा से जुड़ी चीज को खरीदने या फिर घर की साज-सज्जा की योजना बना रहे थे तो इस माह आपकी यह कामना पूरी हो जाएगी।

वृश्चिक राशि :- वृश्चिक राशि के जातकों के लिए इस दौरान आपका अधिकांश समय घर-परिवार से लेकर कामकाज की परेशानियों को दूर करने में बीतेगा। जुलाई माह के पहले सप्ताह में भूमि-भवन आदि को लेकर परिवार के सदस्यों से तकरार हो सकती है। स्वजनों से मनचाहा सहयोग न मिल पाने पर मन थोड़ा खिन्न रहेगा। प्रेम संबंध में भी गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको अपने लक्ष्य से भटकाने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि :- धनु राशि जातक को प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता प्राप्त होगी,इसके साथ इन्हें अपनी वाणी और व्यवहार पर भी नियंत्रण रखना होगा, घर-परिवार और कार्यक्षेत्र में लोगों की छोटी-मोटी बातों को इग्नोर करना ही बेहतर रहेगा,माह की शुरुआत उन लोगों के लिए शुभ साबित हो सकती है जो लंबे समय से रोजी रोजगार या फिर अपने प्रमोशन आदि के लिए परेशान थे!

मकर राशि :-मकर राशि के जातकों के लिए ये महीना मिलाजुला रहने वाला है। इस महीने आपको अपनी सेहत और संबंध दोनों पर बहुत ध्यान देने की जरूरत रहेगी, माह की शुरुआत में ही किसी प्रिय के साथ गलतफहमी या विवाद होने के कारण मन खिन्न रहेगा, इस दौरान आपको घर-परिवार और कार्यक्षेत्र में बहुत सोच-समझकर बात करने की जरूरत रहेगी,क्रोध करने और दूसरों को अपशब्द कहने से बचें, भूमि-भवन से जुड़े विवाद को कोर्ट-कचहरी में ले जाने की बजाय किसी वरिष्ठ की मदद से सुलझाने का प्रयास करें।

कुंभ राशि :- कुंभ राशि के जातकों के लिए नये अवसर प्रदान करने वाला रहेगा,इस दौरान आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे, जिससे आपके भीतर आत्मविश्वास में वृद्धि होगी,माह की शुरुआत में सुख-सुविधा से जुड़ी किसी चीज के क्रय से घर में खुशियों का माहौल रहेगा, इस दौरान आपको कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का खूब सहयोग मिलेगा।

मीन राशि :- मीन राशि के जातकों के लिए ये महीना अत्यंत ही शुभ साबित होने जा रहा है, माह की शुरुआत में संतान पक्ष की किसी बड़ी उपलब्धि से परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा, इस दौरान घर में मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकते हैं, परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा भी संभव है, यदि आप लंबे समय से भूमि-भवन या वाहन आदि लेने की सोच रहे थे तो इस महीने आपकी यह कामना पूरी हो सकती है, नौकरीपेशा लोगों को मनचाही जगह पर तबादला अथवा प्रमोशन मिल सकता है,यदि आप नौकरी में बदलाव की सोच रहे थे उसके लिए भी आपको बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे।

✯ **फिशिंग और ओटीपी फ्रॉड से बचने के तरीके क्या हैं?**

फिशिंग और ओटीपी फ्रॉड डिजिटल धोखाधड़ी के सामान्य रूप हैं, जहां ठग संवेदनशील जानकारी चुराने की कोशिश करते हैं। इनसे बचाव के लिए सतर्कता और सरल आदतें अपनाएं।

❖ **फिशिंग से बचाव :-**

☞ अनजान ईमेल, एसएमएस या लिंक पर क्लिक न करें; सीधे आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

☞ संदेशों में व्याकरण त्रुटियां या जल्दबाजी की मांग हो तो संदेह करें और भेजने वाले की पुष्टि करें।

☞ एंटीवायरस सॉफ्टवेयर अपडेट रखें।

❖ **ओटीपी फ्रॉड से बचाव :-**

☞ कभी भी ओटीपी, पासवर्ड या बैंक विवरण फोन, मैसेज या ईमेल पर न शेयर करें, भले ही कॉलर बैंक का दावा करे।

☞ संदिग्ध नंबर ब्लॉक करें और आधिकारिक नंबर पर खुद संपर्क करें।

☞ बैंक स्टेटमेंट नियमित जांचें और अनधिकृत लेनदेन पर तुरंत रिपोर्ट करें।

☞ शिकायत cybercrime.gov.in पर दर्ज करें या 1930 पर कॉल करें। जागरूकता से 90% फ्रॉड रोके जा सकते हैं।

निष्कर्ष रूप में यही कहा जा सकता है कि नए जमाने का नए प्रकार का साइबर अपराध जो अब एक विकराल रूप ले चुका है क्योंकि अब साइबर अपराध एक राष्ट्रीय समस्या नहीं है बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या बन चुकी है, इससे आज के समय में सभी प्रभावित हैं चाहे वह डॉक्टर हो, इंजीनियर हो, पुलिस हो, जज हो, व्यवसायी हो, छात्र हो, महिलाएं हों सभी लोग इसके दायरे में हैं और आए दिन नए-नए प्रकार के साइबर ठगी की शिकायतें प्राप्त होते रहती हैं द्य आज के समय में जितने टेक्नोलॉजी बढती जा रही है उतने ही साइबर अपराध की संभावनाएं भी बढ़ती जा रही हैं, इसलिए सरकार को इस विषय पर गंभीरता से सोचनी चाहिए और साइबर अपराध से बचने के तरीकों का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया एवं जगह-जगह पर कैंप लगाकर आम जनता को साइबर फ्रॉड से बचाव के तरीकों के बारे में लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम चलाना चाहिए, क्योंकि जानकारी ही बचाव है सावधानी हटी दुर्घटना घटी द्य सावधान रहें और सुरक्षित रहें।

✯ **साइबर अपराध को कैसे रोका जाए?**

साइबर अपराध रोकने के लिए मजबूत और अलग पासवर्ड का इस्तेमाल करें, सॉफ्टवेयर और एंटीवायरस को अपडेट रखें, संदिग्ध ईमेल/लिंक से बचें, सार्वजनिक वाई-फाई पर सतर्क रहें, दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें और संवेदनशील जानकारी ऑनलाइन साझा न करें; साथ ही, डेटा का नियमित बैकअप लें और किसी भी धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट करें, जैसे हेल्पलाइन 1930. साइबर अपराध की शिकायत cybercrime.gov.in या 1930 पर करें। सीईआरटी-इन और 14 सी निगरानी करते हैं।

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

❖ **व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय :-**

☞ **मजबूत पासवर्ड :-** हर अकाउंट के लिए अलग, लंबे और जटिल पासवर्ड (अक्षरों, संख्याओं और प्रतीकों का मिश्रण) का प्रयोग करें और उन्हें नियमित रूप से बदलें।

☞ **सॉफ्टवेयर अपडेट :-** अपने ऑपरेटिंग सिस्टम, ऐप्स और एंटीवायरस को हमेशा अपडेटेड रखें।

☞ **एंटीवायरस/फायरवॉल :-** विश्वसनीय एंटीवायरस और फायरवॉल सॉफ्टवेयर का उपयोग करें और उन्हें सक्रिय रखें।

☞ **फिशिंग से बचें :-** अनजाने ईमेल, मैसेज या पॉप-अप में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें; संदिग्ध अटैचमेंट डाउनलोड न करें।

☞ **फिशिंग और धोखाधड़ी :-** निवेश स्कैम, डिजिटल अरेस्ट। आईपीसी धारा 420 के साथ आई टी एक्ट लागू।

☞ **टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन :-** जहाँ भी संभव हो, 2FA या मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (MFA) सक्षम करें।

☞ **संवेदनशील जानकारी :-** सोशल मीडिया या असुरक्षित साइटों पर अपनी निजी जानकारी (जैसे बैंक डिटेल्स, पासवर्ड) साझा न करें।

☞ **डेटा बैकअप :-** अपने जरूरी डेटा का नियमित रूप से बैकअप (बाहरी ड्राइव या क्लाउड पर) लें।

☞ **सार्वजनिक Wi-Fi :-** सार्वजनिक Wi-Fi का उपयोग करते समय सावधान रहें या VPN (Virtual Private Network) का प्रयोग करें।

❖ **घटना होने पर क्या करें :-**

☞ **बैंक/कार्ड :-** वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत अपने बैंक को सूचित करें।

☞ **पासवर्ड बदलें :-** प्रभावित खातों के पासवर्ड तुरंत बदलें, खासकर ईमेल और बैंकिंग के।

☞ **रिपोर्ट करें :-** किसी भी साइबर अपराध की शिकायत संबंधित अधिकारियों (जैसे cybercrime.gov.in या हेल्पलाइन 1930) को तुरंत दर्ज करें।

☞ **बच्चों की सुरक्षा :-** बच्चों को इंटरनेट के खतरों के बारे में शिक्षित करें और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें।

PREMIUM
PREMIUM
DELIA
Purity of Nature
PACKAGED
DRINKING WATER
Net Qty: 1000 ML
DELIA
WATER BOTTLE
PREMIUM
DELIA
PURITY OF NATURE
PURE & SAFE
DRINKING WATER
HYGIENICALLY
PROCESSED
PREMIUM QUALITY
PACKAGING
WITH ADDED MINERALS
PACKAGED DRINKING WATER
TREATMENT METHOD
RO PROCESSED, UV TREATED, & OZONISED BEST BEFORE SIX MONTHS FROM PACKAGING, DO NOT ACCEPT IF SEAL IS BROKEN OR TEMPERED, STORE IN COOL, DRY & HYGIENIC PLACE. KEEP THE CONTAINER AWAY FROM DIRECT SUNLIGHT
INGREDIENTS:
TREATED WATER, MINERALS
(SALTS OF CALCIUM (1.0 mg), MAGNESIUM (0.5*mg)
AND POTASSIUM (0.1mg). *ADDED QUANTITY PER 100 ml
Mob.- 9931446618
NOTE: Rates are subject to change without prior notice.

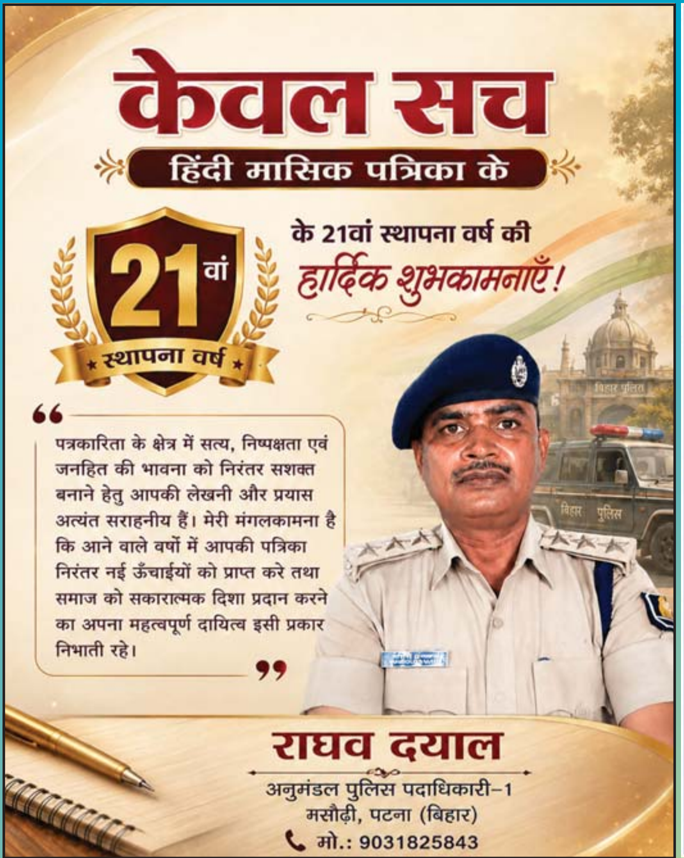
केवल सच
हिंदी मासिक पत्रिका के
21 वां
स्थापना वर्ष
के 21वां स्थापना वर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ!
पत्रकारिता के क्षेत्र में सत्य, निष्पक्षता एवं जनहित की भावना को निरंतर सशक्त बनाने हेतु आपकी लेखनी और प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। मेरी मंगलकामना है कि आने वाले वर्षों में आपकी पत्रिका निरंतर नई ऊँचाईयों को प्राप्त करे तथा समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करने का अपना महत्वपूर्ण दायित्व इसी प्रकार निभाती रहे।
राघव दयाल
अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1
मसौढ़ी, पटना (बिहार)
मो.: 9031825843

ज्ञानदीप
इण्टरनेशनल विद्यालय
ज्ञान की ज्योति,
उज्वल भविष्य की गारंटी
अनुशासन
संस्कार
शिक्षा
सफलता
सिमुलतला, सैनिक स्कूल बी.एच.यू, एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक आदर्श संस्थान
ज्ञानदीप इंटरनेशनल विद्यालय
COMPUTER LAB
LABORATORY
LIBRARY
हमारी विशेषताएँ
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की सुनियोजित तैयारी
सैनिक स्कूल, RMS, RIMC, नवोदय, B.H.U. एवं अन्य प्रवेश परीक्षाओं की विशेष कक्षाएं
अनुभवी, समर्पित एवं परिणाममुखी शिक्षक
आधुनिक सुविधाएँ एवं अनुशासित वातावरण
व्यक्तित्व विकास, खेलकूद एवं नैतिक शिक्षा पर विशेष ध्यान
नियमित टेस्ट एवं मूल्यांकन की व्यवस्था
स्मार्ट क्लास रूम एवं डिजिटल लर्निंग की सुविधा
हमारे होनहार सितारे
GOVIND KR.
Sainik School Tia
RANVEER KR.
S.S. Kapurthala
SAURAV KR.
S.S. Kalikiri
ADITYA RAJ
S.S. Kapurthala
SAKSHI KUMARI
S.S. Purulia
ARYAN RAJ
S.S. Kalikiri
Congratulations!
सत्र 2026-27
प्रवेश प्रारम्भ
कक्षा : नर्सरी से 12वीं तक
(सभी संकाय)
आज ही प्रवेश लें
सीमित सीटें उपलब्ध
सुविधाएँ
स्मार्ट क्लास रूम
डिजिटल लर्निंग
अनुशासित वातावरण
नियमित टेस्ट एवं मूल्यांकन
व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम
खेलकूद की उत्कृट सुविधा
"शिक्षा से ही निर्माण है, संस्कार से ही पहचान है और अनुशासन से ही सफलता है।"
वारिसलीगंज, नवादा (बिहार)
www.gyandeepintschool.com
★★ छात्र एवं छात्राओं के लिए उत्तम छात्रावास की व्यवस्था ★★

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर
केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।
संस्थान
राष्ट्रीय समन्वयक
प्रमण्डल समन्वयक
प्रदेश समन्वयक
जिला समन्वयक
पंचायत समन्वयक
प्रखण्ड समन्वयक
अनुमण्डल समन्वयक
वार्ड समन्वयक
सदस्य
shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट
श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट
भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित
निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073
केवल सच सामाजिक संस्थान
भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित
www.shruticommunicationtrust.org
निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63
KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN
www.ks3.org.in
Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi
Mob.- 9431073769

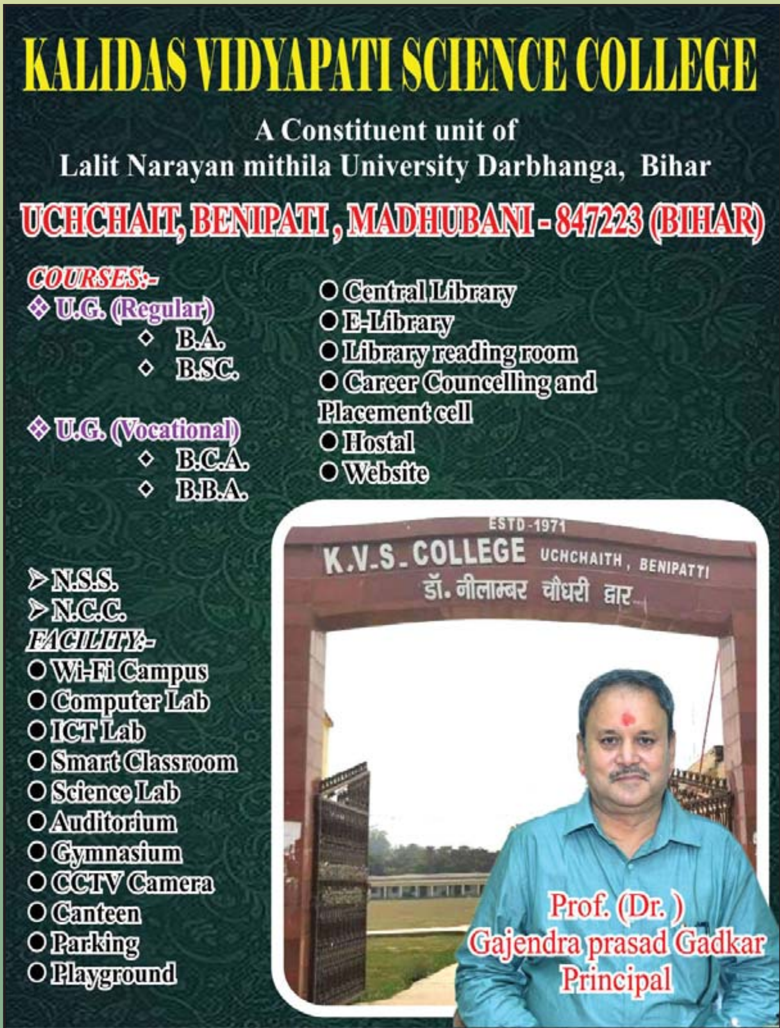
KALIDAS VIDYAPATI SCIENCE COLLEGE
A Constituent unit of
Lalit Narayan mithila University Darbhanga, Bihar
UCHCHAIT, BENIPATI, MADHUBANI - 847223 (BIHAR)
COURSES:-
U.G. (Regular)
B.A.
B.SC.
U.G. (Vocational)
B.C.A.
B.B.A.
N.S.S.
N.C.C.
FACILITY:-
Wi-Fi Campus
Computer Lab
ICT Lab
Smart Classroom
Science Lab
Auditorium
Gymnasium
CCTV Camera
Canteen
Parking
Playground
Central Library
E-Library
Library reading room
Career Councelling and Placement cell
Hostal
Website
ESTD-1971
K.V.S. COLLEGE UCHCHAITH, BENIPATTI
डॉ. नीलाम्बर चौधरी द्वार
Prof. (Dr.)
Gajendra prasad Gadkar
Principal

Affiliation No.: 330574
संत जॉन्स पब्लिक स्कूल
Senior Secondary School 10+2
आपकी उम्मीद से एक कदम आगे Affiliated to C.B.S.E., New Delhi
Nur से 10+2 तक की कक्षाएं संचालित
के. एन. मार्केट, मेन रोड, वारिसलीगंज (नवादा)
केवल सच के 21वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ
आपके क्षेत्र का सी.बी.एस.ई. (नई दिल्ली) द्वारा मान्यता प्राप्त एक विशिष्ट पहचान का विद्यालय है। विद्यालय अपनी विशेषताओं के कारण जानी जाती है।
हमारी विशेषताएँ
शैक्षिक वातावरण में विद्यार्थियों का सम्पूर्ण विकास ।
समय-समय पर प्रतियोगी परिक्षाएँ ।
बच्चों की इंगलिश स्पीकिंग पर विशेष ध्यान ।
प्रत्येक माह अभिभावक एवं शिक्षक गोष्ठी स्कूल के बाद कमजोर विद्यार्थियों के लिए डे-वोडिंग कोचिंग की सुविधा ।
वर्ग X में अच्छे रिजल्ट की गारण्टी ।
बच्चों को आने-जाने के लिए वाहन की सुविधा ।
बच्चों के विशेष देखभाल के लिए प्रत्येक कमरे में सी.सी.टी.वी. कैमरे की व्यवस्था ।
बच्चों के खेल-कूद के लिए 2 एकड़ का खेल मैदान ।
छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास की व्यवस्था ।
प्रत्येक वर्ग में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था ।
सबसे कम शुल्क में सबसे अच्छी शिक्षा की गारण्टी ।
SANTOSH KUMAR
PRINCIPAL
अधिक जानकारी के लिए हमारे विद्यालय से सम्पर्क करें।
8210216352, 9006206449, 9431277471
Lal kothi, opposite Muslim High School, Bhagalpur

26 YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION
ANR EDUCATIONAL GROUP
where Knowledge spells Confidence
JEHANABAD, BIHAR
ANR PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE 10+2
Kako road Hajipur Jehnabad.
Contact No.- 9472080889/90
BRILLIANT PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE 10+2
Paleya Makhdhumpur,
Contact No.- 9472080846/47
NIRANJANA
GYAN NIKETAN
Opp LIC Office, North Gandhi Maidan, Jehnabad
Contact No. 9472530017
BRILLIANT PUBLIC SCHOOL
Kurtha Road, Sakurabad.
To be Affiliated to CBSE.
Contact No. 9472080843
CHILDREN ACADEMY
Purani Bijli Colony, Jehnabad.
All School Run and Managed By
ANR EDUCATIONAL TRUST
Under the Leadership of
Mrs. Nirmala Sharma, Director
ANR Educational Group, Jehnabad.

"केवल सच"
हिन्दी मासिक पत्रिका
के 21वें स्थापना वर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ।
METHODIST HOSPITAL
प्रताप सागर,
बक्सर-802101 (बिहार)
-: निवेदक :-
डॉ0 आर.के. सिंह

COMFED
Sudha
DAIRY RICH ICE-CREAM
PATNA DAIRY PROJECT
Helpline No : 06204381026 | E-mail : vpmu.mkt@gmail.com

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008

Dispersing Happiness

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
बिहार सरकार
NAGAR PARISHAD KHAGAUL PATNA
ESTD. 1963
नगर परिषद् खगौल
"बढ़ता बिहार, बदलता बिहार"
बिहार सरकार
नगर विकास एवं आवास विभाग
श्री नीतीश मिश्रा, माननीय मंत्री
नगर विकास एवं आवास विभाग
हमारा संकल्प
स्वच्छ, सुंदर
और विकसित खगौल
श्री सम्राट चौधरी
माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार
स्वच्छता से समृद्धि, योजना से प्रगति
नगर परिषद, खगौल
स्वच्छता
हमारा संकल्प
जल आपुर्ति
हमारी प्राथमिकता
सड़क एवं
आधारभूत संरचना
प्रकाश व्यवस्था
सुरक्षित खगौल
हरित खगौल
स्वस्थ खगौल
जन सहभागिता
हमारी शक्ति
स्वच्छ भारत मिशन
घर-घर कचरा संग्रहण
कूड़ा का वैज्ञानिक निस्तारण
सार्वजनिक स्थलों की नियनित सफाई
प्लास्टिक मुक्त खगौल
स्वच्छता ही सेवा
स्वच्छ
भारत
स्वस्थ भारत
स्वच्छ खगौल, स्वस्थ खगौल
हमारी उपलब्धियां
मुख्य सडकों का सुदृढीकरण एवं सौदर्यीकरण
सहयोग शिविर का आयोजन
पेयजल आपूर्ति का विस्तार
नालों की सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था में सुधार
हरित क्षेत्र का विकास
प्रधाना मंत्री
आवास योजना-शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban
प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)
सभी के लिए आवास – हमारा प्रयास
सभी पात्र परिवारों को पक्का घर
पारदर्शी चयन प्रक्रिया
समयबद्ध निर्माण
सम्मानजनक जीवन की ओर कदम
अपना घर
सपना नहीं,
अब हकीकत
आइए, हम सब मिलकर खगौल को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाएं।
अपना शहर
अपनी जिम्मेदारी
कचरा न फैलाएं,
खगौल को स्वच्छ बनाएं
जल बचाएं,
भविष्य सुरक्षित बनाएं
पेड़ लगाएं,
पर्यावरण बचाएं
सहयोग करें,
खगौल का विकास करें
नगर परिषद खगौल, पटना
0612-4514464
Website -
nagarparishadkhagaul.in
X-@NPKhagaul